वाणिज्य दर्पण | स्वतंत्र मत | शुक्रवार 06 नवंबर 2026 | 3

जबलपुर शुक्रवार 6 नवम्बर 2026 > कार्तिक कृष्ण पक्ष, द्वादशी/धनतेरस

वर्ष 32 अंक 129 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ▸▸ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 31.5°C
न्यूनतम तापमान 15.0 °C

सूर्योदय - 6.18 | सूर्यास्त - 5.30

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



आवेदक सुजान के पुत्र हीरालाल को .. ▸▸ 4



धनतेरस सकारात्मकता और समृद्धि के स्वागत... ▸▸ 7



डब्ल्यूटीए क्वार्टरफाइनल में 14 साल बाद ... ▸▸ 10

नए स्वदेशी आर्म्ड वाहन का लेह-लद्दाख में सफल परीक्षण

व्हीएफजे ने बनाया सेना का सुरक्षा कवच



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आर्म्ड व्हीकल निगम लि. की जबलपुर स्थित इकाई व्हीकल फैक्टरी जबलपुर ने भारतीय सेना की युद्ध क्षमता को अधिक मजबूत करने के लिए एक नया स्वदेशी सुरक्षा कवच 'स्वदेशी लाइट आर्म्ड मल्टीपरपज व्हीकल' (एलएएमवी) विकसित किया है। यह बख्तरबंद वाहन कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और शहरी युद्ध के मैदानों में तैनात होकर सैन्य अभियानों को नई गति देगा। फैक्टरी ने इस वाहन को आत्मनिर्भर भारत अभियान की सोच के अनुरूप तैयार किया है, जिसके अधिकांश कलपुर्जे देश के भीतर ही निर्मित हो रहे हैं। वीएफजे ने इस वाहन का मॉडल तैयार करते समय आधुनिक युद्ध की जरूरतों के साथ-साथ जवानों की सुरक्षा, तेज रफ्तार, भारी सामान ले जाने की क्षमता और कठिन रास्तों पर सहज आवाजाही का विशेष ध्यान रखा है। फैक्टरी ने वाहन की कार्यक्षमता और मजबूती को परखने के लिए देश के बेहद चुनौतीपूर्ण और दुर्गम क्षेत्रों का चयन किया। जानकारी के अनुसार फैक्टरी ने इस वाहन का मैदानी परीक्षण लेह-लद्दाख के अत्यधिक ठंडे और दुर्गम इलाकों में किया। विशेषज्ञों ने शून्य से नीचे के तापमान, कम ऑक्सीजन वाली पतली हवा, बर्फ से ढकी सड़कों तथा पथरीली चढ़ाइयों के बीच वाहन की क्षमता को परखा। इन परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों में भी यह वाहन सेना की सभी आवश्यकताओं पर खरा उतरे। सैनिकों की तीव्र आवाजाही, दुश्मन की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने और शहरी युद्ध में यह 4×4 हाई-मोबिलिटी आर्मर्ड प्लेटफॉर्म विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध होगा।

वाहन की तकनीकी विशेषताएं

इस वाहन में 450 बीएचपी की क्षमता वाला शक्तिशाली इंजन और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन प्रणाली लगी है, जिससे यह 100 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से दौड़ सकता है। यह वाहन 1,500 किलोग्राम तक का भार उठाने में सक्षम है। वाहन के भीतर चालक समेत कुल चार जवानों के बैठने का स्थान मौजूद है। सैन्य अभियान के दौरान सैनिकों के तेजी से बाहर निकलने और अंदर आने की सुविधा के लिए इसमें पांच दरवाजे दिए गए हैं।

हरदीप पुरी निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुने गए



भोपाल। मध्यप्रदेश से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुन लिए गए हैं। उनके निर्वाचन के साथ प्रदेश में राज्यसभा का संख्या समीकरण बदल गया है। अब 11 सीटों में भाजपा के 9 और कांग्रेस के 2 सांसद हैं। पुरी के नामांकन में 100 से ज्यादा कमियां होने का दावा करते हुए कांग्रेस ने आपत्तियां दर्ज कराई थीं।

डकैत कल्ली गुर्जर मुठभेड़ में घायल



मुरैना। मध्य प्रदेश और राजस्थान में आतंक का पर्याय बने 60 हजार रुपये के इनामी डकैत कल्ली गुर्जर को मुरैना पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस और डकैतों के बीच बानमोर थाना क्षेत्र के पहाड़ी इलाके के जंगलों में मुठभेड़ हुई। इस दौरान कल्ली गुर्जर गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसके एक साथी अजय को भी गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को डकैत कल्ली गुर्जर की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने बानमोर थाना क्षेत्र के पहाड़ी जंगलों में घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस को सामने देखकर डकैतों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं।

नदी में नहा रही तीन बच्चियों की डूबने से मौत

मुरैना। मुरैना के कैलारस क्षेत्र में गुरुवार सुबह कार्तिक स्नान के दौरान बड़ा हादसा हो गया। गांव के पास कुंवारी नदी में नहाने गईं तीन नाबालिग बच्चियां गहरे पानी में चली गईं। डूबने से तीनों की मौत हो गई। मृतकों में दो सगी बहनें भी शामिल हैं। सूचना पर कैलारस थाना पुलिस और एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर तीनों बच्चियों के शव बाहर निकाले गए।

ट्रंप की हार पर शेयर बाजार में जश्न

निवेशकों की बल्ले-बल्ले, सेंसेक्स 2000 अंक उछला

नई दिल्ली



शेयर बाजार निवेशकों के लिए गुरुवार को दिन बेहद शानदार साबित हुआ और उनकी ताबड़तोड़ कमाई हुई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स इंडेक्स दिनभर गदर मचाने के बाद 2000 अंक से ज्यादा चढ़कर बंद हुआ, तो वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी इंडेक्स 576 अंकों की जोरदार उछाल के साथ क्लोज हुआ। बाजार में ये तेजी अमेरिकी मिडटर्म इलेक्शन में डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की करारी हार के बाद देखने को मिली है, जिसका जश्न अमेरिका से भारत तक देखने को मिला है। शेयर मार्केट में गुरुवार को आई तेजी पर नजर डालें, तो बीएसई का सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,301 की तुलना में उछलकर 78,910 पर ओपन हुआ था और फिर जैसे-जैसे शेयर बाजार में कारोबार आगे बढ़ा, इंडेक्स की ये रफ्तार तेज होती चली गई। अंत में बीएसई सेंसेक्स 2008 अंक या 2.60 प्रतिशत की तेजी लेकर 79,310 के लेवल पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी इंडेक्स की भी चाल रही। ये 50 शेयरों वाला इंडेक्स बुधवार की अपनी क्लोजिंग 23,960 के मुकाबले तेजी लेकर 24,378 पर खुला था और फिर ये भी रॉकेट की रफ्तार से भागता रहा। बाजार बंद होने पर एनएसई निफ्टी 576 अंकों की उछाल के साथ 24,536 पर क्लोज हुआ। शेयर मार्केट रैली के चलते सेंसेक्स-निफ्टी में लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में निवेश करने वाले निवेशकों ने तगड़ी कमाई की है। इसका कैलकुलेशन बीएसई एमकैप का आंकड़ा देखकर लगाया जा सकता है। दरअसल, बीते कारोबारी दिन बाजार बंद होने पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 4,94,42,140.62 करोड़ रुपये था, जो कि गुरुवार को मार्केट क्लोजिंग पर उछलकर 5,01,61,673.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

शेयर बाजार में इस तेजी के कारण

शेयर बाजार में इस तेजी के पीछे के कारणों की बात करें, तो इसका सीधा कनेक्शन डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ा हुआ है। दरअसल, यूएस मिडटर्म इलेक्शन में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद बुधवार को अमेरिकी शेयर बाजार भी झूम उठा था और डाउ जोन्स में तो 18 महीने की बड़ी रैली देखने को मिली। इसमें 3 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया। जहां ट्रंप की हार पर अमेरिकी शेयर बाजार जश्न के मूड में नजर आया, तो वहीं इसका बड़ा असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों पर भी देखने को मिला, जो एक झटके में क्रैश हो गईं।



पदक विजेताओं से बोले प्रधानमंत्री

मेडल के साथ दिल भी जीता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज जापान में आयोजित हालिया एशियन पैरा गेम्स में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित हुआ। पीएम के साथ केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। पीएम मोदी ने पैरा खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें साथ ही अगला लक्ष्य भी बताया। पीएम ने कहा कि पैरा खिलाड़ियों को अभी से 2028 लॉस एंजिलिस पैरा ओलंपिक की तैयारी में जुटना होगा। कार्यक्रम की शुरुआत में पीएम मोदी ने पैरा एथलीटों से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कुछ खिलाड़ियों को मिठाई भी खिलाई। पीएम मोदी ने पैरा एथलीट नवीन कुमार से भी मुलाकात की और वह कुछ देर तक उनसे बात करते नजर आए।

यूजीसी के नए समानता नियमों पर फिर होगा विचार



नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले 2026 के नियमों को लेकर केंद्र सरकार एक बार फिर विचार कर रही है। सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह इन नियमों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित करने पर विचार कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुद्दे की जांच कर रही है, ताकि विद्यार्थियों की चिंताओं का समाधान किया जा सके। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि किसी भी वर्ग को असंतोष या आशंका महसूस न हो। तुषार मेहता ने अदालत में कहा, सरकार एक समिति नियुक्त करने पर विचार कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने तय किया है कि हर विद्यार्थी का ध्यान रखा जाना चाहिए। नई पीढ़ी के हितों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर विचार किया जा रहा है। सीजेआई ने कहा कि इस प्रक्रिया में सभी छात्रों के हितों की रक्षा होनी चाहिए।

जीएसटी अधिकारी की कार पलटी, 54.50 लाख रुपए कैश-गहने मिले



रतलाम। रतलाम में गुरुवार को जीएसटी अधिकारी की कार ब्रिज से नीचे गिरकर पलट गई। हादसे में अधिकारी प्रवीण पूंजीलाल, उनकी पत्नी संतोष और दोनों बेटे आदित्य व अथर्व गंभीर रूप से घायल हो गए। चारों को जावरा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रवीण मूल रूप से राजस्थान के गंगानगर के रहने वाले हैं। वे सूरत में जीएसटी विभाग में अधिकारी हैं। दीपावली की छुट्टियों में वे परिवार के साथ कार से वापी से गंगानगर जा रहे थे। इसी दौरान गुरुवार शाम करीब 5.15 बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर जावरा औद्योगिक क्षेत्र में नीमन-नागदी के बीच उनकी कार हादसे का शिकार हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने कार की तलाशी ली। इस दौरान उसमें से 54.50 लाख रुपए कैश और आभूषण मिले।

परियोजना अधिकारी-सुपरवाइजर रिश्वत लेते गिरफ्तार

आगर मालवा। उज्जैन लोकायुक्त की टीम ने गुरुवार को बड़ौद स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में कार्रवाई की। परियोजना अधिकारी भगत सिंह चौहान और सुपरवाइजर जयश्री खींची को 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया। लोकायुक्त डीएसपी दिनेश चंद्र पटेल के मुताबिक, शिकायतकर्ता बहादुर लोहार ने 4 नवंबर को लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार दीक्षित को लिखित शिकायत दी थी। इसमें बताया गया था कि उसकी पत्नी को आंगनवाड़ी सहायिका नियुक्त कराने के बदले परियोजना अधिकारी भगत सिंह चौहान और सुपरवाइजर जयश्री खींची 60 हजार रुपए मांग रहे हैं।



सुप्रीम कोर्ट ने तय की समय-सीमा

मनमाने समय तक हिरासत में नहीं रख सकेगी पुलिस

नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी और पुलिस हिरासत को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि किसी आरोपी को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने के लिए निर्धारित 24 घंटे की समयसीमा उसकी औपचारिक गिरफ्तारी से नहीं, बल्कि वास्तविक हिरासत में लिए जाने के समय से शुरू होगी। यानी पुलिस किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक लगाने के बाद औपचारिक गिरफ्तारी दर्ज करने में देरी करके 24 घंटे की समयसीमा को आगे नहीं बढ़ा सकती। इस फैसले के साथ अदालत ने त्रिपुरा हाईकोर्ट का आदेश रद्द करते हुए चार आरोपियों को जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया है। यह फैसला एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में आया है। चार लोगों ने त्रिपुरा हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। इस मामले की सुनवाई जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की। अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(2) के तहत निर्धारित 24 घंटे की अवधि की गणना उस समय से की जानी चाहिए, जब किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता वास्तव में छीन ली जाती है। अदालत के मुताबिक, पुलिस की ओर से गिरफ्तारी दर्ज करने का समय इस गणना का आधार नहीं हो सकता। यदि किसी व्यक्ति को पहले से हिरासत में रखा गया है, तो उस अवधि को भी 24 घंटे की संवैधानिक समयसीमा में शामिल करना होगा।

हिरासत भी हो उचित

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि केवल 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर देना ही पर्याप्त नहीं है। पुलिस को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी व्यक्ति को परिस्थितियों के अनुसार उचित समय तक ही हिरासत में रखा जाए। इसके लिए अदालत ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 58 का उल्लेख किया। इस धारा के अनुसार, बिना वारंट गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को पुलिस अधिकारी परिस्थितियों के हिसाब से उचित अवधि से अधिक समय तक हिरासत में नहीं रख सकता। मजिस्ट्रेट के विशेष आदेश के अभाव में यह अवधि यात्रा के आवश्यक समय को छोड़कर 24 घंटे से अधिक नहीं हो सकती।

राष्ट्रीय सेपक टकरा चैंपियनशिप में शहडोल की बेटियों ने जीता कांस्य पदक

प्रेरणा वर्मा और ऋषिका वर्मा की जोड़ी ने राष्ट्रीय स्तर पर किया जिले का नाम रोशन, बालक वर्ग में भी खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन



शहडोल।

ग्वालियर के इंटरनेशनल स्टेडियम खेलगांव (आईआईटीएम) में 30 अक्टूबर से 3 नवंबर तक आयोजित 36वीं सीनियर सेपक टकरा राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शहडोल जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया है। प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रही शहडोल की बेटियों प्रेरणा वर्मा एवं ऋषिका वर्मा ने डबल्स इवेंट में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में शहडोल जिले के कुल पांच खिलाड़ियों ने मध्य प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व किया। बालिका वर्ग के डबल्स इवेंट में प्रेरणा वर्मा और ऋषिका वर्मा ने शानदार तालमेल एवं खेल कौशल का परिचय देते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं बालक वर्ग के क्वाड इवेंट में अभिनव सिंह, वेदांत मिश्रा एवं अभय तिवारी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन कर जिले को गौरवान्वित किया।

राम किशोर चौरसिया के मार्गदर्शन में मिली सफलता

शहडोल जिला सेपक टकरा एसोसिएशन के सचिव राम किशोर चौरसिया को मध्य प्रदेश टीम का कोच नियुक्त किया गया था। उनके मार्गदर्शन और प्रशिक्षण में खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि को जिले में सेपक टकरा खेल के विकास और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम माना जा रहा है।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिला सेपक टकरा एसोसिएशन के अध्यक्ष अंकुर श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष प्रमोद विश्वकर्मा, खेल विभाग के बाबू कमलकांत साहू, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अजय सौंधिया एवं दयानंद सौंधिया सहित जिले के खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए पदक विजेता खिलाड़ियों, अन्य प्रतिभागियों एवं कोच राम किशोर चौरसिया को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कोषालय में बिल लगाने के बाद भी भुगतान अटका, कैसे मनेगी कर्मचारियों की दीपावली ?

उमरिया (स्वतंत्रमत)। कोषालय में वेतन भुगतान संबंधी बिल प्रस्तुत किए जाने के बावजूद कर्मचारियों का भुगतान अटकने से उनकी परेशानी बढ़ गई है। दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार के नजदीक होने के बावजूद वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति बन रही है। सूत्रों की मानें तो कोषालय के कर्मचारियों का भी भुगतान अटका पडा है। बताया जा रहा है कि कोषालय के अधिकारी अपने ही कर्मचारियों के वेतन भुगतान में भी विलंब कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर कर्मचारी बिना वेतन के दीपावली कैसे मनाएंगे?

मनोज टीवीएस में उपहारों के साथ नगद छूट

नए टीवीएस वाहन के साथ मनाएं दीपोत्सव का त्यौहार

शहडोल (स्वतंत्र मत)।

धनतेरस और दीपावली के पावन पर्व पर यदि आप नया दोपहिया वाहन खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो बुढ़ार रोड स्थित मनोज टीवीएस शोरूम आपके लिए आकर्षक फेस्टिवल ऑफर लेकर आया है। टीवीएस मोटर कंपनी के संभागीय मेन डीलर मनोज टीवीएस दीपोत्सव का त्यौहार अपने ग्राहकों के साथ मिलकर मना रहा है। धनतेरस-दीपावली त्यौहार में मनोज टीवीएस अपने त्यौहार को खुशगवार बनाने के लिए ग्राहकों को नगद छूट के साथ निश्चित उपहार दिया जा रहा है, और इसके अलावा स्क्रैच कार्ड से कई अन्य आकर्षक पुरस्कार जीतने का सुनहरा अवसर भी मिलेगा। जिसमें स्कूटर से लेकर कई आकर्षक दैनिक उपयोग की वस्तुएं पाने का अवसर मिलेगा। मनोज टीवीएस शोरूम के डायरेक्टर राजेश गुप्ता, मनोज गुप्ता एवं योगेश गुप्ता ने बताया कि दीपोत्सव के विशेष ऑफर के अंतर्गत शोरूम से कोई भी टीवीएस दोपहिया वाहन खरीदने पर ग्राहकों को 2100 रुपये की नगद छूट दी जा रही है। इसके साथ ही ग्राहकों को एक निश्चित उपहार और वाहन की डिलीवरी के समय स्क्रैच कार्ड के माध्यम से आकर्षक पुरस्कार जीतने का अवसर भी मिलेगा। इसमें स्कूटर, फ्रिज, मोबाइल फोन, घड़ी, मिक्सर ग्राइंडर, वाटर प्यूरीफायर, एलईडी टीवी, म्यूजिक सिस्टम, माइक्रोवेव ओवन सहित अनेक घरेलू उपयोग की वस्तुएं शामिल हैं। शोरूम के डायरेक्टर राजेश गुप्ता, मनोज गुप्ता व योगेश गुप्ता ने बताया कि ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कंपनी के सारे मॉडल सभी कलर्स में उपलब्ध हैं, वहीं ग्राहकों के लिए आकर्षक ऑफर के साथ कम मार्जिन मनी और कम दस्तावेजों में त्वरित फाइनेंस की सुविधा भी टीवीएस शोरूम में उपलब्ध है। उन्होंने ने बताया कि टीवीएस वाहन खरीदने के बाद ग्राहकों को शोरूम में अत्याधुनिक सर्विस सेंटर में कुशल मैकेनिको के द्वारा बेहतर एवं उच्च मानक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान की जाती हैं। मनोज टीवीएस प्रबंधन ने संस्थान के स्थापना दिवस के साथ धनतेरस और दीपावली के त्योहार पर ग्राहकों से इस विशेष फेस्टिवल ऑफर का लाभ लेने तथा इस दीपावली पर अपनी पसंद का टीवीएस दोपहिया वाहन नगद छूट एवं उपहार के साथ ले जाने का आह्वान किया है।



अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नाम, दायित्व एवं मोबाइल नम्बर के लगाए बोर्ड : कलेक्टर



शहडोल।

कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में कलेक्ट्रेट कार्यालय में पदस्थ अधिकारियो एवं कर्मचारियो की बैठक ली। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ अधिकारियो एवं कर्मचारियो के नाम, संक्षिप्त दायित्व, शाखा का नाम, एवं मोबाइल नम्बर प्रदर्शित कर बोर्ड अनिवार्य रूप से लगवाएं। उन्होंने कहा कि कलेक्टर कार्यालय में आने वाले आवेदनो को गंभीरता से समझे और उनके निराकरण नियमानुसार संबंधित अधिकारियों की ओर प्रेषित कर समय-सीमा में निराकरण करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी कर्मचारी यह सुनिश्चित करे कि शत-प्रतिशत फाइलो को ई-आफिस के माध्यम से ही भेजे, ऑफलाइन फाइल तैयार न करें।

कलेक्टर ने कहा कि पदोन्नत हुए कर्मचारियों को भी ई-आफिस एवं आई-गॉट कर्मयोगी का प्रशिक्षण दिलाएं।कलेक्टर ने डिप्टी कलेक्टर अंकित ऊके को निर्देश दिए कि कलेक्ट्रेट परिसर में लगने वाले सभी शाखाओ का निरीक्षण कर गार्ड फाइल, निरीक्षण टीप सहित अन्य फाइलो का निरीक्षण करें। कलेक्टर ने बैठक में कलेक्ट्रेट में पदस्थ कर्मचारियों की समस्याएं एवं शिकायते भी सुनी एवं निराकरण कराने के निर्देश डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे को दिए।

कलेक्टर ने बैठक में शासकीय सेवकों के सीआर एवं क्लेम तथा अवकाश सहित अन्य जानकारियॉ भी प्राप्त की। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, निमिषा पाण्डेय सहित कलेक्टर कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहें।

धनतेरस एवं दीपावली पर शहडोल शहर में बदलेगी यातायात व्यवस्था

शहडोल।धनतेरस एवं दीपावली पर्व के दौरान शहर के बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस शहडोल द्वारा 6 नवंबर 2026 से 8 नवंबर 2026 तक विशेष वाहन पार्किंग एवं डायवर्सन प्लान लागू किया गया है। त्योहार के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने तथा आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाहनों के मार्ग निर्धारित किए गए हैं। यातायात पुलिस द्वारा जारी व्यवस्था के अनुसार जय स्तंभ चौक से रेलवे स्टेशन जाने वाले चार पहिया वाहन एवं ऑटो बाणगंगा तिराहा, पुराना बायपास, न्यू बस स्टैंड, बगिया तिराहा (लल्लू सिंह चौक), ग्रीन सिटी, गणेश मंदिर, गांधी डॉक्टर क्लीनिक एवं दरभंगा चौक होकर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। इस दौरान कोई भी चार पहिया वाहन एवं ऑटो न्यू गांधी चौक की ओर नहीं जाएंगे।

सोहागपुर में नशीली दवाओं के कारोबार पर पुलिस की कार्यवाही 1548 नशीली गोलियां और 298 ग्राम गांजा बरामद; एक आरोपी गिरफ्तार

शहडोल।

जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सोहागपुर पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के घर से 1548 नशीली गोलियां और 298 ग्राम गांजा बरामद किया है। इसके साथ ही एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। जब्त मशरूका की कुल कीमत करीब 20 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थों एवं नशीली दवाओं के क्रय-विक्रय और भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में 4 नवंबर 2026 को थाना सोहागपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना एवं वैधानिक प्रक्रिया के तहत वार्ड क्रमांक 02, वर्मन मोहल्ला निवासी धर्मेन्द्र सोनी उर्फ गोलू उर्फ मौसी (34 वर्ष), पिता सुरेश सोनी के घर की तलाशी ली।

तलाशी के दौरान पुलिस को 10 की कुल 1548 नशीली गोलियां तथा 298 ग्राम गांजा मिला। पुलिस ने मौके से एक वीवो एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी जब्त किया। बरामद नशीली गोलियों की कीमत लगभग 7 हजार रुपये, गांजे की कीमत 3 हजार रुपये और मोबाइल की कीमत करीब 10 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने नशीली गोलियों और गांजा बिक्री के उद्देश्य से घर में छिपाकर रखना स्वीकार किया। इसके बाद आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई। मामले में अन्य आरोपियों के फरार होने की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि उनकी तलाश लगातार की जा रही है।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत प्रबुद्ध जन एवं नागरिक संगोष्ठी आयोजित

उमरिया (स्वतंत्रमत)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत जिला मुख्यालय उमरिया स्थित रानी दुर्गावती भवन में बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र की प्रबुद्ध जन एवं नागरिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ नगर के व्यापारी, अधिवक्ता, समाजसेवी तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्ध नागरिकों ने सहभागिता की। संगोष्ठी में विपक्ष द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (ैस्), कथित वोट चोरी और संवैधानिक संस्थाओं को लेकर फैलाए जा रहे आरोपों पर चर्चा करते हुए जन-जागरण का आह्वान किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि विपक्षी दल कथित विदेशी ताकतों के साथ मिलकर देश में भ्रम और झूठ का नैरेटिव फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।ैस् जैसी संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर वोट चोरी और मतदाताओं को वंचित करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाकर युवाओं को भ्रमित करने तथा देश में अविश्वास का वातावरण तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह सजग रहे, तथ्यों के आधार पर विपक्ष के झूठ का पर्दाफाश करे और उसके षड्यंत्रों को जनता के सामने उजागर करे।

शिक्षक अनुभव साझा कार्यशाला आयोजित

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बुधवार 4 नवंबर को माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर, पाली, जिला उमरिया में सक्षम जीवन कौशल विकास कार्यक्रम अंतर्गत जेएसडब्ल्यू सीमेंट संस्था के सहयोग से पाठ्यक्रम पुस्तकों के वितरण एवं शिक्षक अनुभव साझा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त डॉ. पूजा द्विवेदी के मार्गदर्शन तथा मंडल संयोजक श्री संजय पाण्डेय एवं सक्षम कार्यक्रम के जिला प्रबंधक श्री महारन प्रताप सिंह परमार के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में कन्या शिक्षा परिसर पाली के प्राचार्य महेंद्र मिश्रा, सक्षम कार्यक्रम के वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक नागू लाल हाड़ा, प्रशिक्षक संजय गौतम, आशीष गुप्ता, संदीप शुक्ला एवं जेएसडब्ल्यू सीमेंट संस्था से संतोष राजपूत उपस्थित रहे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जेएसडब्ल्यू सीमेंट संस्था के सहयोग से शिक्षकों को सक्षम कार्यक्रम की पाठ्यक्रम पुस्तकों का वितरण करना, जीवन कौशल सत्रों के प्रभावी संचालन को प्रोत्साहित करना तथा विद्यालयों में कार्यक्रम के क्रियान्वयन के दौरान प्राप्त अनुभवों एवं नवाचारों को साझा करना रहा। इस अवसर पर शिक्षकों ने सहायक आयुक्त महोदया के समक्ष अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सक्षम कार्यक्रम की गतिविधियों से शिक्षक एवं विद्यार्थियों के बीच संबंध मधुर हो रहे हैं तथा बच्चों की झिझक दूर होकर उनमें आत्मविश्वास एवं संवाद क्षमता का विकास हो रहा है। शिक्षकों ने बताया कि बीएमएस (विहेवियर मैनेजमेंट सिस्टम) के माध्यम से बच्चों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं।



विद्यार्थियों में स्वच्छता, समय पर गृहकार्य करने एवं नियमित विद्यालय आने जैसी आदतों का विकास हो रहा है। साथ ही, बच्चे 'मेरी सीख' कॉपी में अपने अनुभव एवं सीख को नियमित रूप से साझा कर रहे हैं। सक्षम कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में गुड टच -बैड टच, पॉक्सो अधिनियम एवं किशोर न्याय अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है, जिससे बच्चे बाल सुरक्षा, संरक्षण एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उमरिया के दो ब्लॉक अध्यक्ष बदले

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष छत्रपाल सिंह एवं मुन्नालाल बैगा को मिली कमान



उमरिया। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने संगठन को और अधिक सक्रिय, मजबूत एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में सख्त कदम उठाते हुए उमरिया जिले के दो ब्लॉकों में अध्यक्षों को बदलकर नए ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की है।संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा एवं पूर्व कार्यप्रदर्शन के आधार पर प्रदेश नेतृत्व ने बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के नौरोजाबाद ब्लॉक में छत्रपाल सिंह तथा मानपुर विधानसभा क्षेत्र के बांधवगढ़ (ताला) ब्लॉक में मुन्नालाल बैगा को ब्लॉक अध्यक्ष की नई जिम्मेदारी सौंपी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी का यह निर्णय संगठन में सक्रियता, अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना तथा कांग्रेस की विचारधारा एवं नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना है।



आईपीएस स्कूल उमरिया में दिया मेकिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

गुरुवार 5 नवम्बर को दीपावली पर्व के पावन अवसर पर जिले की प्रतिष्ठित आईपीएस स्कूल उमरिया में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ दीपावली उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में दीया मेकिंग प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता सहित विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दीया मेकिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए आकर्षक एवं सुंदर दीपक तैयार किए। वहीं रंगोली प्रतियोगिता में बच्चों ने रंग-बिरंगे रंगों से मनमोहक रंगोलियाँ बनाकर अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

विद्यार्थियों की आकर्षक कलाकृतियों से विद्यालय परिसर दीपावली के रंगों में सराबोर हो उठा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ना तथा शिक्षा के साथ-साथ उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने के लिए मंच प्रदान करना था।इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास, कलात्मक कौशल एवं आपसी सहयोग की भावना को प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों के उत्साह एवं प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंत में प्रतियोगिता में विजय छात्रों को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया।

त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य दुकानों में की गई कार्यवाही

एक्सपायरी खाद्य सामग्री का किया गया विनष्टीकरण



उमरिया (स्वतंत्रमत) - दिवाली के त्यौहार को लेकर प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट हो गया है. जहां एक तरफ जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मिलावटी खाद्य सामग्री पर लगाम लगाने के लिए लगातार मिष्ठान भंडार, डेयरी और किराना दुकानों जैसे खाद्य प्रतिष्ठानों पर जाकर खाद्य सामग्री की जांच कर रही हैं। दिवाली के त्योहार पर जिले में भारी मात्रा में दूध, पनीर, मावा आदि कि सीमावर्ती राज्यो से आपूर्ति होती है. कई बार देखने को मिलता है कि त्यौहार में भारी डिमांड का फायदा उठाकर मिलावटी और नकली खाद्य सामग्री को बाजार में खपाने का प्रयास करते हैं। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता परखने के निर्देश दिए गए थे, निर्देश के परिपालन में गुरुवार 5 नवम्बर को डिप्टी कलेक्टर प्रिया अग्रवाल के नेतृत्व में खाद्य पदार्थो के दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया एवं एक्सपायरी खाद्य सामग्रियों का विनष्टीकरण कराया गया। निरीक्षण के दौरान कान्हा रेस्टोरेंट से छेना , मिठाई का सेंपल लिया गया तथा एक्सपायरी मिली ब्रेड को मौके पर नष्ट कराया गया। किचन से निकलने वाले कचरे का प्रतिदिन निपटान करने के निर्देश दिए गए। इसी तरह स्वाद रेस्टोरेंट के भ्रमण के दौरान किचन का अवलोकन किया गया तथा फ्रिजर मे रखी दाल , मखनी दाल को नष्ट कराया गया तथा किचन में साफ सफाई रखने के निर्देश दिए गए तथा दही की गुणवत्ता सही नहीं पाई गई। स्टोर के अवलोकन के दौरान सामग्री को समय सीमा में उपयोग करने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में गौरव डेयरी से पनीर एवं दही का सेंपल तथा यशोदा डेयरी से पनीर का सेंपल लिया गया तथा एक्सपायरी ब्रेड का विनष्टीकरण कराया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी तहसीलदार दिलीप सोनी , खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंगलवार 3 नवम्बर को खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा द्वारा टीम के साथ जिले के मानपुर में कार्यवाही की जिसमे मानपुर के बस स्टैंड स्थित शिव होटल से छेना के रसगुल्ला, नमकीन, पेड़ा के सेम्पल लिए और होटल के कारखाने में जाकर मिस्त्रियों और उनके हेल्परों को साफ सफाई रखने और सर के बालों को ढकने जैसे अन्य सुरक्षात्मक समझाइश दी गई। वही न्यू लक्ष्मी किराना दुकान से तेल,पापड़,दलिया,चायपत्ती के सैंपल लिये।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा आगामी त्यौहारों को मद्देनजर रखते खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में जिले में छापेमारी कर विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से सैंपल एकत्रित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज रही है, इसके साथ ही ऐसे खाद्य प्रतिष्ठान जो कि नियमों का उल्लंघन कर संचालित हो रहे हैं या फिर स्वच्छता आदि का ध्यान नहीं दे रहे हैं, उनका लाइसेंस निरस्त करने की संस्तुति की जा रही है।

बजट, बचत और बाज़ार
अर्थशास्त्र हर घर की ज़रूरत



अर्थशास्त्र केवल किताबों में पढ़ने वाला विषय नहीं है, बल्कि हमारे दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम हर दिन किसी न किसी रूप में आर्थिक निर्णय लेते हैं। आय, खर्च, बचत, निवेश, वस्तुओं की कीमत और आवश्यकताओं की पूर्ति, इन सभी का सीधा संबंध अर्थशास्त्र से है।

आय और खर्च का प्रबंधन

अर्थशास्त्र हमें सिखाता है कि अपनी आय का सही उपयोग कैसे किया जाए। हमें आवश्यकताओं और इच्छाओं में अंतर समझकर खर्च करना चाहिए। बजट बनाकर चलने से हम अनावश्यक खर्चों से बच सकते हैं।

बचत का महत्व

भविष्य की ज़रूरतों और आकस्मिक परिस्थितियों के लिए बचत करना बहुत आवश्यक है। अर्थशास्त्र हमें वर्तमान आय में से कुछ हिस्सा बचाने और उसका उचित उपयोग करने की समझ देता है।

सही चुनाव करना

हमारी आवश्यकताएँ असीमित हैं, लेकिन संसाधन सीमित हैं। इसलिए उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करना पड़ता है। जैसे सीमित पैसों में यह तय करना कि कौन-सी वस्तु पहले खरीदनी है, यह भी एक आर्थिक निर्णय है।

कीमत और बाज़ार की समझ

वस्तुओं की कीमत क्यों बढ़ती या घटती है, माँग और आपूर्ति का क्या प्रभाव पड़ता है तथा बाज़ार में प्रतिस्पर्धा कैसे काम करती है, इन बातों को समझने में अर्थशास्त्र हमारी सहायता करता है।

निवेश और भविष्य की योजना

आज के समय में केवल बचत ही पर्याप्त नहीं है, भविष्य की आर्थिक आवश्यकताओं की योजना बनाना भी ज़रूरी है। अर्थशास्त्र हमें जोखिम, लाभ और अवसर लागत जैसी अवधारणाओं को समझने में मदद करता है, जिससे हम सोच-समझकर निवेश कर सकते हैं।

परिवार और समाज के लिए उपयोगी

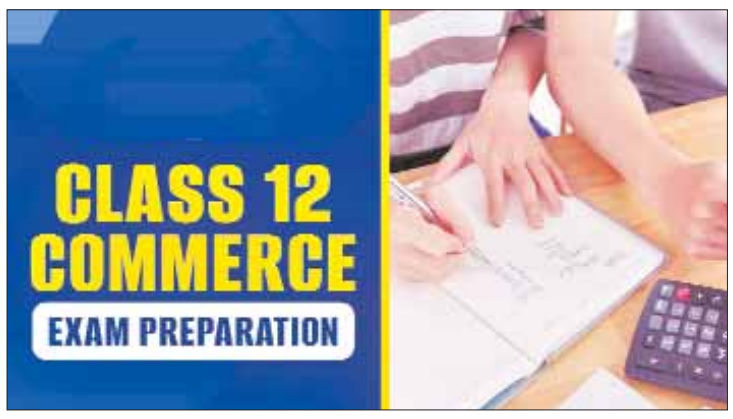
अर्थशास्त्र की समझ से परिवार अपने संसाधनों का बेहतर प्रबंधन कर सकता है। इसी प्रकार सरकार भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार, सड़क, कृषि और अन्य क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग जनता के हित में करती है। अर्थशास्त्र जीवन को व्यावहारिक रूप से समझने का माध्यम है। यह हमें सीमित संसाधनों में सही निर्णय लेना, आय का उचित उपयोग करना, बचत करना और भविष्य की योजना बनाना सिखाता है। अर्थशास्त्र केवल एक विषय नहीं, बल्कि बेहतर, ज़िम्मेदार जीवन जीने की कला भी है। अर्थशास्त्र को समझना अर्थात अपने संसाधनों और भविष्य को बेहतर ढंग से समझना।



डॉ सचिन कुमार पेंडके

वाइस प्रिंसिपल
बीएमडी हितकारिणी कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल
दीक्षितपुरा, जबलपुर।

अकाउंटेंसी, बिजनेस स्टडीज और अर्थशास्त्र की तैयारी के 6 सरल सूत्र



आज शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक लाना रह गया है, ज्ञान प्राप्त करना नहीं। इसी कारण आज बच्चे पढ़ाई को बोझ मानने लगे हैं, जबकि पढ़ाई बोझ नहीं, भविष्य बनाने का साधन है। इसे केवल परीक्षा पास करने के लिए नहीं, बल्कि सीखने के उद्देश्य से करना चाहिए। जब हम समझकर पढ़ते हैं, तो परीक्षा अपने आप आसान लगने लगती है। परीक्षा शब्द सुनते ही मन में घबराहट क्यों होती है? इसकी सबसे बड़ी वजह है साल भर थोड़ा-बहुत पढ़कर परीक्षा से एक रात पहले सब कुछ याद करने की कोशिश। अधूरी तैयारी हमेशा डर पैदा करती है। घबराहट में विद्यार्थी वह भी भूल जाते हैं जो उन्होंने पढ़ा होता है, जबकि आत्मविश्वास से वे कठिन से कठिन प्रश्न का हल भी ढूँढ लेते हैं। कॉमर्स के विद्यार्थियों के लिए तो यह और भी ज़रूरी है, क्योंकि अकाउंटेंसी के सवाल, बिज़नेस स्टडीज़ की परिभाषाएँ और अर्थशास्त्र के आरेख, तीनों में अलग-अलग तरह की तैयारी चाहिए। इसके लिए इन बातों का ध्यान रखें -

विषय-वार समय सारणी बनाएँ

बिना योजना की पढ़ाई बिना नक्शे की यात्रा जैसी है। आप चलते तो रहते हैं, पर मंज़िल तक पहुँचेंगे या नहीं, पता नहीं होता। अकाउंटेंसी अभ्यास का विषय है, इसलिए इसे रोज़ समय दें। बिज़नेस स्टडीज़ और अर्थशास्त्र के लिए अलग-अलग दिन तय करें, ताकि हर विषय को पूरा ध्यान मिल सके। जो विषय कमज़ोर लगता है, उसे सुबह के ताज़ा समय में रखें, क्योंकि तब दिमाग सबसे अधिक सक्रिय रहता है। सबसे ज़रूरी बात यह है कि सारणी ऐसी बनाएँ जिसका आप सचमुच पालन कर सकें, और फिर उसे ईमानदारी से निभाएँ।

बड़े अध्याय को छोटे हिस्सों में बांटें

कठिन अध्याय देखकर घबराएं नहीं। उसे छोटे-छोटे टॉपिक में बाँट लें। जैसे साझेदारी लेखों को प्रवेश, अवकाश ग्रहण, मृत्यु और विघटन में बाँटकर पढ़ें, और राष्ट्रीय आय के अध्याय को उसकी तीन विधियों में बाँट लें। एक-एक टॉपिक पूरा होने पर मन को संतुष्टि मिलती है और अगला टॉपिक करने का हौसला आता है। इस तरह पहाड़ जैसा लगने वाला अध्याय सीढ़ियों में बदल जाता है।

गाइड नहीं, स्वयं के नोट्स बनाएं

बाज़ार की गाइड को रटने की अपेक्षा अपनी पाठ्यपुस्तक को ध्यान से पढ़ें और अपने शब्दों में नोट्स बनाएँ। जब हम किसी बात को अपने शब्दों में लिखते हैं, तो वह सिर्फ़ याद नहीं होती, समझ भी आती है। अपने हाथ से लिखा हुआ लंबे समय तक याद रहता है, और परीक्षा से पहले यही नोट्स आपके सबसे बड़े साथी बनते हैं।

की-पॉइंट्स और चार्ट तैयार करें

हर टॉपिक के महत्वपूर्ण बिंदुओं को नोटबुक में अलग से लिखें। अकाउंटेंसी के सूत्र और अनुपात एक पन्ने पर लिख लें, अर्थशास्त्र के माँग-पूर्ति वक्र और आरेख अलग कॉपी में बनाएँ, और बिज़नेस स्टडीज़ की परिभाषाएँ और अंतर तालिका के रूप में रखें। इससे वस्तुनिष्ठ प्रश्न हल करना आसान हो जाता है और परीक्षा से पहले दोहराने में भी समय कम लगता है।

लिख-लिखकर अभ्यास करें

सैद्धांतिक प्रश्नों को छोटी-छोटी हेडिंग में बाँटकर लिखने का अभ्यास करें, क्योंकि परीक्षक को व्यवस्थित उत्तर अधिक पसंद आते हैं। जर्नल एंट्री, रोकड़ प्रवाह और राष्ट्रीय आय जैसे क्रियात्मक प्रश्नों के लिए रोज़ एक-दो घंटे का समय दें। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र समय-सीमा में हल करें, इससे आपको अपनी गति और कमज़ोरियों का पता चलेगा।

दोहराव (रिवीजन) सबसे ज़रूरी

सिर्फ़ पढ़ लेना काफ़ी नहीं है। जो पढ़ा है, उसे सप्ताह में एक बार अवश्य दोहराएँ। हर रविवार 20 प्रश्नों का एक छोटा टेस्ट लें, ताकि पता चल जाए कि कौन-सा अध्याय अभी पक्का नहीं हुआ। दोहराव ही आत्मविश्वास की कुंजी है। परीक्षा हॉल में पहुँचकर भी कुछ बातें याद रखें। पहले 10 मिनट पूरा प्रश्नपत्र शांति से पढ़ें। जो प्रश्न सबसे अच्छे आते हैं, उनसे शुरुआत करें, इससे आत्मविश्वास बढ़ता है। समय का बँटवारा अंकों के हिसाब से करें और अंत में रिवीज़न के लिए 10 मिनट ज़रूर बचाएँ। परीक्षा से पहले की रात पूरी नींद लें, क्योंकि थका हुआ दिमाग पढ़ा हुआ भी भूल जाता है। अंत में यही कहना चाहूँगी कि परीक्षा आपके ज्ञान का उत्सव है, सज़ा नहीं। यदि आप पूरे वर्ष नियमित रूप से, समझकर और योजना के साथ पढ़ाई करेंगे, तो परीक्षा के दिन आपके चेहरे पर घबराहट नहीं, बल्कि पूर्ण आत्मविश्वास होगा। और आत्मविश्वास ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



रायवर्धनी वर्मा

लेक्चरर, अंजुमन इस्लामिया ईएम हायर सेकेंडरी स्कूल, जबलपुर।

आरबीआई की नीति, रेपो रेट बदलने पर इसका अर्थ और असर



हर दो महीने में जब भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होती है, तो पूरे देश की नज़र एक ही शब्द पर टिक जाती हैरू रेपो रेट। अखबार की सुर्खियों से लेकर घर की किस्तों तक इसकी चर्चा होती है, और कक्षा 12 वीं अर्थशास्त्र के मुद्रा एवं बैंकिंग अध्याय में यह परीक्षा का प्रिय प्रश्न भी है। इसे इन बिंदुओं से समझें,

रेपो रेट का अर्थ - रेपो रेट वह ब्याज दर है जिस पर आरबीआई वाणिज्यिक बैंकों को कम अवधि के लिए कर्ज़ देता है। इसे बैंकों के लिए कर्ज़ की कीमत समझा जा सकता है। यह साख नियंत्रण का प्रमुख मात्रात्मक उपकरण है, जिसके ज़रिए आरबीआई बाज़ार में मुद्रा की आपूर्ति और महँगाई को काबू में रखता है।

रेपो रेट घटने का असर - जब आरबीआई दर घटाता है, तो बैंकों को सस्ता कर्ज़ मिलता है और वे इसका लाभ ग्राहकों तक पहुँचा सकते हैं। गृह, वाहन और शिक्षा ऋण की किस्तें कम हो सकती हैं। कर्ज़ सस्ता होने से लोग और उद्योग अधिक खर्च और निवेश करते हैं, जिससे माँग और रोज़गार बढ़ने की संभावना रहती है। हाँ, बैंक सावधि जमा पर ब्याज भी घटा सकते हैं, जो बचत करने वालों के लिए चिंता की बात है।

रेपो रेट बढ़ने का असर - दर बढ़ने पर बैंकों के लिए कर्ज़ महँगा हो जाता है और वे ऋण की ब्याज दरें बढ़ा देते हैं। किस्तें बढ़ती हैं, बाज़ार में खर्च घटता है और महँगाई पर लगाम लगती है। साथ ही थ्क् पर ब्याज बढ़ने की संभावना रहती है।

महँगाई से संबंध - आरबीआई का मुख्य लक्ष्य महँगाई को तय सीमा में रखना है। महँगाई बढ़ने पर वह रेपो रेट बढ़ाता है, जबकि अर्थव्यवस्था सुस्त होने पर दर घटाकर विकास को गति देता है।

रेपो और रिवर्स रेपो में अंतर - परीक्षा में यह अंतर अक्सर पूछा जाता है। रेपो रेट पर आरबीआई बैंकों को कर्ज़ देता है और इसका उद्देश्य बाज़ार में नकदी बढ़ाना है, जबकि रिवर्स रेपो रेट पर बैंक अपना अतिरिक्त धन आरबीआई के पास जमा करते हैं और इसका उद्देश्य अतिरिक्त नकदी सोखना है। ऐसे प्रश्न में तालिका बनाकर उत्तर लिखें, इससे अंक सुरक्षित रहते हैं।

परीक्षा के लिए टिप्स - उत्तर में पहले एक पंक्ति की परिभाषा दें, फिर दर घटने और बढ़ने के प्रभाव अलग-अलग लिखें और अंत में महंगाई से संबंध जोड़ें। याद रखने का सूत्र है, रेपो घटा तो लोन सस्ता और माँग बढ़ी, रेपो बढ़ा तो लोन महँगा और महँगाई घटी। बहुविकल्पीय प्रश्नों के लिए याद रखें कि रेपो रेट हमेशा रिवर्स रेपो रेट से अधिक होती है। साख नियंत्रण और मौद्रिक नीति जैसे मुख्य शब्द रेखांकित करें। रेपो रेट छोटा-सा शब्द है, पर इसका असर घर की किस्त से लेकर देश की विकास दर तक दिखाई देता है। इसे उदाहरण और तालिका के साथ समझने वाला विद्यार्थी परीक्षा में भी बाज़ी मारता है।

भारत में बैंकों का इतिहास, एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

भारत में बैंकिंग प्रणाली का इतिहास अत्यंत प्राचीन, समृद्ध और विकासशील रहा है। आधुनिक अर्थव्यस्था की रीढ़ माने जाने वाले बैंकिंग सेक्टर ने प्राचीन काल से लेकर वर्तमान डिजिटल युग तक एक लंबा सफर तय किया है। परीक्षा की दृष्टि से भारत में बैंकों के इतिहास को प्रमुख चरणों में विभाजित किया जा सकता है।

प्रारंभिक काल और ब्रिटिश काल (आरंभ से 1947 तक)

भारत में आधुनिक बैंकिंग की शुरुआत ब्रिटिश शासनकाल में हुई। प्रथम बैंक, सन् 1770 में स्थापित बैंक ऑफ हिंदोस्तान भारत का पहला आधुनिक बैंक था, जो अब अस्तित्व में नहीं है।

1 प्रेसीडेंसी बैंक - इसकें अंतर्गत ईस्ट इंडिया कंपनी ने व्यापार को बढ़ावा देने के लिए तीन प्रमुख बैंक स्थापित किए, बैंक ऑफ बंगाल (1809), बैंक ऑफ बॉम्बे (1840) और बैंक ऑफ मद्रास (1843)।

2 इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया - सन् 1921 में इन तीनों प्रेसीडेंसी बैंकों का विलय कर इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया बनाया गया, जिसे बाद में (1955 में) भारतीय स्टेट बैंक का रूप दिया गया।

3 पहला भारतीय स्वामित्व वाला बैंक - सन् 1894 में स्थापित पंजाब नेशनल बैंक पूरी तरह से भारतीयों द्वारा प्रबंधित पहला बैंक था। इसके अलावा, अवध कमर्शियल बैंक (1881) भी इस दौर का महत्वपूर्ण बैंक था।

केंद्रीय बैंक की स्थापना

बैंकिंग प्रणाली को विनियमित करने और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए एक केंद्रीय बैंक की आवश्यकता महसूस की गई। हिल्टन यंग आयोग (रॉयल कमीशन) की सिफारिशों के आधार पर 1 अप्रैल 1935 को भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना की गई। प्रारंभ में यह एक निजी बैंक था, लेकिन स्वतंत्रता के बाद 1 जनवरी 1949 को इसका राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। वर्तमान में आरबीआई देश के सभी बैंकों का शीर्ष नियामक है।

स्वतंत्रता के पश्चात और बैंकों का राष्ट्रीयकरण (1947-1991)

स्वतंत्रता के बाद देश के आर्थिक विकास और ग्रामीण क्षेत्रों तक बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के लिए बैंकों के राष्ट्रीयकरण की नीति अपनाई गई। पहला चरण (1969), 19 जुलाई 1969 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश के 14 बड़े वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया, जिनकी जमा राशि 50 करोड़ रुपये से अधिक थी। दूसरा चरण (1980), 15 अप्रैल 1980 को 6 और बैंकों (जिनकी जमा राशि 200 करोड़ रुपये से अधिक थी) का राष्ट्रीयकरण किया गया। इस कदम से ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण की उपलब्धता बढ़ी और कृषि व लघु उद्योगों को बड़ा प्रोत्साहन मिला।

आर्थिक सुधार और उदारीकरण (1991 के बाद)

सन् 1991 में अपनाई गई नई आर्थिक नीति ने भारतीय बैंकिंग जगत में क्रांतिकारी परिवर्तन किए। नरसिंहम समिति की सिफारिशों के आधार पर बैंकिंग क्षेत्र में निजी और विदेशी बैंकों के प्रवेश के द्वार खोले गए। इससे एचडीएफसी , आईसीआईसीआई और एक्सिस जैसे निजी क्षेत्र के आधुनिक बैंकों का उदय हुआ।

वर्तमान डिजिटल बैंकिंग युग

आज का भारतीय बैंकिंग उद्योग तकनीक पर आधारित है। कोर बैंकिंग सॉल्यूशन, एटीएम, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और फिनटेक कंपनियों ने बैंकिंग को अत्यधिक सुगम और पारदर्शी बना दिया है। जन धन योजना जैसे अभियानों के माध्यम से वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को तेजी से प्राप्त किया गया है। संक्षेप में, भारत का बैंकिंग इतिहास साहूकारों और महाजनों के पारंपरिक दौर से निकलकर आज अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म तक पहुँच चुका है। यह विकास देश की आर्थिक प्रगति और सुदृढ़ वित्तीय नीति का जीवंत प्रमाण है।

स्टॉक मार्केट : एक सुरक्षित और समझदारी भरा सफर

आज के इस दौर में जहाँ हर युवा जल्दी से जल्दी आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना चाहता है, स्टॉक मार्केट एक ऐसा शब्द है जो हर किसी को आकर्षित करता है। स्कूल या कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए कॉमर्स विषय केवलता किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह असल दुनिया के वित्त को समझने का जरिया है। आइए जानते हैं कि स्टॉक मार्केट क्या है, यह कैसे काम करता है और इसमें कदम रखने से पहले विद्यार्थियों को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

स्टॉक मार्केट क्या है?

सरल शब्दों में, स्टॉक मार्केट वह बाज़ार है जहाँ कंपनियों के शेयर (हिस्सेदारी) खरीदे और बेचे जाते हैं। जब कोई कंपनी बड़ी होती है और उसे अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए पैसों की जरूरत होती है, तो वह अपने कुल हिस्से को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांट देती है और आम जनता या निवेशकों को बेच देती है। जो व्यक्ति इन शेयरों को खरीदता है, वह उस कंपनी का आंशिक मालिक बन जाता है।



यह कैसे काम करता है?

स्टॉक मार्केट मुख्य रूप से दो हिस्सों में बंटा होता है

प्राथमिक बाजार - जब कोई कंपनी पहली बार अपने शेयर जनता के लिए लाती है, जिसे आईपीओ (इनिसिएल पब्लिक आफरिंग) कहते हैं।

द्वितीयक बाजार - यहाँ पहले से जारी शेयरों की खरीद-फरोख्त निवेशकों के बीच होती है। भारत में मुख्य रूप से दो बड़े एक्सचेंज हैं एनएसई और बीएसई।

शेयर की कीमत मांग और आपूर्ति के सिद्धांत पर काम करती है। यदि किसी कंपनी का प्रदर्शन अच्छा है, तो लोग उसके शेयर खरीदना चाहते हैं (मांग बढ़ती है), जिससे कीमत ऊपर जाती है। इसके विपरीत, प्रदर्शन खराब होने पर कीमत गिर जाती है।

परीक्षा उपयोगी मुख्य बिंदु

यदि आप कॉमर्स के छात्र हैं, तो परीक्षा में अक्सर इससे जुड़े प्रश्न आते हैं,

एनएसई का सूचकांक - निफ्टी (निफ्टी 50)

बीएसई का सूचकांक - सेंसेक्स 30 कंपनियों का समूह)

नियामक संस्था सेबी - स्थापना 1992, जो निवेशकों के हितों की रक्षा करती है।

विद्यार्थियों के लिए जरूरी टिप्स

1 बिना जोखिम की समझ के निवेश न करें - स्टॉक मार्केट कोई जादूई छड़ी नहीं है जहाँ रातों-रात अमीर बना जा सके। यहाँ मुनाफा जितना अधिक होता है, जोखिम भी उतना ही ज्यादा होता है। बिना वित्तीय साक्षरता और कंपनी की पूरी जानकारी के पैसा लगाना जुए के समान है।

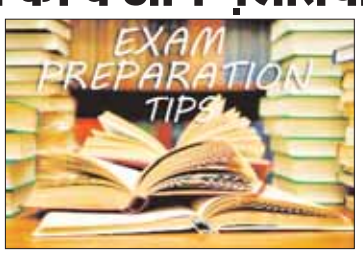
2 लर्निंग फर्स्ट, अर्निंग लेटर - छात्रों को पैसे लगाने से पहले बैलेंस शीट पढ़ना, कंपनियों के वित्तीय परिणाम समझना और इकोनॉमिक्स के बेसिक फंडे सीखने चाहिए।

3 पॉकेट मनी का सही इस्तेमाल - यदि आप शुरुआत करना चाहते हैं, तो म्यूचुअल फंड के जरिए सिप की छोटी शुरुआत कर सकते हैं, जिससे आपको अनुशासित निवेश की आदत पड़े।

4 शॉर्टकट से बचें - टिप्स या अफवाहों के आधार पर ट्रेडिंग करने से बचें; हमेशा लॉन्ग-हीरो वैल्यू इन्वेस्टिंग पर ध्यान दें।

भ्रम तोड़ें, कॉमर्स की वे आम ग़लतियाँ जो परीक्षा में अंक कटवाती हैं

कॉमर्स के विद्यार्थी अक्सर कुछ बातों को बिना जाँचे सही मान लेते हैं। यही छोटे-छोटे भ्रम परीक्षा में बड़े अंक कटवाते हैं। आइए ऐसे छह भ्रम तोड़ें।



1. डेबिट यानी घाटा, क्रेडिट यानी लाभ - यह सबसे आम ग़लतफ़हमी है। लेखांकन में डेबिट का मतलब केवल खाते का बायाँ पक्ष है और क्रेडिट का मतलब दायाँ पक्ष। संपत्ति और व्यय बढ़ने पर खाता डेबिट होता है, जबकि दायित्व, पूँजी और आय बढ़ने पर क्रेडिट। इसलिए मशीन खरीदने पर मशीन खाता डेबिट होता है, जो घाटा नहीं, संपत्ति में वृद्धि है। नियम याद रखेंरू संपत्ति और व्यय का खाता बढ़ने पर डेबिट, और बाकी का बढ़ने पर क्रेडिट।

2. लाभ का मतलब हाथ में नकद होना है - लाभ और नकद एक चीज़ नहीं हैं। उधार बिक्री से लाभ दिखता है, पर पैसा अभी आया नहीं होता। इसी कारण रोकड़ प्रवाह विवरण अलग से बनाया जाता है।

3. अवमूल्यन यानी पैसा बाहर जाना - अवमूल्यन एक अनगद व्यय है। इसमें कोई भुगतान नहीं होता, बल्कि संपत्ति की लागत को उसके उपयोग वाले वर्षों में बाँटा जाता है। यह बाज़ार मूल्य में गिरावट भी नहीं है।

4. प्रावधान और संचय एक ही हैं - प्रावधान संभावित हानि या दायित्व के लिए लाभ में से पहले ही अलग किया जाता है, जैसे डूबत ऋण प्रावधान। संचय लाभ का विनियोजन है, जो भविष्य की मज़बूती के लिए रखा जाता है। परीक्षा में यह अंतर अक्सर पूछा जाता है।

5. आहरण एक खर्च है - मालिक द्वारा निजी उपयोग के लिए निकाली गई राशि आहरण कहलाती है। यह व्यवसाय का खर्च नहीं है, बल्कि पूँजी में कमी करती है, इसलिए इसे लाभ-हानि खाते में नहीं दिखाते।

6. तलपट मिल गया तो सब सही है - तलपट का मिलान होना केवल इतना बताता है कि डेबिट और क्रेडिट कुल बराबर हैं। कुछ गलतियाँ, जैसे प्रविष्टि पूरी छूट जाना, गलत खाते में लिखना या सिद्धांत की भूल, तलपट को प्रभावित ही नहीं करतीं।

परीक्षा के लिए टिप्स

हर प्रश्न में सीधे गणना शुरू करने से पहले देख लें कि खाता किस प्रकृति का है। इससे आधी गलतियाँ वहीं रुक जाती हैं। भ्रम टूटते ही विषय आसान लगने लगता है। रटने के बजाय क्यों पूछने की आदत डालिए, अंक अपने आप बढ़ेंगे।

शब्द पहेली - 9026

1	2	■	3	4	5	■	6	7
8		9	■	10		11	■	
■	12		13	■	14		15	■
16	■	17		18	■	19		20
21	22	■	23		24	■	25	
26		27	■	28		29	■	
■	30		31	■	32		33	■
34	■	35		36	■	37		38
39		■	40			■	41	

बाएँ से दाएँ

1. इच्छा, मन्नत-2
3. आश्रय, शरण-3
6. ठाठ-बाट-2
8. प्रकार-3
10. आवरण-3
12. तीर्थ, धार्मिक यात्रा-3
14. ख्वाब, स्वप्न-3
17. घर, आवास-3
19. लोच-3
21. भस्म, खाक-2
23. निगाह, दृष्टि-3
25. संबोधन-2
26. देवर्षि-3
28. तिजोरी-3
30. तरंग, हिलोर-3
32. गुंडा, बदमाश-3
35. अनुकृति-3
37. नाप करना-3
39. थोड़ा-2
40. उल्टी, कै-3
41. मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1. सप्तम, सातवां-2
2. पृथ्वी, वसुंधरा-3
4. घ्राणेंद्रिय-2
5. वासना, लालसा-3
7. खुमार, सरुर-2
9. रनिवास (उर्दू-3)
11. चतुर, तेज-3
13. थकावट-3
15. नृत्य करना-3
16. कुल, खानदान, वंश-3
18. पुराना जुकाम-3
20. कटि, शरीर का मध्यांग-3
22. ईमामदस्ता-3
24. नकद राशि, रोकड़-3
27. जलने की क्रिया-3
29. रवानगी, विदा होना-3
31. राशि, धन-3
33. आलेप करना, पोतना-3
34. रहस्य-2
36. बुरी आदत-2
38. अनेक प्रकार-2

शब्द पहेली -9025 का हल

श	ब	■	ना	■	य	■	लॉ	क
रा	■	ला	ल	■	श	ह	■	हा
ब	से	रा	■	सा	■	क	स	र
■	ना	■	आ	स	रा	■	र	■
अ	ना	मि	का	■	श	रा	फ	त
■	य	■	र	ह	न	■	रो	■
म	क	र	■	र	■	प्रे	श	र
लि	■	ज	मा	■	आ	स	■	स
न	र	■	न	■	म	■	आ	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

सुरक्षित बचपन अभियान के अधीन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।



मुख्य न्यायाधिपति, म.प्र. उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेषानुसार एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीष एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अखिलेष शुक्ला के निर्देषन में ''सुरक्षित बचपन अभियान'' का आयोजन जिले में दिनांक 01.11.2026 से 06.11.2026 तक जिला प्राधिकरण के तत्वावधान में विभिन्न विभागो के सहयोग से किया गया। अभियान का उद्देष्य छात्रो को उनके अधिकारो, व्यक्तिगत साईबर सुरक्षा, नि:षुल्क विधिक सहायता एवं बाल सरंक्षण सहायता तक पहुंच के बारे में जागरूक करना है। अभियान के अधीन 30 से अधिक स्कूलो में छात्रो को नि:षुल्क विधिक सहायता एवं बाल संरक्षण सहायता के संबंध में जागरूक किया गया है। अभियान के अधीन आयोजित षिविरो में विषेष न्यायाधीष (एट्रोसिटी) श्री मनोज कुमार लडिया, विषेष न्यायाधीष (पॉक्सो) श्रीमती ज्योति मिश्रा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री धर्मेष भट्ट, न्यायाधीष श्री दिनेष मीणा, जिला रजिस्ट्रार श्री धर्मेन्द्र नागवंषी, न्यायाधीष श्रीमती ऋचा जैन, श्रीमती ऐष्वर्या जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री राजेष सक्सेना, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री षिवकुमार रैकवार, सदस्य श्री राजेन्द्र राजपूत, श्री महेष नेमा, बाल संरक्षण अधिकारी श्री सौनिध्य सराठे द्वारा बाल अधिकारो एवं बाल संरक्षण सहायता संबंधी विषयो के बारे में छात्रो को जागरूक किया गया। उक्त अभियान के सफल आयोजन मे सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्री राधेष्याम वर्मा, जिला षिक्षा अधिकारी श्री अनिल कुषवाहा, विभिन्न विद्यालयो के प्राचार्यो एवं पैरालीगल वॉलेन्टियर का विषेष सहयोग रहा है। अभियान के अधीन पैरालीगल वालेंटियर द्वारा श्रमिक बस्तियो तक पहुंच कर श्रमिक बस्तियो के बच्चो को भी जागरूक किया गया। तहसील विधिक सेवा समिति गाडरवारा, गोटेगांव व तेदूखेडा के न्यायाधीषगणो द्वारा भी विभिन्न स्कूलो में आयोजित जागरूकता षिविरो में पहुंचकर छात्रो को विभिन्न विषयो के संबंध में जागरूक किया गया। इसके साथ ही निर्देषानुसार दिनांक 05.11.2026 को बाल देखभाल संस्थानो में रहने वाले बच्चो द्वारा तैयार किए गए सजावटी सामान जैसे दीये व अन्य वस्तुओ की प्रदर्षनी एडीआर सेंटर में लगाई गई। जिसका उद्घाटन प्रधान जिला न्यायाधीष एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अखिलेष शुक्ला द्वारा किया गया। न्यायाधीषगण, अधिवक्तागण, कर्मचारियो एवं पक्षकारो द्वारा बच्चो द्वारा निर्मित विभिन्न सजावटी वस्तुओ का अवलोकन एवं क्रय कर बच्चो का उत्साहवर्धन किया गया।

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

सीसीयू में पैथोलॉजी एवं डायलिसिस यूनिट प्रारंभ करने के निर्देश



नरसिंहपुर,स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा गुरूवार को लिया। इस दौरान उन्होंने प्रसूति वार्ड, पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, हाई रिस्क पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड सहित अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने प्रसूति वार्ड में पहुंचकर भर्ती प्रसूताओं के स्वास्थ्य एवं उपचार संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रसूताओं की नियमित देखभाल करने तथा परिवार नियोजन के संबंध में उचित परामर्श (फैमिली प्लानिंग काउंसलिंग) देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कम वजन वाली प्रसूताओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा आवश्यकतानुसार उचित उपचार एवं पोषण संबंधी सलाह उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यहां नवजात शिशुओं को दुलार किया और परिजनों से कहा कि बच्ची के जन्म होने पर लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ अवश्य लें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने अस्पताल में साफ-सफाई, बेडशीट की नियमित उपलब्धता एवं परिवर्तन तथा शौचालयों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पोस्ट ऑपरेटिव एवं हाई रिस्क पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया और मरीजों को बेहतर उपचार एवं देखभाल उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने क्रिटिकल केयर यूनिट में पैथोलॉजी एवं डायलिसिस यूनिट दीपावली के बाद प्रारंभ करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए। अस्पताल में स्वच्छता, मरीजों की देखभाल और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. रामकुमार चौधरी, डॉ. राहुल नेमा सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।



सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विद्यार्थियों को दी विधिक एवं साइबर सुरक्षा की जानकारी

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में गुरुवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंहपुर बड़ा में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश श्री अखिलेश शुक्ला के निर्देशन तथा सचिव श्री धर्मेश भट्ट और जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री राजेश कुमार सक्सेना के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शिविर में मौजूद पैरालीगल वॉलेंटियर आशुतोष स्वामी ने विद्यार्थियों को निःशुल्क विधिक सहायता, राष्ट्रीय लोक अदालत, बाल अधिकार एवं संरक्षण, साइबर सुरक्षा, साइबर अपराध हेल्पलाइन सहित अन्य सामाजिक विषय जैसे रेलू हिंसा, नशामुक्ति, दहेज प्रथा, यातायात नियमों एवं उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक किया। शिविर में विद्यालय के प्राचार्य सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दीपावली और छठ पर यात्रियों को कन्फर्म टिकट

रेलवे चला रहा तीन स्पेशल ट्रेनें, कटनी होकर गुजरेंगी

कटनी (स्वतंत्रमत)।



दीपावली और छठ पर्व पर घर जाने वाले यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने और भीड़ के बीच सफर करने की परेशानी से राहत देने के लिए रेलवे ने तीन स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। रानी कमलापति स्टेशन से रीवा, गोरखपुर और दानापुर के लिए इन ट्रेनों का संचालन एक-एक फेरे में किया जाएगा। इससे भोपाल के साथ विदिशा, बीना, नर्मदापुरम और इटारसी के यात्रियों को भी अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त ट्रेन की सुविधा मिलेगी। तीनों ट्रेनों में स्लीपर, सामान्य और एसी श्रेणी के कोच रहेंगे। जानकारी के मुताबिक गाड़ी संख्या 02185 रानी कमलापति रीवा स्पेशल 5 नवंबर को रात 10.15 बजे रवाना होकर 6 नवंबर को सुबह 7.20 बजे रीवा पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 02186 रीवा रानी कमलापति स्पेशल 6 नवंबर को दोपहर 12.30 बजे चलकर रात 9.15 बजे पहुंचेगी। रास्ते में विदिशा और बीना सहित सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, मैहर और सतना में ठहराव रहेगा।

गोरखपुर के लिए 7 नवंबर- को चलेगी ट्रेन गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति गोरखपुर स्पेशल 7 नवंबर को शाम 6.45 बजे रवाना होकर 8 नवंबर को दोपहर 12.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में 01664 गोरखपुर रानी कमलापति स्पेशल 9 नवंबर को सुबह 7.50 बजे चलकर 10 नवंबर को रात 1:15 बजे भोपाल पहुंचेगी। इस ट्रेन का ठहराव विदिशा, बीना, झांसी, उरई, कानपुर, लखनऊ और गोंडा सहित प्रमुख स्टेशनों पर रहेगा।

दानापुर के लिए 11 नवंबर- को रवाना होगी ट्रेन गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल 11 नवंबर को दोपहर 2.25 बजे रवाना होकर 12 नवंबर को सुबह 9.15 बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में 01662 दानापुर-रानी कमलापति स्पेशल 12 नवंबर को सुबह 11.20 बजे चलकर 13 नवंबर को सुबह 10.50 बजे पहुंचेगी। इसका ठहराव नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर और बसर सहित कई स्टेशनों पर रहेगा। इन स्पेशल ट्रेनों में 2 एसएलआरडी, 4 सामान्य श्रेणी, 10 शयनयान, एक एसी तृतीय और एक एसी द्वितीय श्रेणी का कोच रहेगा।



कलेक्टर के निर्देश पर आधार संबंधी समस्या का हुआ त्वरित निराकरण

आवेदक सुजान के पुत्र हीरालाल को सौंपा आधार कार्ड

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

जिले में आयोजित आधार शिविरों के माध्यम से नागरिकों की आधार संबंधी समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत सरसला में आयोजित आधार शिविर के दौरान आवेदक श्री सुजान ने कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के नाम आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनके पुत्र कुमार हीरालाल का आधार कार्ड कई बार प्रयास करने के बावजूद नहीं बन पा रहा है। आवेदन को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने प्रकरण के शीघ्र निराकरण के लिए जिला ई-गवर्नेंस कार्यालय को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके परिपालन में जिला ई-गवर्नेंस कार्यालय द्वारा उपलब्ध दस्तावेजों एवं अभिलेखों की जांच की गई। जांच में सामने आया कि कुमार हीरालाल का आधार कार्ड पूर्व में ही बन चुका था। इसके पश्चात कलेक्टर कार्यालय स्थित आधार केंद्र में परियोजना महिला एवं बाल विकास के अंतर्गत कार्यरत आधार सुपरवाइजर श्री नीलेश कुशवाहा के माध्यम से पूर्व में जारी आधार कार्ड प्राप्त किया गया और आवेदक श्री सुजान को उपलब्ध कराया गया। इस प्रकार कलेक्टर के निर्देश पर संबंधित विभागों के समन्वय एवं त्वरित कार्रवाई से आवेदक की समस्या का निराकरण हुआ और उन्हें अपने पुत्र का आधार कार्ड प्राप्त हो सका।

रबी सीजन में जिले के 1.02 लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को मिलेगी सिंचाई सुविधा

कटनी (स्वतंत्रमत)। रबी सीजन में किसानों को समय पर और पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरसिमरनप्रीत कौर ने जलाशयों में उपलब्ध जलभराव, रबी सिंचाई के लक्ष्य तथा निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित सिंचाई योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन विभाग ने बताया कि कटनी जिले में कुल कृषि योग्य क्षेत्र 2 लाख 36 हजार हेक्टेयर है। वर्तमान में जल संसाधन विभाग द्वारा निर्मित जलाशयों के माध्यम से 34 हजार 163 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं, निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित योजनाओं के पूर्ण होने पर 1 लाख 2 हजार 471 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।

दीपावली के मद्देनजर नगर पालिका परिषद गाडरवारा ने बाजारों, दुकानों एवं गोदाम का किया निरीक्षण



गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। दीपावली पर्व के मद्देनजर आम नागरिकों को पॉलिथीन का उपयोग न करने अतिक्रमण न करने एवं अपने प्रतिष्ठानों का समान रोड तक ना रखने की हिदायत दी गई एवं प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार जिले में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पालिका गाडरवारा की संयुक्त टीम द्वारा बजारों दुकानों एवं गोदाम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सामग्री पाए जाने पर उसे जब्त किया गया। इस दौरान टीम ने सामग्री के भंडारण की स्थिति तथा दुकान में स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि त्योहारों पर भीड़भाड़ वाले स्थलो बाजारों पर आम जनों को आने-जाने में सुविधा रहे। इसलिए अपने प्रतिष्ठानों को आगे की तरफ ना बढ़ाएं एवं दुकान का सामान अपने सीमा में ही रखें एवं पॉलीथिन का उपयोग न करें जो पूर्णत प्रतिबंधित है तथा ऐसा करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। त्यौहारों के दौरान सुरक्षित आवागवन निश्चित स्थान पर दुकान लगाने एवं सुनिश्चित करने के लिए जांच अभियान जारी रहेगा। इस कार्रवाई के दौरान जवाहर वार्ड में सब्जी मंडी के सामने राजा श्रीवास्तव कहांकश के काफी पुस्तकों की दुकान पर जुर्माना के साथ पटाखों का भंडारण भी पाया गया जो बड़ा संवेदनशील था जिनके फटाखे जप्त किए गए क्योंकि उनकी काफी पुस्तकों की दुकान थी जिससे भी कभी भी कोई भी हादसा हो सकता था। इस कार्रवाई के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती रितु मेहरा अपनी नगर पालिका की टीम के साथ स्वयं ने मोर्चा संभाला।

इस दौरान नगर पालिका से राजस्व उप निरीक्षक अमित कोष्टी एवं शहजाद बख्श स्वच्छता उप निरीक्षक संजय श्रीवास स्वच्छता पर्यवेक्षक प्रदीप मिश्रा एवं देवी राम गौहार अतिक्रमण प्रभारी प्रमोद सिंह चौहान संजय व्यास नरेश रजक शैलेंद्र शर्मा पवन तिवारी दीपक प्रजापति अर्पित तोमर आकाश व्यास चंदन रुसिया साकेत श्रीवास देवेंद्र तोमर करण खटीक आकाश पिपरैहा अमित सिमरैया अनुज घारु प्रशांत घारु आदि नगर पालिका का स्टाफ उपस्थित रहा।



कलेक्टर ने खरीदे बच्चों के हाथों से बने दीपावली के सजावटी उत्पाद

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर आशीष तिवारी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में बाल गृह संस्थाओं के बच्चों द्वारा तैयार दीपावली के सजावटी उत्पादों की खरीदारी कर उनके हुनर को सम्मान और आत्मनिर्भरता के सपनों को नई उड़ान दी। इस स्टॉल में विभिन्न बाल गृह संस्थाओं के कर्मचारी उपस्थित रहे। मिशन वात्सल्य के तहत संचालित बाल देखरेख संस्थाओं के बच्चों की प्रतिभा को मंच देने और उन्हें आर्थिक संबल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट के प्रवेश हॉल में लगे स्टॉल से कलेक्टर तिवारी ने रंग-बिरंगे तोरण और कैंडल्स आदि हस्तनिर्मित सामग्री खरीदा और नगद भुगतान किया। यहां बच्चों द्वारा तैयार ग्लास कैंडल, वॉल हैंगिंग, झालर, सजावटी दीये और अन्य आकर्षक उत्पाद प्रदर्शित किए गए। डिप्टी कलेक्टर प्रमोद चतुर्वेदी एवं महिला सशक्तिकरण अधिकारी वनश्री कुर्वेती ने भी उत्पादों की खरीदारी कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

विजयराघवगढ़ पुलिस का पटाखा दुकानों एवं गोदामों का किया आकस्मिक निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)।



पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य व अनुविभागीय अधिकारी वीरेन्द्र धार्वे के मार्गदर्शन पर निरीक्षक अभिषेक चौबे थाना प्रभारी विजयराघवगढ़ और तहसीलदार विजयराघवगढ़ मनीष शुक्ला की संयुक्त टीम द्वारा किया गया पटाखा दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण। पुलिस अधीक्षक कटनी के मौखिक निर्देश पर आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुये थाना क्षेत्र में स्थापित अस्थाई पटाखा दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण कर पटाखा दुकान संचालकों को शासन की गाईडलाईन का पालन करते हुये समुचित व्यवस्था कर विस्फोटक सामग्री विक्रय करने हेतु आवश्यक समझाईश दी गई, किसी भी अप्रिय घटना एवं असमाजिक तत्वों को दुकानों से दूर रखने एवं सावधानी पूर्वक कार्य करने के आवश्यक निर्देश दिये गये।

लाड़ली बहना योजना में लाभ बढ़ाने एवं वेरिफिकेशन के नाम पर महिलाओं से धोखाधड़ी

दो आरोपी गिरफ्तार, 12 घंटे के भीतर पुलिस ने किया खुलासा

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर निगम कर्मचारी बनकर महिलाओं के मोबाइल में ऐप डाउनलोड कराकर व्यक्तिगत जानकारी एवं फर्जी आईडी बनाने वाले दोनों आरोपी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल।

घटना का विवरण

दिनांक 3 नवम्बर को फरियादिया जीनत फातिमा, पिता तबरेज बहेना, उम्र 21 वर्ष, निवासी मस्जिद के पीछे, रामनिवास सिंह वार्ड, थाना रंगनाथनगर, कटनी द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 2 नवम्बर को दो अज्ञात युवक नगर निगम कर्मचारी बनकर उसके घर पहुंचे। आरोपियों ने लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़वाने एवं योजना के वेरिफिकेशन के नाम पर फरियादिया, उसकी मां एवं मोहल्ले की अन्य 5-6 महिलाओं की फोटो अपने मोबाइल में खींची तथा उनके मोबाइल में एक ऐप डाउनलोड करवाकर दूसरे नामों से आईडी बनाई। इस दौरान आरोपियों ने महिलाओं की व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त कर उनके साथ धोखाधड़ी की। फरियादिया की रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए थाना रंगनाथनगर पुलिस द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए अपराध क्रमांक 464/2026 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं उप पुलिस अधीक्षक कटनी के मार्गदर्शन में आरोपियों की पतासाजी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया तथा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास एवं सघन पतासाजी करते हुए घटना के महज 12 घंटे के भीतर दुर्गा चौक, खिरहनी, थाना एनकेजे क्षेत्र से दोनों संदिग्ध आरोपियों को पकड़कर पूछताछ की गई। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी- सूर्यांश तिवारी पिता शैलेन्द्र तिवारी, उम्र 23 वर्ष, निवासी वेंकट नगर, थाना जैतहरी, जिला अनूपपुर, हाल निवासी दुर्गा चौक, थाना एनकेजे, कटनी एवं विशाल अग्निहोत्री पिता योगेश अग्निहोत्री, उम्र 21 वष, निवासी ग्राम गण्डाह, थाना समरेर, जिला बदायूं उत्तर प्रदेश, हाल निवासी दुर्गा चौक, थाना एनकेजे, कटनी ने बताया कि वे किसी अन्य व्यक्ति के कहने पर लोगों की आईडी बनाने का काम करते थे तथा प्रत्येक आईडी बनाने के बदले उन्हें 600 रुपये मिलते थे। प्रकरण में शामिल अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।



आमजन से कटनी पुलिस की अपील

कटनी पुलिस आम नागरिकों, विशेषकर महिलाओं से अपील करती है कि लाड़ली बहना योजना अथवा किसी भी शासकीय योजना का लाभ बढ़ाने, वेरिफिकेशन कराने या अतिरिक्त राशि दिलाने के नाम पर किसी अनजान व्यक्ति को अपनी व्यक्तिगत जानकारी, फोटो, ओटीपी अथवा बैंक संबंधी जानकारी साझा न करें। किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में ऐप डाउनलोड न करें और न ही अनजान लिंक पर क्लिक करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी पुलिस थाना अथवा साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दें। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी रंगनाथनगर सिद्धार्थ रायए सउनि बहादुर सिंह, प्र.आर. लालजी यादव, प्र.आर. रामनरेश शुक्ला, आरक्षक वीरेन्द्र दहायत, आरक्षक संजय पाण्डेय एवं आरक्षक सतेन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

गले से खींची तीन तोला सोने की चैन

मण्डला (स्वतंत्रमत)। शहर में बदमाशों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। कोतवाली थाना क्षेत्र के नर्मदा जी वार्ड क्रमांक-3 में बाइक सवार दो अज्ञात युवकों ने शाम के समय एक महिला के गले से सोने की चैन झपटकर भाग गए। बदमाश इतनी तेजी से वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हुए कि महिला को संभलने तक का मौका नहीं मिला। चैन स्नेचिंग की यह पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। त्योहारी सीजन के बीच शहर के सराफा बाजार क्षेत्र में हुई इस वारदात से व्यापारियों और स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार नर्मदा जी वार्ड निवासी ममता अग्रवाल अपने घर से सराफा बाजार स्थित आभूषण की दुकान की ओर जा रही थीं। इसी दौरान घर से कुछ ही दूरी पर पीछे से बाइक पर सवार आए दो युवकों ने उन्हें निशाना बनाया। महिला कुछ समझ पातीं इससे पहले ही बाइक पर पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की चैन खींच ली। चैन करीब तीन तोला वजनी थी। अचानक हुई इस घटना से महिला घबरा गईं। उन्होंने तत्काल घटना की जानकारी परिजनों और पुलिस को दी। इसके बाद पीड़िता ने कोतवाली थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई।

गोपालकृष्ण ग्राम पुरस्कार से सम्मान

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)। बिछिया विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत घुघरी में गोपालकृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के अंतर्गत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वृंदावन ग्रामों के तहत चयनित पशुपालकों को देशी नस्ल की गायों के संरक्षण एवं संवर्धन और दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। योजना के तहत दुग्ध उत्पादन के आधार पर चयनित पशुपालकों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भास्कर द्विवेदी को एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। वहीं द्वितीय स्थान पर रहे विवेक चौकसे को 50 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दुर्गेश चौकसे को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर सम्मानित पशुपालकों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की गई। साथ ही पशुपालन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए देशी नस्ल की गायों के संरक्षण संवर्धन और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

मिट्टी के दीये खरीदने की अपील

मण्डला (स्वतंत्रमत)। दीपावली के पावन त्यौहार को देखते हुए कलेक्टर ने एक अनुकरणीय पहल की है। उन्होंने बाजार पहुंचकर जिले के स्थानीय कलाकारों और स्वदेशी स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए मिट्टी के आकर्षक दीयों की खरीदारी की कलेक्टर की इस मुहिम में उनके साथ जिला पंचायत सीईओ शास्वत सिंह मीना सहित अन्य जिला अधिकारी भी शामिल हुए। सभी अधिकारियों ने स्थानीय कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए मिट्टी के दीये और विभिन्न स्वदेशी उत्पादों को खरीदा।

हजारों की मदिरा जब्त

मण्डला (स्वतंत्रमत)। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विक्रय एवं निर्माण के विरुद्ध शहर एवं नैनपुर क्षेत्र में कार्यवाही की गई। शहर के बस स्टैंड मछली मार्केट एवं झूलापुल क्षेत्र में दबिश देकर अवैध रूप से मदिरा विक्रय करने वालों के घर एवं दुकानों से मदिरा बरामद कर जब्त की गई। वहीं नैनपुर क्षेत्र में कार्यवाही के दौरान 3 प्रकरण दर्ज किए गए कार्यवाही में कुल 7 प्रकरण पंजीबद्ध कर 45 नग विदेशी मदिरा, 8 बोतल मैकडोवेल नंबर-1 रम, 2 बोतल आइकॉनिक व्हिस्की, 1 बोतल ब्लैक बकार्डी, 15 लीटर हाथ भट्टी कच्ची मदिरा तथा 150 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया।

मंडला पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ा, दो दर्जन चोरियों का खुलासा

विभिन्न थाना क्षेत्रों में कबूली वारदात चांदी के जेवर बाइक जब्त

मण्डला (स्वतंत्रमत)।





महाराजपुर थाना पुलिस ने चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने मंडला जिले के महाराजपुर निवास मोहगांव और नैनपुर थाना क्षेत्रों के अलावा जबलपुर जिले के बरेला तथा डिंडौरी जिले के मेहंदवानी क्षेत्र में भी चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चांदी के आभूषण दो हजार रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल जब्त की हैं। पुलिस के मुताबिक जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में करीब 21 लाख 29 हजार 700 रुपये की संपत्ति चोरी किए जाने की जानकारी सामने आई है। अन्य जिलों की घटनाओं की जांच और चोरी गई संपत्ति की बरामदगी के लिए आगे कार्यवाही की जा रही है पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा और एसडीओपी पीयूष मिश्रा के मार्गदर्शन में यह कार्यवाही की गई पुलिस के अनुसार ग्राम सूरजपुरा निवासी कमलेश धुर्वे 35 वर्ष ने 30 अक्टूबर को महाराजपुर थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वह दोपहर करीब एक बजे अपनी पत्नी राजकली धुर्वे के साथ घर में ताला लगाकर मोटरसाइकिल से काम के सिलसिले में ग्राम अहमदपुर गए थे। दोपहर करीब 2:30 बजे लौटने पर घर के लोहे के गेट और मुख्य दरवाजे के ताले टूटे मिले घर के अंदर रखी पेटी में कपड़े बिखरे हुए थे तथा उनमें रखे चांदी के आभूषण और नकदी गायब थी चोरी गए सामान में करीब 15 तोला वजनी चांदी की एक जोड़ी पायल दो जोड़ी चांदी की बिछिया और दो हजार रुपये नकद शामिल थे। शिकायत के अनुसार चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 32 हजार रुपये थी पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू की चोरी की घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी दौरान मुखबिर और ग्रामीणों से मिली सूचना के आधार पर ग्राम सूरजपुरा में पांच संदिग्ध युवक दो मोटर साइकिलों के साथ दिखाई दिए। इनमें एक हीरो एचएफ डीलक्स मोटर साइकिल क्रमांक एमपी 50 एमवी 0433 और दूसरी बिना नंबर की होंडा एसपी 160 मोटरसाइकिल शामिल थी पुलिस ने संदिग्धों से पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में उन्होंने सूरजपुरा में सूने घर का ताला तोड़कर चांदी की पायल और बिछिया चोरी करने की बात स्वीकार की आरोपियों ने कथित तौर पर अन्य साथियों के साथ मिलकर जिले और आसपास के क्षेत्रों में कई वारदातें करना भी कबूल किया इसके बाद पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के आभूषण नकदी और दोनों मोटरसाइकिलें जब्त कीं पुलिस के अनुसार आरोपियों का तरीका सूने मकानों की पहचान करना था वे विभिन्न गांवों में घूमकर सड़क किनारे स्थित उन घरों की रेकी करते थे जिनमें ताला लगा होता था। घरों की स्थिति और चोरी के अनुकूल अवसर का पता लगाने के बाद वारदात को अंजाम देते थे पूछताछ में अन्य स्थानों पर भी चोरी की योजना बनाने की जानकारी सामने आई है पुलिस द्वारा जारी विवरण के अनुसार थाना निवास क्षेत्र में पांच चोरी की घटनाओं में करीब 12 लाख 73 हजार रुपये की संपत्ति चोरी होने की जानकारी सामने आई है। इनमें ग्राम निवसी में 30 सितंबर और 8 अक्टूबर ग्राम बिझौली में 7 अक्टूबर ग्राम पथरी में 15 मई तथा निवास में 8 अक्टूबर की घटना शामिल है इसी तरह थाना मोहगांव क्षेत्र के ग्राम अंडिया रैयत, सालीवाड़ा, चुभावल, सहजर और खर्राछापर में पांच चोरी की घटनाएं सामने आई हैं पुलिस के विवरण के मुताबिक इन घटनाओं में करीब 5 लाख 24 हजार 700 रुपये की संपत्ति चोरी हुई।

थाना नैनपुर क्षेत्र के ग्राम अतरिया में 24 अक्टूबर को हुई चोरी में करीब तीन लाख रुपये की संपत्ति चोरी होने की जानकारी दी गई है इस प्रकार निवास, मोहगांव और नैनपुर क्षेत्र की घटनाओं के साथ अन्य वारदातों को मिलाकर मंडला जिले में चोरी गई संपत्ति का कुल अनुमानित मूल्य करीब 21 लाख 29 हजार 700 रुपये बताया गया है। पुलिस के अनुसार जबलपुर जिले के बरेला डिंडौरी जिले के मेहंदवानी और अन्य थाना क्षेत्रों में भी करीब दो दर्जन चोरी की वारदातों में संलिप्तता की बात सामने आई है। इन मामलों में संबंधित थानों द्वारा आगे की जांच की जाएगी गिरफ्तार आरोपियों में करन धुर्वे (20), विजय मरावी (28) और मनोज धुर्वे उर्फ किसन (25), तीनों निवासी ग्राम शेरवार, थाना परसवाड़ा जिला बालाघाट शामिल हैं।

चौथा आरोपी अरबेद उर्फ भूपेंद्र धुर्वे (23) निवासी ग्राम राजासलैया थाना बाकल जिला कटनी है जो वर्तमान में शेरवार क्षेत्र में रह रहा था। पांचवां आरोपी 16 वर्ष का विधि से संघर्षरत बालक है, जो ग्राम शेरवार जिला बालाघाट का निवासी बताया गया है पुलिस ने बताया कि आरोपियों में से विजय उर्फ करिया मरावी के विरुद्ध बालाघाट जिले के परसवाड़ा थाने में वर्ष 2018 का एक आपराधिक प्रकरण दर्ज होने की जानकारी भी मिली है पुलिस के अनुसार कार्यवाही में करीब 15 तोला वजनी चांदी की एक जोड़ी पायल दो जोड़ी चांदी की बिछिया तथा घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल जब्त की गई हैं। जब्त संपत्ति का कुल मूल्य करीब 1 लाख 90 हजार रुपये बताया गया है।

अन्य घटनाओं में चोरी गई संपत्ति की बरामदगी के लिए पुलिस रिमांड और संबंधित न्यायालय की प्रक्रिया के तहत आगे कार्यवाही की जाएगी इस कार्यवाही में महाराजपुर थाना प्रभारी निरीक्षक डॉ. जयसिंह यादव, निवास थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह धुर्वे, मोहगांव थाना प्रभारी निरीक्षक राजाराम बड़ोले, हिरदेनगर चौकी प्रभारी निरीक्षक सतीश यादव सहित उपनिरीक्षक भीमराव मेश्राम, पंकज विश्वकर्मा, सहायक उपनिरीक्षक अरुण आर्मो, रमेश पाल तथा अन्य पुलिसकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई साइबर सेल से सुरेश भटेरे का भी सहयोग रहा।

मां-बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियां



मण्डला (स्वतंत्रमत)।

दीपावली के अवसर पर ब्रेन चाइल्ड एकेडमी प्री-स्कूल में दीपावली फिएस्टा प्रकाश प्रेम एवं एकजुटता का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आयोजन में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के साथ उनकी माताओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रंगारंग प्रस्तुतियों और मनोरंजक गतिविधियों से पूरा परिसर उत्सवी माहौल में सराबोर रहा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रियंका उपाध्याय धोटे उपस्थित रहीं। समारोह में दीपावली आर्ट एग्जीबिशन भजन जैमिंग, मनोरंजक दीपावली खेल, वर्ड्स इन ब्लूम और मातृ-शिशु युगल नृत्य प्रतियोगिता जैसे आयोजन किए गए इनमें मां और बच्चे की नृत्य प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही प्रतियोगिता को दो श्रेणियों में आयोजित किया गया। पहली श्रेणी में कक्षा पहली के विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के साथ भाग लिया जबकि दूसरी श्रेणी में प्लेग्रुप से जूनियर केजी तक के बच्चों ने अपनी माताओं के साथ मनमोहक प्रस्तुतियां दीं प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में भव्यदीप कछवाहा एवं चेतना मालवानी शामिल रहे।

मोंटफोर्ट में वार्षिक खेल उत्सव सम्पन्न

मण्डला (स्वतंत्रमत)।



मोंटफोर्ट विद्यालय में वार्षिक खेल उत्सव का आयोजन किया गया जिसकी थीम प्रकृति प्रगति और प्रकाश थी जो कि महिला किसान को समर्पित थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय तिवारी तथा विशेष अतिथि के रूप में सुधांशु गौर, पार्थ, डॉक्टर आर्या पाण्डेय, डॉक्टर रिचा बाजपेयी और डॉक्टर सौम्या चौबे जो कि सभी विद्यालय के भूतपूर्व छात्र थे कार्यक्रम की शुरुआत में सभी अतिथियों का परिचय हुआ तथा संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन के द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान किया गया मुख्य अतिथि के द्वारा टॉर्च सेरेमनी की गई विद्यालय के लीडर्स तथा सभी हाउस के विद्यार्थियों के द्वारा मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया गया मुख्य अतिथि ने सभी लीडर्स को शपथ दिलाई तथा वार्षिक खेल प्रतियोगिता प्रारंभ होने की औपचारिक घोषणा की।

सर्वप्रथम कक्षा सातवी के विद्यार्थियों के द्वारा पी टी प्रदर्शन किया गया कार्यक्रम की विशेष अतिथि डॉक्टर सौम्या चौबे ने अपना अभिभाषण प्रस्तुत किया संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु तथा सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया दौड़ प्रतियोगिता प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम 100मीटर, 200मीटर, 400 मीटर, थ्री लेगेड दौड़,ओल्ड मैन दौड़ तथा 400 मीटर रिले रेस का आयोजन किया तथा प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी विजेताओं को मेडल तथा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। अंत में क्लोजिंग सेरेमनी और राष्ट्रगान के साथ प्रतियोगिता समाप्ति की घोषणा की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में उप प्राचार्य ब्रदर मैथ्यूज केएम, समन्वयक इवेंजलिन कुशराम, करिश्मा पांडे, अंकिता कुशवाहा, आयुषी पांडे खेल शिक्षक रोहित नायकवार, अभिषेक श्रीवास, शेरोन डिसूजा शिक्षक स्टाफ और शाला प्रबंधन का सहयोग रहा।

पराली नरवाई प्रबंधन पर किसान सभा

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)।



जिले में खरीफ फसल कटाई के बाद खेतों में बचे अवशेष पराली नरवाई को जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने और किसानों को वैकल्पिक प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी के आदेश अनुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कुलदीप पटेल द्वारा यह बैठक बुलाई गई है बैठक का आयोजन कृषि उपज मंडी सभा कक्ष भुआ बिछिया मे दोपहर 1 बजे किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य किसानों से सीधा संवाद स्थापित करना इसमें खेतों में नरवाई नहीं जलाने पराली प्रबंधन के वैज्ञानिक तरीकों पराली एवं नरवाई से नए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर स्थापित करने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई प्राकृतिक एवं जैविक खेती जिला प्रमुख सुदेश नामदेव ने कहा कि खेत में फसल अवशेष जलाने से धरती माता बंजर होते जा रही है वाटर लेवल कम होते जा रहा है, किसान कीटमित्र भी समाप्त होते जा रहे हैं उर्वरा क्षमता कम होने के कारण किसानो की लागत राशि अधिक हो रही है और उत्पादन कम हो रहा है।

कृषि यांत्रिकी सेवा संभाग भावना मरावी ने दी आत्मा परियोजना से ओमवीर सिंह रघुवंशी ने फसल अवशेष प्रबंधन को डीकंपोज करने के लिए डीकंपोजर का इस्तेमाल करने के तरीके बताए कृषि विभाग बिछिया से श्रीमती पार्वती बट्टी ने डीकंपोजर एवं वर्तमान में बोई जाने वाले अनाजों की उपलब्धता के विषय में जानकारी दी उक्त कार्यक्रम में किसान मोर्चा जिला महामंत्री मनहरण पटेल, मंडल अध्यक्ष लेखन राजपूत, भारतीय किसान संघ अध्यक्ष जमुना यादव, मंडल महामंत्री नरेश राजपूत, उद्यान विभाग सिझोरा ओपी भवेदी, कृषि उपज मंडी सचिव ओंकार सिंह उइके, किसान, हार्वेस्टर संचालक, किसान प्रतिनिधि सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।



तारा टूलकिट डिवाइस पर प्रशिक्षण

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत नीति आयोग भारत सरकार द्वारा देश के प्रत्येक आकांक्षी विकासखंड को नीति तारा टूलकिट डिवाइस उपलब्ध कराई गई है। इसी क्रम में विकासखंड नारायणगंज में उक्त डिवाइस के उपयोग एवं संचालन को लेकर सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान एडसिल इंडिया लिमिटेड द्वारा विकसित नीति तारा टूलकिट डिवाइस के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि इस डिवाइस के माध्यम से विकासखंड के समग्र विकास की रणनीति तैयार करने विभिन्न विभागों के आंकड़ों का विश्लेषण करने तथा विकास कार्यों की प्रगति की निगरानी करने में सहायता मिलेगी। डिवाइस के माध्यम से सभी विभागों की रिपोर्ट डाटा एनालिसिस एवं प्रेजेंटेशन एक ही प्लेटफॉर्म पर तैयार और प्रस्तुत किए जा सकेंगे।

चार दिन बाद हुई ट्रेन हादसे में मृत बालक की पहचान

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। रेलवे स्टेशन नैनपुर के प्लेटफॉर्म क्रमांक तीन पर 30 अक्टूबर को ट्रेन की चपेट में आने से मृत 11 वर्षीय बालक की पहचान चार दिन बाद हो सकी। मृतक की पहचान राजीव मिश्रा पिता दीपक मिश्रा, निवासी भगत सिंह वार्ड क्रमांक 22, नाला मोहल्ला, इटारसी जिला नर्मदापुरम के रूप में हुई है। बालक का परिवार मूल रूप से झारखंड का निवासी बताया गया है, जो पिछले लगभग 20 वर्षों से इटारसी में रह रहा है। जानकारी के अनुसार 30 अक्टूबर को नागपुर से शहडोल की ओर जाने वाली ट्रेन की चपेट में आने से बालक की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद जीआरपी ने मृतक की पहचान और उसके परिजनों का पता लगाने के लिए प्रयास किए, लेकिन 72 घंटे तक कोई जानकारी नहीं मिल सकी। निर्धारित प्रक्रिया के तहत मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों के सहयोग से बालक का अंतिम संस्कार कर दिया गया था।

सोशल मीडिया पर खबर देखकर पहुंचे माता-पिता-मृतक की पहचान के लिए जीआरपी द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बीच सोशल मीडिया पर घटना और बालक की तस्वीर प्रसारित की गई थी। इसी खबर के माध्यम से इटारसी में रह रहे उसके माता-पिता तक सूचना पहुंची। जानकारी मिलते ही वे नैनपुर पहुंचे और तस्वीर देखकर अपने बेटे राजीव की पहचान की। इसके बाद उन्हें उस स्थान पर ले जाया गया, जहां बालक का अंतिम संस्कार किया गया था। बेटे की पहचान होने के बाद माता-पिता वापस इटारसी रवाना हो गए। परिजनों के अनुसार राजीव दो भाइयों में छोटा था। उसके माता-पिता रेलवे स्टेशन पर छोटे-मोटे काम करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बताया गया कि घटना से दो दिन पहले ही राजीव इटारसी से निकला था। इसके बाद वह किन परिस्थितियों में नैनपुर पहुंचा और ट्रेन हादसे का शिकार हुआ, इसकी पूरी जानकारी सामने नहीं आ सकी है।

अंतिम संस्कार के बाद मिली पहचान-चार दिनों तक अज्ञात रहे बालक की पहचान होने से जहां जीआरपी की पहचान संबंधी कोशिशों को सफलता मिली, वहीं माता-पिता को अपने बेटे के बारे में जानकारी मिल सकी। हालांकि, जिस समय परिजन नैनपुर पहुंचे, तब तक बालक का अंतिम संस्कार किया जा चुका था। यह घटना बेहद दुखद है और बच्चों की सुरक्षा, उनकी आवाजाही तथा परिवार की सतर्क निगरानी के महत्व को एक बार फिर रेखांकित करती है।

नैनपुर में बेखौफ चल रहा अवैध शराब का कारोबार

ठेकेदार की मनमानी के आगे अधिकारियों के आदेश बेअसर

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। क्षेत्र में अवैध कच्ची शराब का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक ओर नैनपुर पुलिस ग्राम भीमकुंड के जंगल में दबिश देकर 500 किलो लहान नष्ट करने जैसी कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर शराब ठेकेदार की मनमानी और अवैध शराब की बिक्री को लेकर चर्चाएं हैं। जिम्मेदार अधिकारियों के आदेश और निर्देश आखिर जमीन पर प्रभावी क्यों नजर नहीं आ रहे हैं? क्या विभागीय निगरानी केवल दिखावे तक सीमित रह गई है?

आज नैनपुर में होगा कृषक संवाद

नैनपुर (स्वतंत्र मत) किसानों की समस्याओं को समझने, उनके सुझाव जानने और शासन की योजनाओं का लाभ उन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से नैनपुर में आज 6 नवंबर को कृषक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मंडला कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में वे नैनपुर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों से सीधे रूबरू होंगे और उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं एवं सुझावों को सुनेंगे। कृषक संवाद के दौरान कृषि, सिंचाई, विद्युत सहित किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे, ताकि किसानों द्वारा उठाई जाने वाली समस्याओं पर मौके पर चर्चा कर उनके निराकरण की दिशा में आवश्यक पहल की जा सके। खेती-किसानी से जुड़ी व्यावहारिक कठिनाइयों, विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और किसानों को मिलने वाली सुविधाओं को लेकर यह संवाद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रशासन और किसानों के बीच सीधा संवाद बनेगा माध्यम-कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की इस पहल का स्थानीय कृषकों ने स्वागत किया है। किसानों का मानना है कि प्रशासन के मुखिया द्वारा सीधे ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों के बीच पहुंचकर उनकी बात सुनना सकारात्मक पहल है। इससे न केवल किसानों की वास्तविक समस्याएं प्रशासन के सामने आएंगी, बल्कि उनके समाधान के लिए विभागीय स्तर पर समन्वय स्थापित करने में भी मदद मिलेगी। वर्तमान समय में खेतो नरवाई प्रबंधन, खेती की लागत, सिंचाई के साधन, विद्युत आपूर्ति और कृषि संबंधी सुविधाओं को लेकर किसानों के सामने अनेक चुनौतियां हैं। ऐसे में कृषक संवाद को किसानों की समस्याओं के निराकरण और उन्हें शासन की नीतियों एवं योजनाओं के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कृषि उपज मंडी परिसर में होगा आयोजन-कृषक संवाद कार्यक्रम 6 नवंबर, शुक्रवार को प्रातः 10:30 बजे से कृषि उपज मंडी परिसर नैनपुर में आयोजित होगा। जिला प्रशासन की ओर से क्षेत्र के समस्त किसानों से कार्यक्रम में सहभागिता करने की अपेक्षा की गई है। उम्मीद है कि इस संवाद के माध्यम से किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से समझने और उनके हित में ठोस कार्ययोजना तैयार करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

संपादकीय

निष्कर्ष पर सवाल

क्या भारत में गरीबी 'नगण्य' स्तर पर आ रही है? क्या बहुत जल्द 'गरीबी-रेखा' की अवधारणा और मानकता समाप्त हो जाएंगी? क्या 285-400 रुपए रोजाना की आमदनी 'सामान्य स्थिति' है? गरीबी से उबरना है? देश के कण-कण, चप्पे-चप्पे, गली-मुहल्लों में जो गरीब परिवार दिखाई देते हैं, क्या उनमें से अधिकतर गरीबी से बाहर निकल आए हैं और सामान्य आय-वर्ग में शामिल हो चुके हैं? आरएसएस के सरकार्यवाह (महामंत्री) दत्तात्रेय होसबाले ने 375 रुपए से भी कम रोजाना कमाने वालों को 'गरीबी' की श्रेणी में रखा था, जिसमें करोड़ों भारतीय बताए गए थे, क्या उस आकलन और सर्वेक्षण का अर्थशास्त्र गलत था? पश्चिम बंगाल से उप्र तक की पट्टी में देश के करीब 57 फीसदी गरीब माने जाते रहे हैं, क्या उनमें से अधिकतर गरीबी से बाहर निकल आए हैं? देश में ऐसी कॉन-सी क्रांति या औद्योगिक विकास हुआ है, जिनसे गरीबी 3 फीसदी से भी कम पर आने का निष्कर्ष बताया जा रहा है? विश्व बैंक ने भारत की गरीबी पर जो रपट जारी की है, उसकी प्रामाणिकता और विश्वसनीयता कितनी है? भारत में गरीबी और गरीब के आंकड़े विश्व बैंक ने खुद तो जमा नहीं किए। भारत सरकार, मंत्रालयों और एजेंसियों ने जो डाटा मुहैया कराया होगा, विश्व बैंक ने उन्हीं का विश्लेषण किया होगा! तो उस आधार पर कैसे माना या दावा किया जा सकता है कि भारत में गरीबी बहुत कम हो चुकी है और करीब 50 करोड़ लोग, 2011-23 के दौरान, गरीबी-रेखा से बाहर आ चुके हैं? विश्व बैंक की रपट के मुताबिक, भारत में 'अत्यधिक गरीबी' 3 डॉलर रोजाना के मानक स्तर पर 27.1 फीसदी से घट कर मात्र 2.6 फीसदी रह गई है? यह 'अत्यधिक गरीबी' क्या होती है? यह शब्दावली किसने तय की और क्या सभी को स्वीकार्य है? बहरहाल 12 साल के कालखंड में साढ़े 3 साल यूपीए सरकार के हैं, शेष कालखंड मोदी सरकार का है। इन सालों में 49.6 करोड़ लोग गरीबी-रेखा से बाहर आए हैं। निम्न मध्यम आय-वर्ग में रोजाना 4.2 डॉलर कमाने और जीवनयापन करने वालों की आबादी 57.7 फीसदी से घट कर 16.1 फीसदी पर आ गई है। इसी स्तर पर 2026 की गरीबी-दर 14.2 फीसदी से घट कर 2028 में 12.1 फीसदी तक लुढ़क सकती है। इस विश्लेषण और इन निष्कर्षों पर कई सवाल हैं। भारत में औसतन 300-400 रुपए रोजाना कमाने वाले को 'गरीब' नहीं मानेंगे, तो क्या वह 'सामान्य' श्रेणी में गिना जाएगा? सरकारों ने न्यूनतम वेतन 18,000 रुपए से 24,000 रुपए तक तय कर रखा है। औसतन मजदूर भी 600-700 रुपए की दिहाड़ी मांगता है। विश्व बैंक के हिसाब से 9000-12,000 रुपए माहवार कमाई, आय वाले को 'गरीब' नहीं मानना चाहिए, लेकिन औसत किसान की आमदनी 10,000 रुपए माहवार भी नहीं है। उसे मजदूरी करनी पड़ती है। किसानी से 5000 रुपए भी नहीं मिलते। खेती पर 42 फीसदी कार्यबल आश्रित है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में भी कृषि का योगदान 16-18 फीसदी है। यह डाटा भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो और विश्व बैंक का है। जिन आधारों पर गरीबी-उन्मूलन के दावे किए जा रहे हैं, उनके अपने 'अर्द्धसत्य' हैं। यह एक अलग विश्लेषण का विषय है, लिहाजा इसे यहीं छोड़ते हैं। 'गरीबी हटाओ' इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री काल से एक बेहद संवेदनशील मुद्दा रहा है। इसी आधार पर उन्होंने 1971 का चुनाव जीत लिया था। बाद में कुछ और प्रधानमंत्री भी गरीबी-उन्मूलन के दावे करते रहे। भारत सरकार में इसका बाकायदा एक मंत्रालय है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपनी योजनाओं के जरिए गरीबी मिटाने के लगातार दावे किए हैं। विश्व बैंक उनकी राजनीति को पुख्ता करता है, लेकिन यह सच भी देश के सामने आना चाहिए कि देश पर करीब 215 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह भी यथार्थ है कि वित्त वर्ष 2026-27 में अभी तक बेरोजगारी दर 14.6 फीसदी से बढ़ कर 15.9 फीसदी हो गई है।

प्रसन्नता और सामाजिक सद्भाव में है उत्सव की सार्थकता

प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें



ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं



त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता, उल्लास और मंगलकामना का पर्व है, लेकिन यदि उत्सव की चमक के पीछे आसमान धुएं से भर जाए, बच्चों और बुजुर्गों का दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवा के लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी है।

मुंबई का उदाहरण इस समस्या की गंभीरता को और उजागर करता है। सामान्यत: समुद्र की हवाओं और भौगोलिक स्थिति के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचार का लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम-10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकास की उस दिशा पर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगों के हिस्से की स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषण का पूरा दोष केवल दीपावली के पटाखों पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषण की समस्या को त्योहारों के दौरान और गंभीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषण का स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावली के आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियता का प्रदर्शन है। मुंबई में 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओं के भरोसे पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। सर्दियों की शुरुआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद के नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरण का सामना करते हैं। सुबह की सैर स्वास्थ्य का माध्यम बनने के बजाय जोखिम बन जाती है। बच्चों को खांसी, बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी और पहले से बीमार लोगों को अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

जिस हवा में जीवन का संगीत होना चाहिए, उसमें जब प्रदूषण का जहर घुल जाए तो विकास के तमाम दावे बेमानी लगने लगते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के अवसर पर केवल प्रमाणित हरित पटाखों की सीमित बिक्री और निर्धारित समय में उनके उपयोग की अस्थायी अनुमति दी है। 7 और 8 नवंबर के लिए निर्धारित समय सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे है। इसके बाद 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर प्रभावी होना है। न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन और पारंपरिक पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचने से रोकने के लिए सख्त निगरानी पर भी जोर दिया है। लेकिन प्रश्न यह है कि आदेश कागज पर सख्त और सड़कों पर बेअसर क्यों रह जाते हैं? हरित पटाखों की आड़ में पारंपरिक पटाखों की बिक्री, निर्धारित समय के बाद आतिशबाजी और प्रतिबंधित सामग्री का खुलेआम कारोबार प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलता है। कानून बनाना पर्याप्त नहीं, उसका निष्पक्ष और कठोर क्रियान्वयन भी जरूरी है। यदि नियम तोड़ने वालों को राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता का लाभ मिलता रहा तो न्यायालयों के निर्देश भी धुएं में उड़ते रहेंगे।

दीपावली के उत्सव को सीमित पटाखों, सामूहिक आतिशबाजी और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के साथ भी पूरे उल्लास से मनाया जा सकता है। उत्सव की सार्थकता शोर की तीव्रता में नहीं, बल्कि मन की प्रसन्नता और सामाजिक सद्भाव में है। यह किसी की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सम्मान है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब दीया मिर्जा जैसी अभिनेत्री पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं तो उनके संदेश को राजनीतिक विवाद में उलझा दिया जाता है। मुंबई उच्च न्यायालय ने 3 नवंबर को बीएमसी को उनका हटाया गया वीडियो दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि पर्यावरण के मुद्दे को राजनीतिक या सांप्रदायिक रंग देना अनुचित है। न्यायालय की यह टिप्पणी हमारे लोकतांत्रिक विवेक को झकझोरने वाली है।

आज आवश्यकता है कि सरकारें, न्यायपालिका, नगर निकाय, राजनीतिक दल, उद्योग जगत, सामाजिक संगठन और आम नागरिक एक साझा संकल्प के साथ आगे आएं। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण हो, वाहनों के उत्सर्जन पर कठोर निगरानी हो, सार्वजनिक परिवहन मजबूत बने, कचरा जलाने पर रोक लगे और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो। साथ ही नागरिक भी पटाखों के अनावश्यक उपयोग, कचरा जलाने और निजी वाहनों के अंधाधुंध इस्तेमाल से बचें। अंतत: सवाल यह नहीं है कि दीपावली पर पटाखे चलें या न चलें, सवाल यह है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन दे पाएंगे? राजनीति की अपनी जगह है, धर्म और परंपराओं का अपना महत्व है, लेकिन जीवन से बड़ा कोई उत्सव और स्वास्थ्य से बड़ी कोई परंपरा नहीं हो सकती। याद रखना होगा कि प्रदूषण किसी की जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधारा देखकर फेफड़ों में प्रवेश नहीं करता। हवा सबकी साझा है और उसका संकट भी सबका साझा संकट है। दीपावली के दीप जलें, घर-आंगन रोशन हों, खुशियां बिखरें, लेकिन किसी की सांसों में अंधेरा न उतरे। प्रकाश का पर्व मनाएं, प्रदूषण का पर्व नहीं। यही समय की पुकार है और यही सच्चे उत्सव का विवेकपूर्ण अर्थ है।

अपनी-अपनी नहीं, अपनों के साथ मनाएं दीपावली

अरविंद रावल

दुनिया का सबसे बड़ा पर्व दीपावली भारत सहित दुनियाभर के अनेक देशों में मनाया जाता है। दीपावली के त्योहार का आर्थिक, सामाजिक और धार्मिक महत्व है। यही वजह है कि भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोगों को हर वर्ष दीपावली के पर्व का बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। वर्तमान आधुनिकता के इस दौर में जहाँ हर चीज का स्वरूप आधुनिक और स्मार्ट होता जा रहा है, वहीं धार्मिक एवं सामाजिक त्योहार भी आधुनिकता के प्रभाव से अछूते नहीं रह पाए हैं। आज भारत के त्योहार हों या दुनिया के अन्य देशों के पर्व, सभी पर आधुनिकता का आवरण चढ़ता जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप आधुनिक युग की स्मार्ट पीढ़ी त्योहारों के पौराणिक, धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व से अनजान होती जा रही है। दुनिया जैसे जैसे आधुनिक और स्मार्ट होती जा रही है, वैसे वैसे मानव अकेला होता जा रहा है। इस सच्चाई से इनकार नहीं किया जा सकता। आधुनिकता के इस स्मार्ट युग में मानव हजारों लाखों किलोमीटर की दूरी को स्मार्टफोन की वीडियो कॉल के माध्यम से समेटकर अपनों को हर वक्त दिल के करीब तो रखता है, लेकिन विडंबना यह है कि आज भारत सहित पूरी दुनिया में इंसान अपने ही घर में अपनों के बीच एकाकी होता जा रहा है। यह स्थिति सामाजिक दृष्टि से सभी के लिए गंभीर चिंतन का विषय होनी चाहिए।

आज की स्मार्ट दुनिया में मानव के अपनों से एकाकी होने का सबसे बड़ा दुष्परिणाम धार्मिक और सामाजिक मूल्यों पर आधारित भारत जैसे देश में देखने को मिल रहा है, जहाँ युगों युगों से चली आ रही वसुधैव कुटुंबकम की परंपरा खंडित होकर हर दिन टुकड़ों में बिखरती जा रही है। भारत में कभी गाँव गाँव और गली गली तक वसुधैव कुटुंबकम की भावना कायम थी। उस दौर में त्योहारों की रौनक और उनकी मिठास महीनों तक लोगों के दिलों में बसी रहती थी। लेकिन जैसे जैसे भारतीय परिवारों में आधुनिकता का रंग चढ़ा और वसुधैव कुटुंबकम् की भावना कमजोर होने लगी, वैसे वैसे कुटुंब कहलाने वाले परिवारों में %तेरा-मेरा% की भावना बढ़ती गई। परिणामस्वरूप संयुक्त परिवार तेजी से टूटने लगे और आज के आधुनिक युग में घर-परिवार की परिभाषा पति-पत्नी और बच्चों तक सिमटकर रह गई है। विडंबना देखिए कि आधुनिकता के इस दौर में मानव ने ईंट, सीमेंट और सरिये से बड़े-बड़े आलीशान आशियाने तो बना लिए, लेकिन उनमें पत्नी और बच्चों के अलावा किसी दूसरे के लिए जगह ही नहीं बची। यहाँ तक कि कबूतरों और चिड़ियों के लिए भी स्थान नहीं है। ऐसे में कुटुंब के अन्य सदस्यों के प्रति अपनत्व और आत्मीयता की भावना कैसे विकसित होगी?

आज भारत में अधिकांश लोग त्योहार भी अपनी-अपनी दुनिया में सिमटकर मनाते दिखाई देते हैं। बड़ी-बड़ी ऊँची इमारतों को त्योहारों के अवसर पर दिखावे के लिए खूब सजाया जाता है, लेकिन उन इमारतों के भीतर से पारिवारिक मिठास और अपनत्व की खुशबू नदारद रहती है। देश में करोड़ों लोग ऐसे हैं, जो हर त्योहार अपने घर परिवार और माता पिता से दूर रहकर अलग अलग मनाते हैं। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर रीलों के माध्यम से त्योहारों को धूमधाम से मनाने का दिखावा भी करते हैं, जबकि वास्तविकता में अपनों के बीच दूरियाँ लगातार बढ़ती जा रही हैं। भारत में प्रत्येक त्योहार को मनाने के पीछे मूल उद्देश्य पारिवारिक एकजुटता, आपसी प्रेम और अपनों के विश्वास को बनाए रखना रहा है। अनादिकाल से यहाँ त्योहार वसुधैव कुटुंबकम की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से मनाए जाते रहे हैं। त्योहारों के अवसर पर पूरे कुटुंब के सदस्य एक छत के नीचे एकत्रित होते थे, एक ही चूल्हे पर बना भोजन साथ बैठकर खाते थे और आपसी प्रेम एवं आत्मीयता को मजबूत करते थे। देश के सबसे बड़े त्योहार दीपावली का मूल उद्देश्य भी दिलों को जोड़कर एकजुटता और खुशियों का प्रकाश फैलाना है। आधुनिक युग के हाईटेक और शिक्षित मानव को यदि अपना एकाकीपन और मानसिक तनाव दूर करना है, तो उसे अपनी अपनी दुनिया में अकेले त्योहार मनाने की प्रवृत्ति छोड़कर अपने घर परिवार और बड़े बुजुर्गों के साथ त्योहार मनाने की परंपरा को फिर से जीवित करना होगा। फिर देखिए, कैसे बिना कृत्रिम रोशनी के भी घर ही नहीं, बल्कि हर दिल जगमगा उठेगा।

दीपावली का पर्व भी यही संदेश लेकर आता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम के चौदह वर्षों के वनवास के बाद अयोध्या लौटने पर केवल अयोध्या का राजमहल ही नहीं, बल्कि पूरी नगरी दीपों से जगमगा उठी थी। चौदह वर्षों से श्री राम की प्रतीक्षा में सूने पड़े हर हृदय में उनके आगमन की आशा ने खुशियों का उजाला भर दिया था। चारों ओर उत्साह और उमंग का वातावरण छा गया था। तभी से दीपावली अपनों के घर लौटने, बिछड़ों के मिलने और परिवार के साथ खुशियाँ बाँटने का पर्व बन गई। आज की दीपावली भी हमें रिश्तों में आत्मीयता और अपनत्व की रौनक बढ़ाने का संदेश दे रही है। इसलिए आइए, इस बार अपनी-अपनी दीपावली मनाने के बजाय अपनों के साथ दीपावली मनाएँ। घर के उन बुजुर्गों के पास बैठें, जिनकी आँखें उम्र के साथ धुँधली और प्रतीक्षा में उदास होती जा रही हैं। उनके साथ कुछ पल बिताए, उनके चेहरे पर मुस्कान लाएँ और उनके सूने होते जीवन में खुशियों की ऐसी रोशनी भर दें कि घर की वे बूढ़ी आँखें फिर से चमक उठें। क्योंकि दीपावली का सच्चा अर्थ केवल घरों को दीपों और बिजली की रोशनी से सजाना नहीं, बल्कि अपनों के जीवन में प्रेम, विश्वास, सम्मान और आत्मीयता का उजाला फैलाना है। सच्चे अर्थों में दीपावली का यही महत्व और यही संदेश है।

केवल कल्पनाओं से जीवन नहीं बदलता, प्रतिभा को हकीकत में बदलना जरूरी

प्रशांत तिवारी

चिंतन

आपके भीतर कितनी ही संभावनाएं हों, प्रतिभा हो, लेकिन उन्हें हकीकत में बदलने के लिए अगर आप कुछ करते नहीं हैं, तो वे सब केवल संभावनाएं बनकर ही रह जाती हैं। आपने कभी माचिस की तीली को ध्यान से देखा है? वह कितनी छोटी होती है! उसे देखकर शायद ही कोई कहेगा कि इसके भीतर इतनी शक्ति है कि यह अंधेरे को रोशन कर सकती है और ठंड से कांपते किसी व्यक्ति को गर्माहट दे सकती है। यह सब उस छोटी-सी तीली से संभव है। पर, यहां समझने की बात यह है कि तीली अपने आप नहीं जलती। उसके भीतर आग पैदा करने की क्षमता तो है, लेकिन आग पैदा करने के लिए उसे रगड़ना पड़ता है। मनुष्य का जीवन भी कुछ ऐसा ही है। आपके भीतर कितनी ही संभावनाएं हों, प्रतिभा हो, लेकिन उन्हें हकीकत में बदलने के लिए अगर आप कुछ करते नहीं हैं, तो वे सब केवल संभावनाएं बनकर ही रह जाती हैं। क्षमता का होना व उसका उपयोग करना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। आप कह सकते हैं कि आपके भीतर बहुत प्रतिभा है। लेकिन, जीवन आपसे यह नहीं पूछता कि आपके भीतर कितनी प्रतिभा छिपी है। जीवन में उपलब्धि इस बात से भी तय होती है कि आपने अपनी प्रतिभा का कैसा उपयोग किया। एक बीज अपने भीतर वृक्ष बनने की संभावना रखता है। पर, यदि वह कभी मिट्टी के संपर्क में न आए, तो वह वृक्ष बन ही नहीं पाएगा। उस बीज के भीतर वृक्ष बनने की जो संभावना है, वह मिट्टी, हवा, पानी व धूप के बिना हकीकत में कभी बदल ही नहीं पाएगी। हमारे भीतर बुद्धि भी ठीक इसी तरह है। यदि आप उसका उपयोग नहीं करते, तो वह आपके जीवन को बदल नहीं पाएगी। जीवन आपकी छिपी हुई क्षमताओं की सूची नहीं है, बल्कि उन क्षमताओं की अभिव्यक्ति है।

केवल इच्छा होने या करने से ही कुछ नहीं बदलता। बहुत-से लोग अपने जीवन में बदलाव चाहते हैं। कोई स्वस्थ होना चाहता है, कोई नया कौशल सीखना चाहता है, कोई रिश्तों को बेहतर बनाना चाहता है। इच्छा करने में कोई बुराई नहीं है। वास्तव में इच्छा किसी नई शुरुआत का कारण बन सकती है। लेकिन, इच्छा और उसके हासिल के बीच एक दूरी होती है। इस दूरी को केवल कल्पना से पार नहीं किया जा सकता। यदि आप एक किताब लिखना चाहते हैं, तो उसके लिए आपको पढ़ना होगा, विचार करना होगा और शब्दों को कागज पर उतारना होगा। यहां प्रश्न यह नहीं है कि आप कितना जानते हैं, बल्कि प्रश्न इस बात का है कि आप अपने ज्ञान का उपयोग किस तरह करते हैं। प्रयास का अर्थ केवल मेहनत करना नहीं है। आप जो काम कर रहे हैं, उसका आपके जीवन में क्या अर्थ है, यह जानना बहुत जरूरी है। तभी आपका प्रयास सही दिशा पा सकेगा। किसी का जीवन परिवार की अच्छी देखभाल करने में सार्थकता पाता है, किसी का ज्ञान अर्जित करने में।

जीवन का मूल्य केवल उपलब्धि के आकार से तय नहीं होता, बल्कि इस बात से भी तय होता है कि आपने अपनी क्षमताओं का उपयोग किस तरह से किया। आपके भीतर अपार संभावनाएं छिपी हो सकती हैं, पर उनका कोई मूल्य नहीं, जब तक कि आप उन्हें कर्मों से हकीकत में नहीं बदलते। माचिस की तीली में आग पैदा करने की क्षमता होती है, लेकिन वह तभी जलती है, जब उसे रगड़ा जाता है। सफलता केवल सपने देखने से नहीं मिलती, बल्कि उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास और सही दिशा की जरूरत होती है।

अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेट्स की जीत: भारत के लिए नई कूटनीतिक चुनौती?

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका के हालिया मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की शानदार वापसी केवल अमेरिकी राजनीति में सत्ता संतुलन बदलने की घटना नहीं है, बल्कि इसका असर वैश्विक राजनीति, आर्थिक नीतियों और भारत-अमेरिका संबंधों पर भी पड़ सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को दोनों सदनों में झटका देकर डेमोक्रेट्स ने अमेरिकी राजनीति में अपनी ताकत का अहसास कराया है। ऐसे में भारत के लिए यह समझना जरूरी है कि इस राजनीतिक बदलाव को किस नजरिये से देखा जाए और इससे भारत को क्या लाभ या चुनौतियां मिल सकती हैं।

अमेरिका के 3 नवंबर 2026 को हुए मध्यावधि चुनावों के नतीजे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के प्रति जनता की नाराजगी का संकेत हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट, दोनों में बहुमत हासिल कर रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका दिया है। टेक्सास, जॉर्जिया, ओहायो और आयोवा जैसे राज्यों में डेमोक्रेट्स की जीत ने इस परिणाम को और महत्वपूर्ण बना दिया है। चुनावी नतीजों के पीछे महंगाई, जीवन यापन की बढ़ती लागत, ईरान के साथ युद्ध और सरकार के कामकाज को लेकर मतदाताओं की असंतुष्टि प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें राष्ट्रपति का चुनाव नहीं होता, बल्कि संसद के दोनों सदनों और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों का चुनाव होता है। इसलिए डेमोक्रेट्स की जीत का अर्थ ट्रंप की राष्ट्रपति पद से विदाई नहीं है, लेकिन अब उनके लिए अपनी नीतियों को बिना राजनीतिक विरोध के लागू करना आसान नहीं रहेगा। अमेरिकी लोकतंत्र की यही खूबी है कि वहां सत्ता में बैठी सरकार को भी जनता के फैसले और संसद की निगरानी का सामना करना पड़ता है।

भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है यह बदलाव? भारत को इस चुनावी नतीजे को किसी एक राजनीतिक दल की हार या जीत के चश्मे से देखने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के नजरिये से समझना होगा। अमेरिका के साथ भारत के संबंध पिछले दो दशकों में लगातार मजबूत हुए हैं। राष्ट्रपति जॉर्ज बुश से लेकर बराक ओबामा, डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन तक, अलग अलग राजनीतिक विचारधाराओं वाली सरकारों ने भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाया है। अमेरिकी कांग्रेस में भी भारत के साथ संबंधों को लेकर व्यापक द्विदलीय समर्थन रहा है। इसलिए डेमोक्रेट्स की जीत से भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा पूरी तरह बदल जाएगी, ऐसा मानना जल्दबाजी होगी।

हालांकि, इस बदलाव से भारत को कुछ नए अवसर जरूर मिल सकते हैं। पहला अवसर व्यापार और आर्थिक सहयोग का है। पिछले कुछ समय से राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ नीति भारत और अमेरिका के बीच तनाव का कारण बनी हुई थी। भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने और व्यापारिक शर्तों को लेकर दबाव बनाने की नीति ने भारतीय निर्यातकों की चिंताएं बढ़ाई थीं। अब कांग्रेस में डेमोक्रेट्स के मजबूत होने से व्यापारिक नीतियों पर अधिक बहस और समीक्षा की संभावना है। इससे भारत को अमेरिकी बाजार में अपने उत्पादों के लिए बेहतर अवसर तलाशने का मौका मिल सकता है। हालांकि, यह उम्मीद करना उचित नहीं होगा कि डेमोक्रेट्स सत्ता में आते ही भारत के प्रति सभी व्यापारिक प्रतिबंध समाप्त कर देंगे।दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र रक्षा और सामरिक सहयोग है। चीन की बढ़ती सैन्य और आर्थिक ताकत अमेरिका के लिए भी चिंता का विषय है और भारत के लिए भी। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। क्वाड के माध्यम से भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया पहले ही क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग के मुद्दों पर साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिकी संसद में डेमोक्रेट्स का प्रभाव बढ़ने से भारत के साथ रक्षा तकनीक, समुद्री सुरक्षा, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और आधुनिक सैन्य उपकरणों के क्षेत्र में सहयोग को नई गति मिल सकती है।

तीसरा बड़ा क्षेत्र भारतीय पेशेवरों और विद्यार्थियों का है। अमेरिका में लाखों भारतीय मूल के लोग रहते हैं और बड़ी संख्या में भारतीय युवा उच्च शिक्षा तथा रोजगार के लिए वहां जाते हैं। एच-1बी वीजा, स्थायी निवास और आव्रजन नीतियां भारतीय समुदाय के लिए हमेशा महत्वपूर्ण रही हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी सामान्यत: आव्रजन सुधारों और कुशल विदेशी पेशेवरों के लिए अवसर बढ़ाने की पक्षधर रही है। इसलिए अमेरिकी संसद में उसकी मजबूती से भारतीय आईटी पेशेवरों, विद्यार्थियों और कुशल कामगारों के हितों पर सकारात्मक चर्चा की संभावना बढ़ सकती है। लेकिन वीजा नीति में वास्तविक बदलाव के लिए राष्ट्रपति प्रशासन और संसद के बीच सहमति जरूरी होगी।

भारत को इस चुनावी परिणाम का एक दूसरा पहलू भी ध्यान में रखना होगा। डेमोक्रेटिक पार्टी की राजनीति में मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े मुद्दों को अपेक्षाकृत अधिक महत्व दिया जाता है। अतीत में डेमोक्रेटिक नेताओं और सांसदों के कुछ बयानों में भारत की आंतरिक परिस्थितियों पर सवाल उठाए गए हैं। इसलिए यह संभव है कि अमेरिकी कांग्रेस में भारत से जुड़े ऐसे मुद्दों पर चर्चा और दबाव बढ़े। भारत को अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती के साथ इन सवालों का तथ्यपरक जवाब देना होगा। पाकिस्तान के मामले में भी भारत को सतर्क रहने की आवश्यकता है। अमेरिका की विदेश नीति में पाकिस्तान का सामरिक महत्व समय-समय पर बदलता रहा है।

इस चुनाव का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यह है कि अमेरिका की जनता ने राष्ट्रपति की शक्तियों पर संसदीय निगरानी और संतुलन की आवश्यकता को महत्व दिया है। अब ट्रंप प्रशासन को बजट, कानून, नियुक्तियों और कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसलों में डेमोक्रेट्स के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी कांग्रेस की जांच-पड़ताल और निगरानी भी बढ़ेगी। इससे ट्रंप की एकतरफा फैसले लेने की क्षमता सीमित हो सकती है। लेकिन भारत को यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका की विदेश नीति केवल राष्ट्रपति या किसी एक राजनीतिक दल की इच्छा से संचालित नहीं होती। वहां राष्ट्रीय सुरक्षा, चीन के प्रति रणनीति, रक्षा उद्योग और वैश्विक आर्थिक हितों जैसे मुद्दों पर दोनों दलों के बीच कई समानताएं भी हैं। इसलिए डेमोक्रेट्स की जीत को भारत के लिए किसी चमत्कार की तरह देखना उचित नहीं होगा।भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता होनी चाहिए। उसे अमेरिका के साथ संबंध मजबूत रखने के साथ रूस, यूरोप, जापान और अन्य देशों के साथ भी अपने हितों के अनुरूप सहयोग जारी रखना होगा। किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता भारत की वैश्विक भूमिका को सीमित कर सकती है। भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते, रक्षा तकनीक, ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में अपने हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए। दरअसल, अमेरिकी चुनाव का असली संदेश भारत के लिए अवसरों से अधिक कूटनीतिक समझदारी का है। डेमोक्रेट्स की जीत से ट्रंप प्रशासन पर अंकुश लगेगा, लेकिन भारत के लिए असली सफलता इस बात में होगी कि वह बदलते अमेरिकी राजनीतिक समीकरणों के बीच अपने आर्थिक और सामरिक हितों को कितनी मजबूती से सुरक्षित रखता है। भारत को न तो रिपब्लिकन जीत पर जरूरत से ज्यादा उत्साहित होना चाहिए और न ही डेमोक्रेटिक जीत से आशंकित। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में स्थायी मित्रता से अधिक स्थायी राष्ट्रीय हित होते हैं। भारत की विदेश नीति का आधार भी यही होना चाहिए कि वाशिंगटन में सत्ता किसी की भी हो, भारत के राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहें।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।
</transc

हारते ही भारत पर टूट पड़े ट्रंप, 9 कंपनियों को हिला डाला

नई दिल्ली

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप भी ट्रंप चुनाव के हारे इस कदर बौखला गए हैं। ना सिर्फ अपने दुश्मन देशों की कमर तोड़ने का काम कर रहे हैं बल्कि ताबड़तोड़ तरीके से एक्शन भी ले रहे हैं। इसी कड़ी में डोनाल्ड ट्रंप ने सीधे तौर पर भारत से पंगा लेने की कोशिश कर दी है। भारत के खिलाफ डोनाल्ड ट्रंप की सरकार टूट पड़ी है और खबर यह आ रही है कि डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने भारत की नौ कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसके साथ ही एक व्यापारी और उसकी पत्नी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है और गंभीर आरोप ईरान से व्यापार करने को लेकर लगाए गए हैं। ट्रंप जैसे ही चुनाव हारे वैसे ना सिर्फ ईरान पर ताबड़तोड़ कारवाई शुरू की बल्कि भारत के खिलाफ भी शिकंजा कसना डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से शुरू कर दिया गया है। हालांकि भारत से पंगा लेना डोनाल्ड ट्रंप को और ज्यादा महंगा पड़ सकता है।



डोनाल्ड ट्रंप जानते हैं कि जब-जब उन्होंने भारत की तरफ आंख उठाने की कोशिश की है। भारत को नीचा गिराने या भारत को ठुकराने की कोशिश की है। तब-तब डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका को ही भारी नुकसान उठाना पड़ा है और खुद घुटनों के बल डोनाल्ड ट्रंप भारत के आगे सामने रिश्तों को सही करने के लिए आए हैं। अब ऐसे में मिड टर्म चुनाव में करारी हार के बाद डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर एक्शन लिया गया।

अमेरिकी वित्त विभाग ने एक भारतीय व्यवसायी, उनकी पत्नी और भारत में स्थित नौ व्यावसायिक कंपनियों पर सीधे प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन सभी पर आरोप है कि इन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की अनदेखी करते हुए, ईरान को कच्चे तेल का अवैध निर्यात करने और समुद्री व्यापार जारी रखने में मदद की है। अमेरिकी प्रशासन ने इसे एक संगठित और बड़े समुद्री आपराधिक नेटवर्क का नाम दिया है। सुनील कुमार शर्मा और उनकी पत्नी पर इस नेटवर्क को चलाने का आरोप है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारतीय व्यवसायी सुनील कुमार शर्मा और उनकी पत्नी जसप्रीत प्रीति शाहिद को इस अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी नेटवर्क का मुख्य संचालक और मास्टरमाइंड बताया गया है। जांच एजेंसियों का आरोप है कि इस दंपति ने तेल टैंकरों और जहाजों के लिए समुद्री पंजीकरण (मैरीटाइम रजिस्ट्रेशन) और फर्जी %फ्लैग रजिस्ट्री% से जुड़े जाली दस्तावेज और प्रमाण पत्र तैयार किए थे। इसका मुख्य उद्देश्य यह था कि ईरानी तेल ले जाने वाले जहाज समुद्री नियमों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचते हुए, बिना किसी रुकावट के वैश्विक जलक्षेत्र में अपना काम जारी रख सकें।

ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट के तहत कार्रवाई, जिसका मकसद ईरान की आर्थिक रीढ़ तोड़ना है। यह कड़ा कदम अमेरिकी सरकार के एक विशेष अभियान ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट के तहत उठाया गया है। अमेरिकी प्रशासन का स्पष्ट रणनीतिक उद्देश्य ईरान के पेट्रोलियम निर्यात और उससे जुड़ी वित्तीय गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाना है, ताकि तेहरान को तेल की बिक्री से होने वाली भारी कमाई से वंचित किया जा सके। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जो भी वैश्विक नेटवर्क फर्जी पहचान और शेल कंपनियों के जरिए अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार नियमों का उल्लंघन करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। भारत स्थित 9 कंपनियों पर प्रतिबंधों का उनके कारोबार पर सीधा असर पड़ा है। इन कंपनियों को अमेरिकी अधिकार क्षेत्र में किसी भी तरह के वित्तीय लेनदेन, संपत्ति को फ्रीज करने और किसी भी प्रकार के व्यावसायिक सौदे करने से पूरी तरह रोक दिया गया है।

अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण, इन कंपनियों और ऑपरेटरों के साथ लेनदेन करने वाले अंतरराष्ट्रीय बैंकों और समुद्री बीमा कंपनियों पर भी सेकेंडरी प्रतिबंधों का खतरा मंडरा रहा है। इस कड़े कदम ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग उद्योग और तेल व्यापार से जुड़े भारतीय कारोबारी जगत में खलबली मचा दी है।

अग्निवीर योजना में बार-बार बदलाव युवाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ : सुरजेवाला

नयी दिल्ली,(वार्ता)

कांग्रेस पार्टी के महासचिव और सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने अग्निवीर योजना में केंद्र सरकार द्वारा किए गए बदलावों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार देश की सेवा के लिए सेना में भर्ती होने की इच्छा रखने वाले युवाओं के भविष्य के साथ बार-बार खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना में चौथी बार बदलाव कर सरकार ने युवाओं के बीच भ्रम और अनिश्चितता की स्थिति पैदा कर दी है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी चिंताजनक है।श्री सुरजेवाला ने कहा कि जो सरकार सेना में भर्ती को लेकर स्पष्ट और स्थायी निर्णय नहीं ले सकती, उससे राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की उम्मीद कैसे की जा सकती है। उन्होंने दावा किया कि एक ओर चीन ने पूर्वी लद्दाख में भारत की करीब 1,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर रखा है, वहीं



दूसरी ओर आईटीबीपी के महानिदेशक ने अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सेना के साथ टकराव की बात कही है। उन्होंने कहा कि इस समय तीनों सेनाओं में 1.55 लाख से अधिक पद खाली हैं, जबकि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल , केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस सहित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में भी एक लाख से ज्यादा पद रिक्त हैं। यह स्थिति राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे की घंटी है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने वर्ष 2021 से नियमित सैन्य भर्ती रोककर चार साल की अग्निवीर भर्ती शुरू की। विरोध बढ़ने पर 25 प्रतिशत अग्निवीरों को नियमित करने और राज्य सरकारों की भर्तियों में प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया गया। अब मंत्रिमंडल ने चार साल की सेवा में दो साल का विस्तार करने का फैसला किया है और इसके बाद नियमित भर्ती पर विचार की बात कही जा रही है। श्री सुरजेवाला ने कहा कि चार या छह साल की सेवा के बाद नियमित नियुक्ति मिलेगी या नहीं, इस अनिश्चितता में जवानों को रखना उनके मनोबल के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने सवाल किया कि भविष्य को लेकर लगातार असमंजस में रहने वाले युवा पूरी एकाग्रता और समर्पण के साथ देश की सेवा कैसे कर पाएंगे।उन्होंने मांग की कि अग्निवीर की अस्थायी भर्ती व्यवस्था बंद कर सेना में नियमित भर्ती बहाल की जाए। साथ ही मोदी सरकार को बड़े-बड़े दावों और लच्छेदार शब्दों के बजाय युवाओं तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में ठोस और स्थायी फैसले लेने चाहिए।

लोकतंत्र को अराजकता और अस्थिरता की आग में झोंकने का हो रहा प्रयास : योगी

लखनऊ,(वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता लगातार उन्हें नकार रही है, इसके बावजूद विपक्षी दल भारत के महान लोकतंत्र को अराजकता, अस्थिरता और अव्यवस्था की आग में झोंकने का प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को कहा कि लोकतंत्र जनता के विश्वास, संवैधानिक मर्यादाओं और जनादेश के सम्मान पर आधारित देश की राष्ट्रीय शक्ति है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास और उसकी सक्रिय भागीदारी ही सबसे बड़ी ताकत है। योगी आदित्यनाथ



ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा, संवैधानिक मर्यादाओं के सम्मान और जनादेश की सर्वोच्चता का संदेश लेकर वह आज गाजियाबाद में आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा में शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और देश के लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और उसका इंडी गठबंधन जनता के बीच लगातार नकारे जा रहे हैं। इसके बावजूद उनके कृत्य लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक मर्यादाओं के प्रति उनकी सोच को उजागर करते हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र की सर्वोच्चता जनता के जनादेश में निहित है और इसका सम्मान हर राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है।उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए जनभागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं।

अमृतसर में हथियार, विस्फोटक और नशा तस्करी के नेटवर्क का भंडाफोड़, 16 आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर, (वार्ता)। पंजाब में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने अवैध हथियारों, विस्फोटकों और नशा तस्करी के कई नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच अवैध पिस्तौल, दो अत्याधुनिक उजी गन, दो हैंड ग्रेनेड, 34 किलोग्राम हेरोइन और 26 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस सूत्रों ने गोलीबारी की तीन घटनाओं को भी सुलझाने का दावा किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी विदेश में बैठे अपने आकाओं के संपर्क में थे। ये लोग आपराधिक तत्वों तक अवैध हथियारों को पहुंचाने का काम करते थे। इस संबंध में अमृतसर के घरिंडा, ब्यास, मेहता, लोपोके और छेहरटा थानों में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

विपक्ष के राजनीतिक पैंतरे काम आने वाले नहीं, जनता मोदी-योगी के साथ : कंगना रनौत

प्रयागराज, (वार्ता)

भाजप सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने विपक्ष के लोकतंत्र बचाओ अभियान पर निशाना साधते हुए कहा कि इस तरह के राजनीतिक पैंतरे काम आने वाले नहीं हैं। जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ खड़ी है। विपक्ष के नेता मॉक पार्लियामेंट में ही अपने सपने पूरे कर सकते हैं, वास्तविक संसद में उनके सपने पूरे होने वाले नहीं हैं। प्रयागराज में बुधवार को एक स्टोर के उद्घाटन समारोह में पहुंचीं कंगना रनौत ने पत्रकारों से बातचीत में शहर के विकास और बड़े ब्रांडों की बढ़ती मौजूदगी पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रयागराज पवित्र



और धार्मिक महत्व वाला शहर है। यहां स्टोर का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया, जो सफल रहा।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज जैसे शहर में अब ऐसे बड़े और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्रांड भी पहुंच रहे हैं, जिनकी पहचान दुनियाभर में है। यह इस बात का संकेत है कि शहर तेजी से बड़े कारोबारी केंद्र के रूप में उभर रहा है।

कंगना ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से भी प्रयागराज का महत्व लगातार बढ़ रहा है। देशी और विदेशी पर्यटकों के आने से शहर में बड़े ब्रांडों और कारोबार के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। भाजपा की ओर से प्रयागराज में निकाली गई %लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ% यात्रा और राहुल गांधी के लोकतंत्र बचाने संबंधी बयान पर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि ये राजनीतिक पैंतरे काम आने वाले नहीं हैं। जनता मोदी और योगी के साथ है। विपक्ष के नेता मॉक पार्लियामेंट में ही अपने सपने पूरे कर सकते हैं, वास्तविक संसद में उनके सपने पूरे नहीं होने वाले हैं।

चावड़ी बाजार में इमारत गिरने की घटना की वजह अवैध वसूली : आप

नयी दिल्ली, (वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार सुबह चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के सामने गली शहतारा में तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत गिरने की घटना को लेकर भाजपा सरकार और नगर निगम पर निशाना साधा है। आप के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली में अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय सरकारी विभागों में खुलेआम रिश्वतखोरी हो रही है। सुरक्षा ऑडिट के नाम पर सिर्फ अवैध वसूली की जा रही है, जिसके चलते राजधानी में लगातार इमारतें गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि रिश्वत देने वालों की इमारतें छोड़ दी जाती हैं, जबकि पैसे नहीं देने वालों की इमारतों को सील कर दिया जाता है।

छत्तीसगढ़ में चक्रवाती तूफान मुरासु के चलते आठ जिलों में येलो अलर्ट जारी

रायपुर, (वार्ता)। छत्तीसगढ़ में चक्रवाती तूफान मुरासु के कारण गुरुवार को प्रदेश के आठ जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, अगले 24 घंटे के बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट के संकेत मिलने से प्रदेश में ठंड का असर बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार धमतरी, गरियाबंद, बस्तर, कोंडागांव, नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना है। विशेष रूप से दक्षिणी छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। मौसम की मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए इन जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने आगामी 24 घंटे के बाद प्रदेश के न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने का अनुमान व्यक्त किया है। तापमान में संभावित कमी के कारण सुबह और रात के समय ठंड का प्रभाव बढ़ सकता है।इस बीच, बीते 24 घंटों के दौरान छत्तीसगढ़ के विभिन्न हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। दक्षिणी क्षेत्र के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा भी हुई। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, सर्वाधिक 80 मिमी बारिश पखांजूर में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा सुकमा में सात सेमी और कोंटा में पांच सेमी वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग ने बताया कि पूर्वी तेलंगाना और उससे सटे तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर बना स्पष्ट कम दबाव का क्षेत्र चार नवंबर को दोपहर 2:30 बजे तक सक्रिय था। यह मौसमी प्रणाली चक्रवाती तूफान मुरासु के कमजोर पड़ने के बाद बचा हुआ हिस्सा है।

पेंटागन अधिकारी का बड़ा बयान

ड्रोन के मामले में अमेरिका से काफी आगे यूक्रेन, रूस युद्ध ने खोल दी हमारी आंखें

वॉशिंगटन

पेंटागन के टेक्नोलॉजी चीफ एमिल माइकल ने कहा है कि अमेरिका आधुनिक ड्रोन युद्ध के उभार के लिए तैयार नहीं था। उन्होंने यह भी माना कि यूक्रेन को युद्ध के मैदान में अपनी जरूरत की कुछ तकनीकें खुद विकसित करनी पड़ीं, क्योंकि अमेरिका उन्हें उपलब्ध नहीं करा सका। वॉल स्ट्रीट जनर्ल टेक कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए माइकल ने कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष ने अमेरिका की सैन्य तैयारियों में बड़ी कमियों को उजागर कर दिया है, जिसके बाद देश की ड्रोन क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयासों में तेजी आई है। कैलिफोर्निया के नापा में एक कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए माइकल ने कहा कि पेंटागन को इस बात का अंदाजा नहीं था कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन कितने अहम हो जाएंगे। उन्होंने कहा, यूक्रेन और रूस के बीच ड्रोन युद्ध ने हमें पूरी तरह से चौंका दिया। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका इसके लिए तैयार नहीं था क्योंकि उसने कभी ऐसा सोचा ही नहीं था।

उन्होंने बताया कि रक्षा विभाग अब भविष्य के संघर्षों की तैयारी पर ध्यान दे रहा है और यह समझने की कोशिश कर रहा है कि युद्ध का स्वरूप कैसे बदल सकता है। माइकल ने माना कि हालांकि अमेरिका ने रूस के साथ युद्ध के दौरान यूक्रेन को काफी मदद दी, लेकिन यूक्रेनी सेना को अक्सर युद्ध के मैदान में खुद ही अपने समाधान खोजने पड़े।

उन्होंने कहा, हमने यूक्रेन की बहुत मदद की, लेकिन उन्हें जिस चीज की ज़रूरत थी उसे उन्होंने खुद ही ईजाद कर लिया क्योंकि



हमारे पास वह मौजूद नहीं थी।

माइकल ने बताया कि पिछली अमेरिकी सरकार के कार्यकाल में लगभग 1,000 ड्रोन बनाए गए थे, जबकि अब उनके पास करीब 500,000 ड्रोन का भंडार है। यह संख्या उस 80 से 100 लाख (8 से 10 मिलियन) ड्रोन के मुकाबले बहुत कम है, जिन्हें यूक्रेन इस साल बनाने का अनुमान लगा रहा है। रूस के साथ यूक्रेन का युद्ध अब अपने पांचवें साल में प्रवेश कर रहा है। माइकल ने बताया कि रक्षा विभाग के प्रोजेक्ट मेरिडियन को यह जांचने का काम सौंपा गया है कि भविष्य में युद्ध किस तरह के हो सकते हैं, जिसमें जमीन के नीचे और अंतरिक्ष में होने वाले संभावित संघर्ष भी शामिल हैं। इस पहल में स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी एलन मस्क और एंडुरिल इंडस्ट्रीज के संस्थापक पामर लकी जैसी उद्योग जगत की हस्तियां शामिल हैं।भले ही पेंटागन सस्ते और स्वायत्त सिस्टम की ओर बढ़ रहा है, लेकिन माइकल का कहना है कि युद्ध में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल को लेकर सेना अभी भी काफी सतर्क है।

उन्होंने बताया कि लक्ष्य तय करने की प्रक्रिया आज भी एआई के बजाय खुफिया रिपोर्टों, सैटेलाइट तस्वीरों और इंसानों द्वारा की गई जांच पर ज्यादा निर्भर है। उन्होंने यह भी कहा कि एआई के जरिए लक्ष्य तय करने के मामले में अमेरिका अभी बहुत उन्नत नहीं है।

माइकल ने पिछले साल फरवरी में ईरान में हुए अमेरिकी हमले पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इस हमले में एक लड़कियों का स्कूल निशाना बन गया था, जिसे अमेरिका ने गलती से सैन्य ठिकाना समझ लिया था। इस घटना में दर्जनों बच्चों समेत 100 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

अमेरिका ने अपनी जांच के नतीजे जारी नहीं किए हैं और इस हमले की योजना में एआई टारगेटिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया गया था। माइकल ने कहा कि हर स्तर पर इंसानी समझ और सही फैसले की जरूरत होनी चाहिए।माइकल ने एआई कंपनी एन्थ्रोपिक की अपनी आलोचना को भी दोहराया। रक्षा विभाग ने पहले ही इस कंपनी को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया था। उन्होंने कहा कि पेंटागन के लिए एन्थ्रोपिक के मॉडल का इस्तेमाल बंद करना कोई मुश्किल काम नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि रक्षा विभाग अपने नेटवर्क पर गूगल, ओपनएआई और ग्रोक के एआई मॉडल का इस्तेमाल करना जारी रखे हुए है। वैश्विक एआई दौड़ पर माइकल का तर्क है कि अमेरिका को चीन पर बढ़त हासिल है, क्योंकि उसके पास एडवांस्ड सेमीकंडक्टर और डेटा-सेंटर की बड़ी क्षमता मौजूद है। माइकल के अनुसार, एआई के विकास में बीजिंग, अमेरिका से लगभग छह महीने से एक साल पीछे है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच मुकाबला काफी कड़ा है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

धनतेरस सकारात्मकता और समृद्धि के स्वागत का पर्व: अक्षय म्हात्रे



अनमोल टीवी के धारावाहिक %हमारी राधा% में गिरधर की भूमिका निभा रहे अभिनेता अक्षय म्हात्रे ने धनतेरस के महत्व और इसे मनाने के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह त्योहार केवल सोना-चांदी खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन में सकारात्मकता, खुशहाली और समृद्धि का स्वागत करने का अवसर भी है।दिवाली के प्रमुख त्योहारों में शामिल धनतेरस के अवसर पर अक्षय ने कहा कि यह पर्व दीपावली की शुभ शुरुआत का प्रतीक है। इस दिन लोग सोना, चांदी या अन्य शुभ वस्तुएं खरीदकर घर लाते हैं और सुख-समृद्धि तथा सौभाग्य के लिए पूजा-अर्चना करते हैं। अक्षय म्हात्रे ने कहा, धनतेरस मेरे लिए बेहद खास है। मेरा मानना है कि यह त्योहार सिर्फ सोना खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने जीवन में सकारात्मकता और खुशहाली का स्वागत करने का अवसर भी है। घर में लाई गई वस्तु से जुड़ी भावना और विश्वास सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। इस त्योहार के साथ उत्साह, रौनक और अपनों से मिलने-जुलने की खुशियां शुरू हो जाती हैं। उन्होंने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कामना की कि सबके जीवन में खुशियां, अच्छी सेहत और समृद्धि आए तथा मां लक्ष्मी का आशीर्वाद बना रहे।

बचपन की पारंपरिक दिवाली को याद करती हैं अभिनेत्री सिमरन कौर



अनमोल टीवी के धारावाहिक हमारी राधा में मुख्य भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री सिमरन कौर ने दिवाली से जुड़ी अपने बचपन की यादें साझा करते हुए कहा कि परिवार और पड़ोसियों के साथ पारंपरिक तरीके से त्योहार मनाने का अपनापन आज भी उन्हें याद आता है।दिवाली भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इस अवसर पर पूजा-पाठ, पकवान, नए कपड़े और पारिवारिक परंपराओं का विशेष महत्व होता है। हमारी राधा में राधा का किरदार निभा रहीं सिमरन कौर इन दिनों धारावाहिक में रिश्तों के बदलते समीकरणों के बीच संघर्ष करती नजर आ रही हैं। पति गिरधर के धोखे से आहत राधा अब अपने लिए खड़े होने और उसे वापस पाने की कोशिश कर रही है। ऐसे में दर्शकों के मन में यह सवाल है कि क्या इस दिवाली राधा को अपने पति के साथ त्योहार मनाने का अवसर मिलेगा। अपने बचपन की यादें साझा करते हुए सिमरन कौर ने बताया कि उनकी मां और मौसियां दिवाली से कई दिन पहले ही गुजिया और चकली बनाने की तैयारियां शुरू कर देती थीं। पूरा मोहल्ला मिलकर त्योहार के पकवान तैयार करता था। लक्ष्मी पूजा, रिश्तेदारों के घर जाना, बड़ों का आशीर्वाद लेना और उनसे शगुन मिलना उनके लिए दिवाली के सबसे खास पल हुआ करते थे।



पति गौरव कपूर के साथ पहली बार न्यूजीलैंड पहुंचीं कृतिका कामरा, क्राइस्टचर्च में मनाया जन्मदिन

अभिनेत्री कृतिका कामरा हाल ही में अपने पति गौरव कपूर के साथ न्यूजीलैंड पहुंचीं, जहां उन्होंने क्राइस्टचर्च में टी20 क्रिकेट मैच के रोमांच के बीच अपना जन्मदिन मनाया। यह कृतिका की न्यूजीलैंड की पहली यात्रा थी। गौरव कपूर अपने क्रिकेट संबंधी कार्य के सिलसिले में न्यूजीलैंड गए थे। इस दौरान कृतिका ने भी उनके साथ समय बिताया और पहली बार इस खूबसूरत देश को करीब से देखने का अवसर मिला। कृतिका ने अपने न्यूजीलैंड दौरे की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। इनमें उन्होंने वहां के सुहावने मौसम, खूबसूरत नजारों और यात्रा के खास पलों की झलक दिखाई है। उन्होंने उस स्टूडियो की तस्वीरें भी साझा कीं, जहां से क्रिकेट की लाइव कमेंट्री की जाती है। इस दौरान वह पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री के साथ भी नजर आईं। इसके अलावा उन्हें टी20 मैच का रोमांच करीब से देखने का मौका मिला।

इस यात्रा को कृतिका के लिए और खास बनाने वाला अवसर उनका जन्मदिन रहा, जिसे उन्होंने क्राइस्टचर्च में मनाया। संयोग से उसी दिन वहां टी20 मुकाबला भी खेला जा रहा था। गौरव अपने पेशेवर काम में व्यस्त रहे, वहीं दोनों ने इस यात्रा के दौरान एक-दूसरे के साथ समय बिताया और नए देश के अनुभव साझा किए।

किंग 100 से तब्बू की पहली झलक जारी, दमदार राजनीतिक किरदार में आएंगी नजर

बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू के जन्मदिन के अवसर पर उनकी आगामी फिल्म किंग100 से उनके किरदार महान्थी झांसी रानी की पहली झलक जारी की गई है। नागार्जुन अक्किनेनी अभिनीत इस फिल्म में तब्बू महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आएंगी। आर.ए. कार्तिक के लेखन और निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण अन्नपूर्णा स्टूडियोज ने किया है। जारी झलक में तब्बू शपथ लेती नजर आ रही हैं। उनका दमदार अंदाज और गंभीर व्यक्तित्व उनके किरदार की राजनीतिक ताकत, प्रभाव और महत्व को दर्शाता है। फिल्म में तब्बू महान्थी झांसी रानी नामक एक प्रभावशाली राजनीतिक किरदार निभा रही हैं। उनकी पहली झलक से किरदार की दृढ़ता, आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा की झलक मिलती है। फिल्म का संगीत देवी श्री प्रसाद ने तैयार किया है, जबकि राजा महादेवन ने सिनेमैटोग्राफी, नवीन नूली ने संपादन और सतीश कुमार एन. ने प्रोडक्शन डिजाइन की जिम्मेदारी संभाली है। किंग100 24 दिसंबर, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



युवाओं के सामर्थ्य से संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं, स्वामी विवेकानंद को आदर्श मानकर करें कार्य : मीना बिसेन

भाजयुमो के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष योगेश शिवहरे एवं जिला महामंत्री अंकित सिंह ठाकुर का भव्य स्वागत-अभिनंदन; धूमा से सिवनी तक उमड़ा युवाओं का उत्साह, जगह-जगह पुष्पवर्षा, आतिशबाजी, बैंड और पारंपरिक नृत्य दलों से हुआ आत्मीय स्वागत

सिवनी, स्वतंत्र मत। भारतीय जनता युवा मोर्चा केवल भाजपा का एक आनुषांगिक संगठन नहीं, बल्कि युवाओं की ऊर्जा, सामर्थ्य और संगठनात्मक क्षमता को राष्ट्र एवं समाज के निर्माण में लगाने का महत्वपूर्ण मंच है। युवा मोर्चा के माध्यम से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में नवनियुक्त पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श मानकर युवाओं को सकारात्मक दिशा दें और अपने कार्यों से संगठन की उत्कृष्टता को समाज के सामने प्रदर्शित करें। यह अपेक्षा नवनियुक्त युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष योगेश शिवहरे एवं जिला महामंत्री अंकित सिंह ठाकुर से है। उक्त विचार भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन ने जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

श्रीमती बिसेन ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन ने उन्हें महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। यह दायित्व केवल पद प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि युवाओं को जोडने, उनमें संगठनात्मक संस्कार विकसित करने और पार्टी की विचारधारा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने की जिम्मेदारी है। युवा मोर्चा अपनी सक्रियता, अनुशासन और रचनात्मक गतिविधियों से संगठन की ताकत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाए, यही अपेक्षा है।





सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने भी किया नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का अभिनंदन

मंडला सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते भी सिवनी नगर में आयोजित विभिन्न स्वागत समारोहों में शामिल हुए। उन्होंने भाजयुमो के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष योगेश शिवहरे एवं जिला महामंत्री अंकित सिंह ठाकुर का आत्मीय अभिनंदन करते हुए उन्हें नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री कुलस्ते ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि युवा शक्ति भाजपा संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। योगेश शिवहरे के नेतृत्व में युवा मोर्चा संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाते हुए युवाओं को जोडने और जनसेवा के कार्यों में नई ऊर्जा के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, ऐसा विश्वास है।

धूमा से सिवनी तक स्वागत का सिलसिला, सात घंटे में पूरी हुई अभिनंदन यात्रा

भाजयुमो के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष योगेश शिवहरे एवं जिला महामंत्री अंकित सिंह ठाकुर के स्वागत में बुधवार को पूरे जिले में अभूतपूर्व उत्साह दिखाई दिया। स्वागत यात्रा का शुभारंभ धूमा से हुआ। यहां स्वर्ण श्रीराम मंदिर बंजारी में दर्शन-पूजन के पश्चात धूमा मंडल के कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया।

इसके बाद लखनादौन, बंजारी, छपारा, बंडोल एवं राहीवाड़ा सहित विभिन्न स्थानों पर भाजपा मंडलों, युवा मोर्चा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाओं, पुष्पवर्षा एवं आतिशबाजी के साथ अभिनंदन किया। स्वागत के लिए उमड़े कार्यकर्ताओं के उत्साह और जगह-जगह आयोजित स्वागत कार्यक्रमों के कारण दोपहर लगभग दो बजे सिवनी पहुंचने वाली अभिनंदन यात्रा शाम करीब सात बजे जिला भाजपा कार्यालय पहुंची।

सिवनी नगर में प्रवेश के बाद भी स्वागत का सिलसिला थमा नहीं। नगर के प्रमुख स्थानों और चौराहों पर भाजपा मंडलों, विभिन्न मोर्चों तथा युवा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। स्थानीय पारंपरिक नृत्य दलों, बैंड पार्टियों और रंगीन आतिशबाजी ने स्वागत यात्रा को उत्सवमय बना दिया। पूरे मार्ग में युवाओं का जोश और संगठन के प्रति उत्साह देखते ही बन रहा था।

जिला भाजपा कार्यालय में हुआ मुख्य समारोह, वरिष्ठ नेतृत्व ने दिया मार्गदर्शन

जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित मुख्य समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व, जनप्रतिनिधियों, जिला एवं मंडल पदाधिकारियों तथा बड़ी संख्या में युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थिति रही। यहां नवनियुक्त जिलाध्यक्ष योगेश शिवहरे एवं जिला महामंत्री अंकित सिंह ठाकुर का पुष्पमालाओं और आत्मीय अभिनंदन के साथ स्वागत किया गया। समारोह में उपस्थित वरिष्ठ नेताओं ने नए दायित्वों के लिए शुभकामनाएं देते हुए अपेक्षा व्यक्त की कि युवा मोर्चा संगठन की विचारधारा, कार्यक्रमों और जनसेवा के कार्यों को युवाओं के बीच प्रभावी ढंग से पहुंचाएगा। वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन में युवा मोर्चा की आगामी संगठनात्मक गतिविधियों, युवाओं की सहभागिता और संगठन विस्तार को लेकर भी अपेक्षाएं व्यक्त की गईं।

संगठन ने जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा - योगेश शिवहरे

नवनियुक्त भाजयुमो जिलाध्यक्ष योगेश शिवहरे ने अपने संबोधन में प्रदेश नेतृत्व एवं जिला संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और जिला संगठन ने उन पर जो विश्वास जताते हुए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का वे पूरी निष्ठा से प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि संगठन के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन और युवा कार्यकर्ताओं के सहयोग से युवा मोर्चा को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। संगठन की विचारधारा को युवाओं तक पहुंचाने, नए कार्यकर्ताओं को जोडने और पार्टी के कार्यक्रमों को सक्रियता से आगे बढ़ाने के लिए पूरी टीम के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा।

युवराज रांगडाले ने नए नेतृत्व से जताई दोगुनी ताकत से काम करने की अपेक्षा

युवा मोर्चा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष एवं वर्तमान सिवनी नगर उत्तर मंडल अध्यक्ष युवराज सिंह रांगडाले ने दायित्व परिवर्तन के अवसर पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष योगेश शिवहरे एवं जिला महामंत्री अंकित सिंह ठाकुर को शुभकामनाएं दीं।

संत रविदास की 650वीं वर्षगांठ पर व्यासख्यान माला आयोजित

सिवनी, स्वतंत्र मत। श्री माधव स्मृवति न्यास, सिवनी के तत्वोधान में संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्यक में देश भर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिनांक 05 नवंबर 2026 को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीरलेंस, शासकीय स्नाशतकोत्तदर महाविद्यालय, सिवनी में रविदास जी के समतामूलक विचारों की प्रासंगिकता विषय पर व्यामख्याहन माला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पधारे अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम भारतमाता के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संत रविदास के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यक वक्ता के रूप में नागेन्द्र वशिष्ठम ने अपने बौद्धिक में संत रविदास जी के



व्यक्तित्वत और कृतित्वर पर प्रकाश डालते हुये प्रेम,करूणा और समानता के संदेश को जन-जन तकअ पहुंचाने के लिये पहल करने हेतु प्रेरित किया। उन्हों ने बताया कि संत रविदास जी का जीवन युवाओं के लिये बड़ी प्रेरणा है । उन्होंपने कठिन परिस्थितियों में अपने आत्म सम्मांन और अपने धर्म को नही छोड़ा। स्वांगत संबोधन में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. रविशंकर नाग ने संत रविदास का जीवन परिचय देते हुये उनके लोकप्रिय भजनों के सामाजिक महत्व को प्रतिपादित किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा महाविद्यालय में संचालित भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठक का अवलोकन किया गया तथा महाविद्यालय द्वारा इस हेतु किये जा रहे प्रयासों की सराहना की गई।

सिवनी के छोटे गांव से लाल किले तक पहुंचा पत्रकार सलीम का सफर, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार से हुए सम्मानित

कभी साइकिल से घर-घर अखबार पहुंचाते थे सलीम रेहमान, मुंबई से लेकर दुबई तक पत्रकारिता में बनाई पहचान

सिवनी, स्वतंत्र मत। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के एक छोटे से गांव गोपालगंज से शुरू हुआ संघर्ष और मेहनत का सफर आज दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले तक पहुंच गया है। गांव की गलियों में साइकिल से अखबार बेचने वाले सलीम रेहमान को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे सिवनी जिले और मध्य प्रदेश को गौरवान्वित किया है। सलीम रेहमान की कहानी किसी बड़े शहर की सुविधाओं या संसाधनों से शुरू नहीं हुई। उनका ताल्लुक सिवनी जिले के छोटे से गांव गोपालगंज से है। शुरुआती दिनों में उन्होंने साइकिल पर घूम-घूमकर अखबार बेचने का काम



किया। इसी दौरान समाचारों और पत्रकारिता के प्रति उनकी रुचि बढ़ी और उन्होंने धीरे-धीरे लिखना शुरू किया। यहीं से उनके पत्रकारिता के सफर की नींव पड़ी। सीमित संसाधनों के बावजूद आगे बढ़ने का उनका जुनून उन्हें एक शहर से दूसरे शहर और फिर देश की सीमाओं के पार ले गया। सलीम ने अपने पत्रकारिता करियर में सिवनी से शुरुआत की और फिर नागपुर तथा मुंबई में अपनी पहचान बनाई। इसके बाद उनका सफर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तक पहुंचा, जहां वे वर्तमान में पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। मुंबई और दुबई में भी उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि और गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं। इनमें यूएई के शाही परिवार के वरिष्ठ सलाहकार एवं ट्रस्ट इन ट्रेड के सीईओ डॉ. अर्शी अयूब जवेरी, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के भतीजे और हाउस ऑफ कलाम, रामेश्वरम के सचिव एपीजेएम जैनुलाबुद्दीन प्रमुख रूप से शामिल रहे।

समारोह में पुरस्कार की संस्थापक सोनिया मेयर्स तथा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के परिवार से जुड़े एपीजेएम शेख सलीम की भी विशेष उपस्थिति रही। सोनिया मेयर्स डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पुरस्कार, मेड इन इंडिया स्वदेशी रनवे एवं आईएमएफएल इंस्टीट्यूट की संस्थापक हैं। वहीं, एपीजेएम शेख सलीम हाउस ऑफ कलाम, रामेश्वरम के सह-संस्थापक हैं।

सलीम रेहमान का पारिवारिक जुड़ाव भी पत्रकारिता से रहा है। वे सिवनी के वरिष्ठ पत्रकार एम. रहमान के छोटे भाई मौलाना अलीम रेहमान के पुत्र हैं। ऐसे माहौल में उन्होंने पत्रकारिता की बारीकियों को समझा और अपने दम पर आगे बढ़ने का रास्ता चुना।

खनिज विभाग ने अवैध परिवहन करते तीन वाहन जब्त किए

रेत के दो ट्रैक्टर-ट्रॉली और मिट्टी का एक डम्पर पकड़ा, खनि शाखा, खैरलांजी एवं वारासिवनी थाना की अभिरक्षा में रखे वाहन

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं खनिजों के अवैध भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार की आधी रात से गुरुवार सुबह तक खनिज विभाग के उड़नदस्ता दल ने जिले के कई स्थानों पर दबिश देकर अवैध खनिज परिवहन करते



हुए तीन वाहनों को जब्त किया है। इनमें रेत का अवैध परिवहन कर रहे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा मिट्टी का अवैध परिवहन कर रहा एक डम्पर शामिल है।

कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश एवं उप संचालक खनि प्रशासन सुश्री फरहत जहां के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा यह विशेष अभियान चलाया गया। उड़नदस्ता दल ने भमोड़ी, महदुली, मोहगांव खुर्द, चुटिया, सिवनघाट सहित विभिन्न संदिग्ध स्थानों पर पहुंचकर सघन जांच की।

कार्रवाई के दौरान रात करीब 12:30 बजे भमोड़ी में रेत का अवैध परिवहन करते एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा गया। इसके बाद सुबह करीब 4 बजे चुटिया में रेत का अवैध परिवहन करते एक अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया गया। वहीं सुबह करीब 7 बजे वारासिवनी में मिट्टी का अवैध परिवहन करते एक डम्पर को पकड़ा गया।

तीनों वाहनों को जब्त कर आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए कलेक्टर कार्यालय की खनि शाखा बालाघाट, खैरलांजी थाना एवं वारासिवनी थाना की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है।खनिज विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करना तथा शासन को होने वाली राजस्व हानि रोकना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध खान एवं खनिज अधिनियम तथा मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है।खनिज विभाग ने चेतावनी दी है कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नशा मुक्त भारत की प्रभावशाली प्रस्तुति ने जीता निर्णायक मंडल का दिल, महाविद्यालय को मिला प्रथम स्थान

कटंगी(स्वतंत्र मत)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में शासकीय राजा भोज महाविद्यालय, कटंगी के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। महाविद्यालय की टीम ने नशा मुक्त भारत विषय पर आधारित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का प्रभावशाली संदेश दिया।नाटक में विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट अभिनय क्षमता, सशक्त संवाद, आकर्षक प्रस्तुति एवं रचनात्मकता के माध्यम से नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। टीम की शानदार प्रस्तुति ने निर्णायक मंडल एवं दर्शकों को प्रभावित किया और महाविद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर गौरवपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की।इस सफलता में डॉ. वर्षा जोशी का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। नुक्कड़ नाटक का लेखन एवं निर्देशन रजत किरण शर्मा द्वारा किया गया, जबकि टीम मैनेजर के रूप में दीपेंद्र हिरकाने एवं



सहायक के रूप में कल्याणी तुरकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विजेता टीम में दीक्षांशी, महिमा, करण, राहिल, सलोनी, गरिमा, भारती, तनु, पुरुषोत्तम एवं कीर्ति शामिल रहे। सभी विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और टीम भावना से महाविद्यालय का नाम संभाग स्तर पर गौरवान्वित किया।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल शेंडे एवं वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. कुसुमलता उइके ने इस शानदार उपलब्धि पर सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, मार्गदर्शक डॉ. वर्षा जोशी, लेखक एवं निर्देशक रजत किरण शर्मा तथा टीम मैनेजर दीपेंद्र हिरकाने को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

पैंगोलिन के अवैध कारोबार में तीन गिरफ्तार, भेजे गए जेल



बालाघाट(स्वतंत्र मत)। उत्तर सामान्य वन मंडल बालाघाट के वन परिक्षेत्र दक्षिण उकवा सामान्य के अमले ने तीन नवंबर को पैंगोलिन के अवैध व्यापार के मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपितों में संपत पिता टेकसिंग धुर्वे (29) वार्ड नंबर 11 जामटोला कंदई बैहर, हंसू पिता सकरू धुर्वे (40) वार्ड नंबर 11 जामटोला कंदई बैहर और रामसिंग पिता देवान मरकाम (37) वार्ड नंबर नौ कासरटोला बैहर निवासी शामिल हैं। बुधवार को आरोपितों को बैहर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वन अमले ने पैंगोलिन और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक जब्त की है। आरोपितों के कुछ साथी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। वन विभाग के अधिकारी के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्ति पैंगोलिन को अवैध रूप से बेचने के उद्देश्य से शाम को सोनगुड्डा से बिठली मार्ग पर ले जाने वाले हैं। सूचना के बाद वन अमले ने मार्ग पर निगरानी और घेराबंदी की योजना बनाई। टीम ने किस नदी के समीप कक्ष क्रमांक 1875 में मुख्य मार्ग पर घेराबंदी कर पैंगोलिन के साथ संदिग्धों को पकड़ा और तीन आरोपितों को अभिरक्षा में लिया। कार्रवाई सीसीएफ गौरव चौधरी, डीएफओ रेशम सिंह धुर्वे, एसडीओ उकवा और वन परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण उकवा सामान्य के मार्गदर्शन में की गई। आरोपितों के खिलाफ वन अपराध प्रकरण क्रमांक 2712/01 पंजीबद्ध किया गया है। फरार आरोपितों की तलाश जारी है।

वन परिक्षेत्र दक्षिण उकवा सामान्य के अमले ने की कार्रवाई

नक्सलवाद से मुक्त बालाघाट के 100 गांवों के विकास पर खर्च होंगे 330 करोड़ रुपये

800 से अधिक विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार, मिशन आदि सेवा के तहत हर गांव में बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी और सभा मंच

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। नक्सलवाद से मुक्ति के बाद बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा विशेष फोकस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर कलेक्टर श्री सिंह ने इन गांवों के समग्र विकास के लिए मिशन आदि सेवा के तहत व्यापक कार्ययोजना तैयार कराई है। उनका प्रयास है कि वर्षों तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे इन गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर विकसित किए जाएं तथा ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ मिले।

कलेक्टर आदित्य सिंह ने इस कार्ययोजना को प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारने के लिए सभी विभागों के अधिकारियों को चिन्हित गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से सीधे संवाद करने और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को गांवों में पहुंचकर सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आजीविका और स्वरोजगार से जुड़ी जरूरतों का आकलन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर स्वयं भी इस अभियान की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। अब तक लगभग 70 गांवों का अधिकारियों द्वारा भ्रमण किया जा चुका है।

330 करोड़ रुपये के 800 से अधिक विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार...कलेक्टर आदित्य सिंह के मार्गदर्शन में मिशन आदि सेवा के अंतर्गत 100 गांवों के लिए



अब तक 330 करोड़ रुपये की लागत के 800 से अधिक विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार किए जा चुके हैं। इन कार्यों के माध्यम से गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। मिशन आदि सेवा के तहत प्रत्येक गांव में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने की योजना बनाई गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को अध्ययन, डिजिटल शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे। इसके साथ ही प्रत्येक गांव में सभा मंच का निर्माण किया जाएगा, जहां ग्रामीण सामाजिक बैठकों, सामुदायिक कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों का आयोजन कर सकेंगे। अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी आवश्यकताओं के अनुसार विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया जा रहा है। बालाघाट के नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में प्राकृतिक सौंदर्य, वन संपदा और समृद्ध जनजातीय संस्कृति को देखते हुए पर्यटन विकास की विशेष योजना बनाई जा रही है। इन क्षेत्रों को जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किया जाएगा। इससे पर्यटकों को स्थानीय प्राकृतिक स्थलों और जनजातीय जीवनशैली से परिचित होने का अवसर मिलेगा। वहीं स्थानीय युवाओं को गाइड, परिवहन, खानपान, आवास और अन्य पर्यटन गतिविधियों के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार मिल सकेगा। पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए होम स्टे विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। बैगा बाहुल्य दूरस्थ गांवों में स्वास्थ्य और पोषण सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए बैगा आरोग्य एवं पोषण एक्सप्रेस संचालित करने की योजना बनाई गई है। इसके माध्यम से दूरस्थ गांवों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के साथ ग्रामीणों को पोषण, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर जागरूक किया जाएगा।

विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों तक स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सुविधाओं की पहुंच आसान बनाने और जरूरतमंद लोगों को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। मिशन आदि सेवा के अंतर्गत चिन्हित गांवों के समग्र विकास के लिए अशासकीय स्वयंसेवी संस्थाओं और एनजीओ का सहयोग भी लिया जा रहा है। इस संबंध में स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनके सुझाव प्राप्त किए गए हैं।

रोनाल्डो का इंटरनेशनल फुटबॉल से सन्यास

पुर्तगाल के लिए 23 साल खेले, दुनिया में सबसे ज्यादा गोल किए

लिस्बन

पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की जिससे फुटबॉल के एक युग का समापन हो गया। आज अपने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में, पुर्तगाल के 41 वर्षीय कप्तान ने कहा, 23 सालों तक, मुझे इस जर्सी को पहनने, इसका मान रखने और दुनिया भर के स्टेडियमों में इसे ले जाने का सौभाग्य मिला। आज, इसे आने वाली पीढ़ी को सौंपने का समय आ गया है। यह कोई आसान फैसला नहीं था। कुछ फैसले सिर्फ दिमाग से नहीं, बल्कि दिल से लिए जाते हैं।

2003 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने के बाद, रोनाल्डो एथेंस 2004 ओलंपिक खेलों में खेले और इसके बाद पांच फीफा वर्ल्ड कप टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया। वे पुर्तगाल के लिए अब तक के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी और सबसे लंबे समय तक कप्तान रहने वाले खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले रहे हैं। उनकी कप्तानी में पुर्तगाल ने यूएफा यूरोपियन चैंपियनशिप 2016 और



यूएफा नेशंस लीग 2019 का खिताब जीता था। रोनाल्डो ने 234 मैच खेले और 146 अंतरराष्ट्रीय गोल किए।संन्यास की घोषणा के साथ ही उनके उस करियर का अंत हो गया, जिसमें छह वर्ल्ड कप, एक यूरोपियन खिताब और पुरुषों के इंटरनेशनल फुटबॉल में सबसे ज़्यादा गोल करने का रिकॉर्ड शामिल है। पुर्तगाल के फुटबॉल दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो, जिन्होंने मैदान पर अपने खेल से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया और उन्हें अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक माना जाता है।दो दशक से भी ज़्यादा समय पहले, यूरो 2004 से शुरू हुआ उनका शानदार करियर एक दुखद मोड़ पर खत्म हुआ। कोच जॉर्ज जीसस के साथ विवाद के बाद उन्हें नेशनल टीम छोड़नी पड़ी। 41 वर्षीय रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए 234 मैच खेले और 146 गोल किए। पिछले महीने, नेशंस लीग के एक मैच में कोच जीसस ने उन्हें टीम में शामिल नहीं किया, जिसके बाद दोनों के बीच अनबन हो गई और रोनाल्डो ने टीम कैंप छोड़ दिया।

अगली पीढ़ी को सौंप दी जाए जर्सी 7

अपने विदाई संदेश में, रोनाल्डो ने पुर्तगाल का प्रतिनिधित्व करने को अपने करियर का सबसे बड़ा सम्मान बताया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि उनकी मशहूर नंबर 7 जर्सी अगली पीढ़ी को सौंप दी जाए। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, पुर्तगाल के लोगों, अब वह समय आ गया है कि मैं राष्ट्रीय टीम की नंबर 7 जर्सी आप सभी को वापस सौंप दूँ। मैंने कभी नहीं माना कि यह सिर्फ मेरी है, लेकिन 23 सालों तक इसे पहनना, इसका मान रखना और दुनिया भर के स्टेडियमों में इसे अपने साथ ले जाना मेरे लिए सौभाग्य और जिम्मेदारी की बात रही। आज, इसे आने वाली पीढ़ी को सौंपने का समय आ गया है। अपने सफर को याद करते हुए, रोनाल्डो ने माना कि उनके करियर में कई यादगार जीतें रहीं, तो कई मुश्किल पल भी आए। लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय टीम के प्रति उनका समर्पण कभी कम नहीं हुआ। उन्होंने कहा, कुछ बेहतरीन दिन और रातें थीं; ऐसी जीतें थीं जिन्हें मैं कभी नहीं भूल सकता, और ऐसी हार भी थीं जिन्हें याद करना आज भी मेरे लिए मुश्किल है। मुझसे गलतियां भी हुईं, मुझे तकलीफें भी झेलनी पड़ीं, और कई बार ऐसा भी हुआ जब मैं पुर्तगाल के लोगों को वह सब नहीं दे पाया जिसकी उन्हें बहुत चाहत थी। लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी। और सबसे बड़ी बात, पुर्तगाल का प्रतिनिधित्व करने पर मुझे हमेशा गर्व महसूस होता रहा।

हिजीकाता ने जोकोविच को हराकर उनकी एटीपी फाइनल्स की उम्मीदों को तोड़ा

पेरिस। रिंकी हिजीकाता ने बुधवार को रोलेक्स पेरिस मास्टर्स में अपने करियर के सबसे बेहतरीन सीजन में एक और शानदार अध्याय जोड़ा। उन्होंने सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 2-6, 6-3, 6-3 से हराकर टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में प्रवेश किया। जोकोविच के कड़े संघर्ष का सामना करने के बाद, हिजीकाता ने अपने आक्रामक खेल का सहारा लिया। उन्होंने सर्बियाई खिलाड़ी की लय को तोड़ा और बेसलाइन रैलियों में उन पर भारी पड़े। दो घंटे 13 मिनट तक चले इस संयमित मुकाबले में जीत हासिल करके, दुनिया के 83वें नंबर के खिलाड़ी हिजीकाता ने जोकोविच की निट्टो एटीपी फाइनल्स में क्वालीफाई करने की उम्मीदों को खत्म कर दिया। साथ ही, एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन की दौड़ में शामिल अन्य खिलाड़ियों के लिए भी यह एक बड़ा परिणाम है। हिजीकाता ने कहा, मुझे पक्का नहीं पता था कि मैं आज कोर्ट पर उतर पाऊंगा या नहीं, इसलिए मुझे खुशी है कि मैं खेलने आ सका। पहले सेट और उसके बाद कुछ समय तक, वह मेरे खिलाफ बहुत शानदार खेल रहे थे। मैं बस डटे रहने की कोशिश कर रहा था, और मुझे खुशी है कि मैं काफी देर तक अपना स्तर बनाए रखने में कामयाब रहा।

डब्ल्यूटीए क्वार्टरफाइनल में 14 साल बाद भारतीय महिला खिलाड़ी

माया राजेश्वरन चेन्नई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, सानिया के बाद पहली भारतीय

नई दिल्ली

17 साल की माया राजेशवरन रेवती चेन्नई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। वह 14 साल बाद किसी डब्लयूटीए टूर-लेवल सिंगल्स टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। इससे पहले 2012 में सानिया मिर्जा ने पट्टाया ओपन में यह उपलब्धि हासिल की थी। माया ने बुधवार को राउंड ऑफ-16 में पोलैंड की वेरोनिका फाल्कोवस्का को 6-4, 6-3 से हराया। पहले सेट में लगातार 5 सर्विस ब्रेक, 4-2 से पिछड़ने के बाद वापसी की मैच की शुरुआत माया के लिए अच्छी नहीं रही। उन्होंने डबल फॉल्ट के साथ शुरुआत की और अपनी सर्विस गंवा दी। हालांकि, उन्होंने तुरंत वापसी करते हुए फाल्कोवस्का की सर्विस तोड़ दी।

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच लगातार 5 गेम में सर्विस



ब्रेक हुए। इस दौरान डबल फॉल्ट और अनफोर्स्ड एरर्स भी देखने को मिले। फाल्कोवस्का ने एक समय 4-2 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद माया ने लगातार दो गेम जीतकर स्कोर 4-4 किया और फिर अपनी सर्विस बचाकर 5-4 की बढ़त हासिल की। 10वें गेम में फाल्कोवस्का ने दो डबल फॉल्ट किए और एक फोरहैंड शॉट भी बाहर मार दिया। इससे माया को सेट जीतने के दो मौके मिले। उन्होंने दूसरा सेट पॉइंट भुनाते हुए पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी आक्रामक खेल जारी रखा

दूसरे सेट में फाल्कोवस्का ने अपने शॉट्स में ज्यादा ताकत लगाने की कोशिश की, लेकिन माया ने आक्रामक खेल जारी रखा। उन्होंने अहम मौकों पर संयम बनाए रखा और आठवें गेम में फाल्कोवस्का की सर्विस तोड़कर 5-3 की बढ़त बना ली। इसके बाद माया मैच के लिए सर्व करने उतरीं। उन्हें जीत दर्ज करने के लिए तीन मैच पॉइंट का इंतजार करना पड़ा। तीसरे मैच पॉइंट पर फाल्कोवस्का का फोरहैंड शॉट नेट में चला गया। इसके साथ ही माया ने दूसरा सेट 6-3 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

भारत ने पाकिस्तान को 3-2 से हराया



सुहैल अहमद भट के डबल से पाकिस्तान को दी मात

ढाका। भारतीय फुटबॉल टीम ने सैफ चैंपियनशिप 2026 में अपने टाइटल डिफेंस की शुरुआत गुरुवार को बांग्लादेश के ढाका के नेशनल स्टेडियम में अपने ग्रुप बी के पहले मैच में अपने विरोधी पाकिस्तान पर 3-2 से जीत के साथ की।सुहैल अहमद भट (13ज, 19ज) ने पहले हाफ में दो गोल किए, जिसके बाद मंगलेंथांग (31ज) किपगेन ने तीसरा गोल करके भारत को ब्रेक तक 3-0 की बड़ी बढ़त दिला दी। पाकिस्तान ने स्टॉपेज टाइम में नजीब उल्लाह (90 1ज) और आलमगीर गाज़ी (90 4ज) की मदद से दो गोल किए, लेकिन ब्लू टाइगर्स ने तीनों पॉइंट्स हासिल किए। भारत चल रही सैफ चैंपियनशिप में अंडर23 फुटबॉल टीम उतारी है। नौ बार की चैंपियन भारत ने सावधानी से शुरुआत की, पीछे से सब्र से आगे बढ़ते हुए मिडफील्ड में कंट्रोल बनाने की कोशिश की, जिसमें अभिषेक सूर्यवंशी ने गहरी भूमिका निभाई। भट को लगा कि 12वें मिनट में किपगेन की एरियल बॉल पर पहुंचने के बाद उन्होंने गोल कर दिया है, लेकिन गोल को ऑफसाइड मानकर रद्द कर दिया गया। फॉरवर्ड को ज्यादा देर तक रोका नहीं जा सका। एक मिनट बाद, मुहम्मद सुहैल ने बाईं ओर से थ्रो-इन से बॉल ली और पेनल्टी एरिया में एक इंच-परफेक्ट बॉल देने से पहले आगे बढ़े। भट छह-यार्ड बॉक्स में पहुंचे और इसे गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिला दी। भारत ने 19वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी कर ली, जिसमें सूर्यवंशी ने असिस्ट किया। जैसे ही पाकिस्तान फुटबॉल टीम पीछे गई, मिडफील्डर ने खुद को पिच पर और आगे पाया और डिफेंस को चीरते हुए एक सटीक, लाइन-ब्रेकिंग पास खेला।

दिल्ली से विशाखापट्टनम शिफ्ट हुआ भारत-श्रीलंका पहला वनडे



13 दिसंबर को मुकाबला; डीडीसीए ने मौसम और निर्माण कार्य के चलते बदलाव मांगा

नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाला पहला वनडे अब दिल्ली में नहीं, बल्कि विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने गुरुवार को वेन्यू बदलने की जानकारी दी। इससे पहले दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन ने संभावित मौसम संबंधी परेशानी और स्टेडियम में प्रस्तावित रेनोवेशन यानी मरम्मत और सुधार कार्य को देखते हुए मैच का वेन्यू बदलने का अनुरोध किया था। पहली वजह मौसम है। दिसंबर में दिल्ली में मौसम की स्थिति मैच के आयोजन को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में मुकाबले के दौरान मौसम से जुड़ी बाधा की आशंका को ध्यान में रखा गया।

दूसरी वजह अरुण जेटली स्टेडियम में प्रस्तावित रेनोवेशन का काम है। स्टेडियम में निर्माण और सुधार कार्य होना है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले मैदान और दर्शकों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने को लेकर चिंता थी।भारत और श्रीलंका के बीच पिछली वनडे सीरीज अगस्त 2024 में खेली गई थी। तीन मैचों की उस सीरीज में श्रीलंका ने भारत को 2-0 से हराया था। पहला मुकाबला टाई रहा था, जबकि दूसरे और तीसरे वनडे में श्रीलंकाई टीम ने जीत दर्ज की थी।

अनमोल खर्ब और तन्वी शर्मा बाहर दूसरे दौर में भारत का सफर खत्म



सोल। गुरुवार को कोरिया ओपन 2026 बैडमिंटन में भारत का सफर समाप्त हो गया। येओसु के जिन्नम स्टेडियम में खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल मैचों में अनमोल खर्ब और तन्वी शर्मा को सीधे गेमों में हार का सामना करना पड़ा और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। महिला एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 45वें स्थान पर मौजूद अनमोल खर्ब को जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन और वर्तमान विश्व नंबर 2 अकाने यामागुची के खिलाफ 21-18, 21-18 से हार मिली। पहला गेम कड़े मुकाबले के बाद करीबी अंतर से हारने के बावजूद, अनमोल खर्ब ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और 16-12 की बढ़त बना ली। हालांकि, दूसरी वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची ने लगातार पांच अंक हासिल करके मैच पर अपनी पकड़ मजबूत की और अंततः क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अनमोल खर्ब अब अकाने यामागुची के खिलाफ अपने दोनों मैच हार चुकी हैं; इससे पहले पिछले साल आर्कटिक ओपन में भी उन्हें यामागुची के हाथों सीधे गेमों में हार मिली थी। इससे पहले, तन्वी शर्मा भी बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। उन्हें जापान की पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हिना अकेची ने 21-18, 21-12 से हराया। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। भारतीय खिलाड़ी 17-16 से आगे थीं, लेकिन इसके बाद हिना अकेची ने लगातार चार अंक हासिल करके पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में ब्रेक के बाद हिना अकेची का दबदबा रहा।

सोने की दीर्घकालिक संभावनाएं अब भी मजबूत

नई दिल्ली

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि (एमओएफएसएल) की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि निकट अवधि में उपस्थित चुनौतियों के बावजूद कीमती धातुओं का दीर्घकालिक परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। सर्राफा बाजार में पिछले वर्ष की असाधारण तेजी के बाद इस वर्ष सोने और चांदी के बाजार में उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव दिख रहा है। कीमती धातुओं के बाजार पर इस तिमाही रिपोर्ट में कहा गया है कि कीमतों में आने वाली गिरावट निवेशकों के लिए चरणबद्ध तरीके से निवेश बढ़ाने का अवसर प्रदान कर सकती है। रिपोर्ट कहा गया है कि जनवरी 2026 में सोने की



कीमत लगभग 5,600 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें गिरावट आई और कीमत 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे चली गई है। हालांकि, इसके बाद सोने की कीमतों में फिर से सुधार देखने को मिला। इस दौरान चांदी की कीमत 100 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार करने के बाद अपेक्षाकृत अधिक तेजी से नीचे आयी। डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में बदलाव के कारण घरेलू बाजार में भी इन उतार-चढ़ाव का प्रभाव देखने को मिला। वर्ष 2025 में कीमती धातुओं में मुख्य रूप से एकतरफा तेजी देखने को मिली थी। इस वर्ष सर्राफा बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रमुख कारणों में अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बदलती अपेक्षाएं, लगातार बनी हुई महंगाई, ऊंची बॉन्ड यील्ड (बांड में निवेश पर प्रतिफल) और भू-राजनीतिक घटनाक्रम शामिल हैं। भारत में दिवाली और धनतेरस सोने एवं चांदी की खरीदारी के सबसे महत्वपूर्ण अवसरों में शामिल हैं। ऐतिहासिक रुझानों से पता चलता है कि त्योहारों के दौरान मांग का संबंध अंतरराष्ट्रीय कीमतों की तुलना में घरेलू बाजार में प्रीमियम, आयात और भौतिक खरीद की मात्रा से अधिक होता है। दिवाली के दौरान सोने की घरेलू कीमत वर्ष 2016 में लगभग 30,000 रुपये से बढ़कर वर्ष 2026 में करीब 1.50 लाख रुपये तक पहुंच गई है। यह पिछले एक दशक में सोने की कीमतों में हुई उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

एयरटेल का मुनाफा दूसरी तिमाही में 27 प्रतिशत बढ़कर 14,126 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली। निजी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 14,126 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ हुआ है जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 26. 7 फीसदी अधिक है। कंपनी ने गुरुवार को निदेशक मंडल की बैठक के बाद वित्तीय परिणामों की घोषणा की। उसने बताया कि दूसरी तिमाही में उसका समेकित राजस्व 16.7 फीसदी बढ़कर 58,539 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस दौरान उसके सबस्क्राइबरों की संख्या में 11.1 प्रतिशत का इजाफा हुआ और तिमाही के अंत में उसके कुल 6,80,889 सबस्क्राइबर थे। भारत में सबस्क्राइबरों की संख्या 4,91,890 और अफ्रीका में 1,88,999 थी।

टाइटन को दूसरी तिमाही में 1,722 करोड़ का मुनाफा

बेंगलुरु

टाटा समूह की फैशन एक्सेसरीज कंपनी टाइटन को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 1,722 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ जो एक साल पहले के मुकाबले 54 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के निदेशक मंडल की गुरुवार को हुई बैठक के बाद जारी वित्तीय परिणामों के अनुसार दूसरी तिमाही में कंपनी की कुल राजस्व 20,533 करोड़ रुपये रहा जो सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। गहने-जेवरात के कारोबार में कंपनी का राजस्व 24 फीसदी बढ़कर 17,495 करोड़ रुपये हो गया। इसमें भारतीय कारोबार का योगदान 21 फीसदी बढ़कर 16,343 करोड़ रुपये और अंतरराष्ट्रीय कारोबार का 105



प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,152 करोड़ रुपये रहा। घड़ियों के कारोबार से उसकी कमाई 27 फीसदी बढ़कर 1,881 करोड़ पर और चश्मों के कारोबार से कमाई 28 फीसदी बढ़कर 281 करोड़ रुपये पर रही। टाइटन के प्रबंध निदेशक अजय चावला ने कहा कि त्योहारों के तीसरी तिमाही में चले जाने के बावजूद अधिकांश समय उपभोक्ताओं की मांग अच्छी बनी रही। गहनों के डिजाइन-आधारित कलेक्शन और आकर्षक ऑफर को विभिन्न बाजारों और सभी आयु वर्ग के लोगों ने खूब पसंद किया। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने पूरे पोर्टफोलियो में लगातार नवाचार कर रही है और विकास के लिए निवेश कर रही है। इसका उद्देश्य ब्रांड की वैल्यू को मजबूत करना, ग्राहकों के साथ जुड़ाव को प्रगाढ़ करना और अपने सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य का निर्माण करना है।

सौर पैनल पार्ट्स का बाजार 2028 तक डेढ़ साल में 7.8 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद

नयी दिल्ली। देश में सौर पैनल में लगने वाले पार्ट्स का बाजार अगले डेढ़ साल में दोगुना होकर मार्च 2028 तक 7.8 अरब डॉलर (74,100 करोड़ रुपये) पर पहुंचने की उम्मीद है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के एक नये अध्ययन में कहा गया है कि वर्तमान में देश में सौर पैनल पार्ट्स का बाजार करीब 3.6 अरब डॉलर (34,200 करोड़ रुपये) है। यह मार्च 2028 तक दोगुने से अधिक बढ़कर 7.8 अरब डॉलर (74,100 करोड़ रुपये) हो सकता है। राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम् में जारी भारत नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी 2026 में बैटरी इलेक्ट्रोलाइट पर सीईईडब्ल्यू के एक अन्य अध्ययन के साथ यह रिपोर्ट जारी की गई। सौर ऊर्जा के पार्ट्स में सोलर ग्लास, एल्युमिनियम फ्रेम, करंट ले जाने वाले कॉपर रिबन, सेल को सील करने वाली एनकैप्सुलेंट शीट और पीछे की ओर लगने वाले बैकशीट तथा जंक्शन बॉक्स शामिल हैं जिन्हें इस उद्योग में संयुक्त रूप से बिल ऑफ मैटेरियल्स (बीओएम) कहा जाता है। सोलर सेल को छोड़कर पैनल का बाकी सब कुछ यही पार्ट्स होते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर 2026 में देश की सोलर मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग क्षमता 228.5 गीगावाट तक पहुंच गई और इन पार्ट्स को बनाने वाली कंपनियां अब

अमेरिका में डेमोक्रेट्स की जीत से सेंसेक्स 2,000 अंक उछला, आठ महीने के उच्चतम स्तर पर

मुंबई। अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के परिणामों से उत्साहित निवेशकों की लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में जबरदस्त तेजी देखी गई और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स दो हजार अंक से ज्यादा उछलकर आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स 1,609 अंक की बढ़त में खुला और अंत में 2,008.61 अंक (2.60 प्रतिशत) ऊपर 79,310.01 अंक पर बंद हुआ जो 05 मार्च के बाद का इसका उच्चतम स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 576 अंक यानी 2.40 फीसदी की बढ़त में 24,536.60 अंक पर पहुंच गया। यह इसका भी 10 अगस्त के बाद का उच्चतम स्तर है। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी को मिली जीत से निवेशकों में

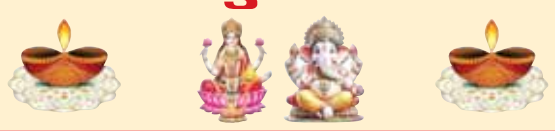


पश्चिम एशिया में स्थिति सामान्य होने की उम्मीद बंधी है। इससे कच्चा तेल बुधवार को करीब 10 फीसदी टूट गया और आज लगभग सभी प्रमुख शेयर बाजारों में लिवाली देखी गई। घरेलू स्तर पर वृहत बाजार में भी सभी सूचकांक हरे निशान में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.87 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.56 फीसदी चढ़ा। सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी ऑटो 4.14 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। वित्तीय सेवा समूह का सूचकांक 3.99 प्रतिशत, रियल्टी का 3.52, सीमेंट का 3.36, बैंकिंग का 3.33, आईटी का 2.42, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद का 2.32 और फार्मा का एक प्रतिशत मजबूत हुआ। रसायन को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में तेजी रही। एनएसई में जिन 3,723 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,547 के शेयरों में तेजी और 1,084 में गिरावट रही। अन्य 92 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयरों में लिवाली का जोर रहा। बजाज फाइनेंस का शेयर 7.77 प्रतिशत उछल गया। इंडिगो में 5.80 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक में 5.29, मारुति सुजुकी में 5.28, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 5.15, बजाज फिनसर्व में 4.66 और एशियन पेंट्स में 4.46 प्रतिशत की तेजी रही।

जियो फाइनेंस प्लेटफार्म ने पेश की पॉइंट्स को सोने में बदलने की योजना

मुंबई। जियो फाइनेंस प्लेटफॉर्म एंड सर्विस लिमिटेड (जेएफपीएसएल) ने गुरुवार को जियोफाइनेंस ऐप पर एक नए फीचर की शुरुआत की जिसमें ग्राहक अपने जमा किए गए जियोपॉइंट को जियोगोल्ड में बदल सकेंगे। जेएफपीएसएल जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लि की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है। कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार धनतेरस से पहले शुरू की गई इस सुविधा से ग्राहक रोजमर्रा के वित्तीय लेनदेन से अर्जित जियोपॉइंट्स को डिजिटल गोल्ड में बदल सकेंगे। इस सुविधा के तहत ग्राहक यूपीआई भुगतान और बिल भुगतान सहित पात्र लेनदेन के माध्यम से अर्जित जियोपॉइंट्स को 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड में बदल सकते हैं। विज्ञप्ति के अनुसार प्रत्येक जियोपॉइंट का मूल्य 0.25 रुपये निर्धारित किया गया है और डिजिटल गोल्ड में बदलने के लिए ग्राहक के पास कम से कम 400 जियोपॉइंट्स होना जरूरी है। 400 जियोपॉइंट्स का मूल्य 100 रुपये के बराबर होगा। ग्राहकों को मिलने वाले डिजिटल गोल्ड की मात्रा कन्वर्जन के समय प्रचलित सोने की कीमत के आधार पर तय की जाएगी।

धनतेरस एवं दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं



धनतेरस एवं दीपावली के पावन पर्व पर
जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

मेसर्स गुप्ता बद्रर्स

एच.पी. कुकिंग गैस के अधिकृत विक्रेता-
न्यू बस स्टैंड, कटनी (म.प्र.)
फोन नं. - 223695, 408405

शहर का सबसे पुराना एवं प्रतिष्ठित गैस एजेंसी गुप्ता ब्रदर्स
इस दीवाली लाया है आप के लिए महाबचत ऑफर
इस दीपावली खुशियों का महाबचत ऑफर सीमित समय के लिए
अपना पुराना चूल्हा लायें और ले जायें नया चूल्हा।
न्यू गैस कनेक्शन सस्ते दर में उपलब्ध

- डी.बी.सी. एवं न्यू कनेक्शन तुरंत कंट्रोल रेट में प्राप्त करें।
- पुराने चूल्हे रबड सहित बदलकर तुरंत नये प्राप्त करें।
- गैस सिलेंडर आपके घर पहुंचाने वाले हाकर्स को बिल निर्धारित राशि से अधिक न दें।
- नकली एवं घटिया किस्म की रबर ट्यूब का उपयोग कर घर- परिवार की सुरक्षा को खतरे में न डालें।
- सुरक्षित जीवन के लिए हमेशा उत्कृष्ट क्वालिटी की सुरक्षा रबर ट्यूब का ही प्रयोग करें।
- यह रबर ट्यूब स्टील वायर से डबल कोटेड होती है, जो पूर्णतः सुरक्षित है। इसे चूहे भी नहीं काट सकते।
- विशेष टेक्नालॉजी से बनी ये ट्यूब निरंतर उपयोग के बाद भी पिघलकर चूल्हे से नहीं निकलती है। आज ही गुप्ता ब्रदर्स (एच.पी.गैस एजेंसी) से संपर्क करें।

कृपया होम डिलेवरी लगाते समय अपना पूर्ण एवं सही पता दर्ज करायें, ताकि असुविधा न हो।

धनतेरस एवं दीपावली के पावन पर्व पर
जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

श्री हास्पिटल

एन.एच.-7,एम.एम.चौबे वार्ड, कटनी (म.प्र.)

डॉ. दीपक सक्सेना
एम.एस.

डॉ. शोभना सक्सेना
एम.एस. (सर्जन)



विशेष सुविधाएं
ट्रामा, एक्सीडेन्ट एवं फ्रेक्चर विभाग -
(इमरजेंसी इलाज एवं मेडिको लीगल केसों का विभाग)
गरीब रेखा कार्ड (बी.पी.एल.) एवं दीनदयाल
कार्डधारियों को जांच शुल्क आधा एवं इलाज में रियायत
सांईनाथ स्कूल एवं कॉलेज ऑफ नर्सिंग



डॉ. दीपक सक्सेना
एम.एस.

(म.प्र.) व आई.एन.सी. से संबद्धता
ए.एन.एम., जी.एन.एम.एवं
बी.एस.सी. नर्सिंग कोर्स
संचालित प्रतिवर्ष अप्रैल
माह में एडमीशन

संपर्कः फोन नं. - 07622- 224043
मोबा.- 09425353316,09425153003

धनतेरस एवं दीपावली पर्व पर
जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

बॉबी सचदेवा
समाजसेवी, कटनी





धनतेरस एवं दीपावली पर्व पर
जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

आदर्श आभूषण

फैंसी सोने एवं चांदी के
आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
सुनील सोनी
सराफा बाजार
कटनी (म.प्र)
मो. 9893109339



Happy Diwali



अमित शुक्ला
अध्यक्ष
शहर जिला कांग्रेस कमेटी
कटनी
पदाधिकारी एवं समस्त कांग्रेसजन

धनतेरस एवं दीपावली पर्व पर
जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं





अविनाश पाठक
अध्यक्ष
जिला इंटक परिषद
पदाधिकारी एवं
कार्यकारिणी सदस्य
जिला-कटनी (म.प्र.)

धनतेरस एवं दीपावली के
पावन पर्व पर जिलेवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं



Happy Diwali



बी.एम.तिवारी
अध्यक्ष
कटनी ट्रांसपोर्ट
एसोसिएशन



mgm HOSPITAL
We Care with Care
NABH

दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएँ
प्रकाश, सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि से
आपका जीवन सदैव आलोकित रहे।

Cashless Facility Available
ईएसआई (ESI) | आयुष्मान भारत योजना | मध्यप्रदेश पुलिस | राज्य सरकार के कर्मचारी | निजी स्वास्थ्य बीमा (हेल्थ इंश्योरेंस)

एम.जी.एम. हॉस्पिटल, कटनी
पता: कचहरी चौराहा, फॉरेस्टर ग्राउंड के सामने, कटनी
संपर्क: 07622-405070, 405071



BOOK Now

MITTAL CITY
25 x 40 Duplex
Imaliya Road, Padarwara, Katni

MITTAL TOWN
22.5x50 4 BHK Duplex
Keran Line, Madhav Nagar, Katni

CONTACT 9300593012

सभी पाठकों को धनतेरस एवं दीपावली पर्व की श्री पंकज डहरवाल- ब्यूरो बालाघाट की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

कांकरिया प्रतिष्ठान
धरम ज्वेलर्स

धरतेरस पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रो. अनिल कांकरिया
शुद्ध सोने एवं चांदी आभुषणों
के निर्माता एवं विक्रेता
मो. 9425138519
गोदिंया रोड़ नये श्रीराम मंदिर के पास,बालाघाट



विश्वास का प्रतीक

धनतेरस एवं दीपावली पर्व की
जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
मयंक ज्वेलर्स
डिजाइनर ज्वेलरी के
नये कलेक्शन की अनुपम रेंज
गुजरी चौक,बालाघाट
9425830404
त्यौहार मनाएं
मयंक ज्वेलर्स
के साथ

दीपावली की हार्दिक बधाई
पिपलेवार
इंजीनियर्स
आर्किटेक्टस एण्ड इंटीरियर
वास्तु स्पेशलिस्ट, स्ट्रक्चर इंजीनियर
इंजी.(डॉ.) सुरेश पिपलेवार
आर्कि. सागर पिपलेवार
9806439301
बैंक वेल्यूअर
9970107049
मोती नगर चौक बालाघाट

होम्योपैथिक सेवा के सफलतम 46 वर्ष
धनतेरस एवं दीपावली पर्व की जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
धार्मिक साहित्य प्रसार केन्द्र
होम्योपैथिक, बायोकेमिक, भारतीय एवं जर्मन
दवाईयों व पुस्तके मिलने का एक मात्र
स्थान- सरेखा रेल्वे ओवर ब्रिज के नीचे, बालाघाट मध्यप्रदेश
सम्पर्क करें-07632-243148, 9424662176
नोट- हमारे यहाँ होम्योपैथिक चिकित्सक सेवा उपलब्ध है।
प्रो.डॉ.वागीश कश्यप(R.M.P.)
वैभव कश्यप-समासेवी

इंदौर स्वीट्स
एवं नमकीन



धनतेरस एवं दीपावली
हार्दिक शुभकामनाएं
24 कैरेट गोल्ड वर्क से
बनी ड्रायफ्रूट
मिठाई भी उपलब्ध हैं।
पता:- मेन रोड़, एस.बी.आई
बैंक के पास, बालाघाट

धनतेरस व दीपावली पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
शुद्ध सोने एवं चांदी के आभूषणों के विक्रेता
सुराना
मणिधारी ज्वेलर्स
प्रकाशचंद सुराना
9907125677, 9827911780
नया सराफा,मेन रोड बालाघाट



91.6 हालमार्क ज्वेलरी
गणपति
ज्वेलर्स
मेन रोड़, महावीर चौक
बालाघाट
09893129013

नुपुर ज्वेलर्स
की ओर से
धनतेरस एवं दीपोत्सव की हार्दिक बधाई
सभी प्रकार कलात्मक व शुद्ध हीरा, स्वर्ण
चांदी के आभूषणों एवं जेम्स स्टोन के विक्रेता
एसबीआई मेन रोड़ बालाघाट
9981934485, 9425839821
9424979789

धनतेरस एवं दीपावली
पर्व की हार्दिक बधाई
शुभम ट्रेडर्स
सभी प्रकार के तेलों के थोक विक्रेता,
खाद्य एवं अखाद्य तेलों के थोक विक्रेता
हमारा पता: जैन भवन के बाजू में
इतवारी गंज बालाघाट
9425138598,9479832144



916 BIS Hallmark
अलंकार
ज्वेलर्स की ओर से
धनतेरस एवं दीपावली की बधाई
कलात्मक व शुद्ध स्वर्ण,
चांदी के फैंसी आभूषणों के विक्रेता
महावीर चौक, श्री दुर्गा मंदिर रोड़
बालाघाट(म.प्र.) 8770822633

धनतेरस व दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनायें
प्रियम राईस मिल
प्रतीक धरमकांटा
विवेक राईस मिल
वारासिवनी रोड़ गर्रा (बालाघाट)
अनिल गुरनानी, विनाद गुरनानी
9425138975 8989869975

बालाघाट जिले का भव्य आभुषण प्रतिष्ठान
धनतेरस एवं दीपावली की बधाई
फैंन्सी हालमार्क ज्वेलर्स उपलब्ध
कलात्मक व शुद्ध स्वर्ण,
चांदी के फैंसी आभूषणों के विक्रेता
सुराना ज्वेलर्स
प्रो. राजेश सुराना
::हमारा पता::
श्याम मॉल के सामने बलाघाट
+91 9752244498

धनतेरस एवं दीपोत्सव की शुभकामनाएं
रवि ट्रेडर्स/ रूपेश ट्रेडर्स
R.T. ब्रांड सोयाबीन रिफाइंड तेल, लाल गुलाब सरसों तेल,
KING'S ब्रांड सोयाबीन, सरसों, सनफ्लावर एवं साइसब्रान तेल, सत्यम एवं
सरस ब्रांड सोया रिफाइंड तेल, डालडा वनस्पति, फार्च्यून तेल, सेहत एवं
तुलसी राइसब्रान तेल, अलसी तेल एवं अरंडी तेल के थोक विक्रेता।
हरीओम काम्पलेक्स, दुर्गा मंदिर के पीछे, इतवारी गंज के पास,बालाघाट
शुभेच्छुः हरिराम वाधवानी, मो.9300038981

गोवर्धन पर्व पर 9 नवंबर को प्रदेशभर में होगा गौ-पूजन एवं पशुपालकों का सम्मान



प्रदेश की पंजीकृत गौशालाओं में संरक्षित 5.51 लाख गोवंश के भरण-पोषण के लिए 60 करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान राशि डीबीटी के माध्यम से की जाएगी अंतरित

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश सरकार 9 नवंबर को गोवर्धन पर्व मनाएगी। इस अवसर पर गौ-पूजन एवं पशुपालक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में रवींद्र भवन भोपाल में दोपहर 12ः30 बजे से राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। पशुपालन एवं डेयरी विभाग, श्रीकृष्ण पाथेय न्यास एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के विजयी पशुपालकों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर भी गौ-पूजन और पशुपालक सम्मान कार्यक्रम आयोजित होंगे।

उत्कृष्ट पशुपालकों को मिलेगा पुरस्कार

वृंदावन गांवों में आयोजित गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के अंतर्गत पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पशुपालकों को मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रमाण-पत्र एवं सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। विजेताओं को क्रमशः एक लाख, 50 हजार और 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। सभी विजेता पशुपालकों को पुरस्कार राशि एक साथ डीबीटी के माध्यम से अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के टॉप 10 दुग्ध उत्पादक पशुपालकों को सांकेतिक रूप से सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 9 नवम्बर को प्रदेश की 3 हजार से अधिक पंजीकृत गौशालाओं में संरक्षित 5.51 लाख गोवंश के भरण-पोषण के लिए सितंबर माह की 60 करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान राशि डीबीटी से अंतरित करेंगे। प्रदेश सरकार द्वारा गौवंश के संरक्षण, संवर्धन और बेहतर देखभाल के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों एवं पशुपालन के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। गोवर्धन पर्व के महत्व को प्रदर्शित करती विशेष झांकी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा गौ-पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। प्रदेशभर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन के साथ उत्कृष्ट गौपालन को प्रोत्साहित करना तथा पशुपालकों को सम्मानित कर उन्हें आधुनिक एवं उन्नत पशुपालन के लिए प्रेरित करना है।

पानी की हर बूंद का समुचित उपयोग, जल-सुरक्षित विकसित मध्यप्रदेश ड्रॉफ्ट पर सुझाव आमंत्रित

विशेषज्ञों के साथ आम लोगों की राय होगी महत्वपूर्ण, वर्ष 2037 तक 50 प्रतिशत उपचारित जल के पुनः उपयोग का रखा गया लक्ष्य

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, समृद्ध और पर्यावरणीय दृष्टि से सतत् जीवन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित अर्बन ग्रोथ कॉनक्लेव 2.0 में मध्यप्रदेश उपचारित अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग नीति-2026 का प्रारूप सार्वजनिक परामर्श एवं सुझावों के लिए आधिकारिक रूप से जारी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सबका साथ, सबका विकास और सर्वसमावेशी कल्याण के विज़न पर आधारित यह पॉलिसी ड्रॉफ्ट मध्यप्रदेश के जल प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के भविष्य को एक नई दिशा और ऊँचाई प्रदान करेगी। प्रदेश में तीव्र गति से हो रहे नगरीकरण, औद्योगिक विस्तार और जल की बढ़ती मांग के परिप्रेक्ष्य में जल संसाधनों का सतत् प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। सीवेज उपचार के पश्चात् उपलब्ध जल को अपशिष्ट के स्थान पर उपयोगी संसाधन के रूप में विकसित कर पेयजल



एवं भूजल पर निर्भरता कम करने के लिए यह नीति एक क्रांतिकारी कदम है। पानी की हर बूंद का समुचित उपयोग, जल-सुरक्षित विकसित मध्यप्रदेश के लिए यह नीति न केवल जल संसाधनों पर दबाव कम करेगी, बल्कि विकसित मध्यप्रदेश 2047 की संकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण होगी। नीति के अंतर्गत संग्रहित सीवेज का निर्धारित मानकों के अनुरूप 100 प्रतिशत उपचार सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। उपचारित अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग का लक्ष्य वर्ष 2027 तक 20 प्रतिशत, वर्ष 2030 तक 30प्रतिशत तथा वर्ष 2037 तक 50 प्रतिशत प्राप्त करना निर्धारित किया गया है। उद्योगों, निर्माण कार्यों, उद्यानों एवं लैंड स्केपिंग, सड़क सफाई, शौचालय फ्लशिंग, अग्निशमन तथा उपयुक्त कृषि/सिंचाई जैसे गैर-पेयजल कार्यों में उपचारित जल के उपयोग को प्राथमिकता दी जाएगी। जल गुणवत्ता के निर्धारित मानकों, नियमित निगरानी तथा पेयजल प्रणाली से पूर्णतः पृथक जल वितरण व्यवस्था (दोहरी पाइप लाइन) के माध्यम से जनस्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। उपचारित जल के भंडारण, परिवहन एवं वितरण नेटवर्क, टैंकर फिलिंग स्टेशन तथा दोहरी पाइप लाइन जैसी सुविधाओं के विकास से प्रदेश में नए निवेश एवं रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सार्वजनिक-निजी भागीदारी ,केंद्र एवं राज्य की योजनाओं, सीएसआर तथा उपचारित जल की बिक्री से प्राप्त राजस्व के माध्यम से जल पुनर्चक्रण परियोजनाओं की वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा दिया जाएगा। राज्य स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त संचालन समिति एवं तकनीकी प्रकोष्ठ के माध्यम से अंतर-विभागीय समन्वय, जल मांग का आकलन, दर निर्धारण तथा नियमित निगरानी की मजबूत व्यवस्था की जाएगी।

कलेक्टर ने जिलेवासियों को धनतेरस एवं दीपावली की दी बधाई



दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने जिले के समस्त नागरिकों को धनतेरस एवं दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की कि दीपावली का पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, सद्भाव और आनंद लेकर आए। कलेक्टर ने मां लक्ष्मी से प्रार्थना करते हुए कहा कि जिले के सभी नागरिकों को सुख समृद्धि, वैभव और खुशहाली प्राप्त हो। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि सभी लोग आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव के साथ त्यौहार मनाएं तथा परिवार सहित आनंद और खुशहाली के साथ जीवन में निरंतर उन्नति करें।

कार्यकर्ता उतरे सड़कों पर, की गिरफ्तारी की मांग



दमोह (स्वतंत्र मत)। भगवती मानव कल्याण संगठन के हजारों कार्यकर्ता कलेक्टर कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने बाबा रामपाल के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने एवं शांति भंग करने के आरोप लगाते हुए दमोह जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। जिसमें बाबा रामपाल पर पित दर्ज करते हुए तत्काल जेल भेजने की मांग की संगठन के कार्यकर्ताओं ने बताया की बाबा रामपाल द्वारा लगातार ज्ञान गंगा नाम से एक पुस्तक निःशुल्क रूप से समाज में बांटी जा रही है। जिसमें हिंदू देवी देवताओं का अपमान किया गया है जिससे देश के करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को आघात पहुंचा है। बाबा रामपाल पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए।

एसडीएम ने पटाखा दुकानों का किया निरीक्षण

दमोह/हटा (स्वतंत्र मत)। दीपावली पर्व के मद्देनजर आमजन की सुरक्षा एवं अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर एसडीएम हटा राकेश सिंह मरकाम ने तहसीलदार उमेश तिवारी के साथ पटाखा दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने दुकानों में सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा दुकानदारों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान फायर सेफ्टी, दुकानों के बीच निर्धारित दूरी, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता एवं उनकी कार्यशील स्थिति, रेत एवं पानी की व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की गई। एसडीएम मरकाम ने दुकानदारों को निर्देशित किया कि पटाखों का विक्रय निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप ही किया जाए। प्रत्येक दुकान पर अग्निशमन उपकरण एवं रेत की व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखी जाए। दुकानों के बीच निर्धारित सुरक्षित दूरी बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा दीपावली पर्व को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए लगातार निगरानी एवं निरीक्षण किया जा रहा है।



कार्य में तेजी लाने एजेंसी को जेसीबी एवं श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत)

लापरवाही पर होगी ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई



विधायक जयंत मलैया ने सतधरु सिंचाई परियोजना के शेष निर्माण कार्य का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजना का शेष कार्य हर हाल में निर्धारित समय सीमा दिसंबर तक पूर्ण किया जाए ताकि क्षेत्र के किसानों को शीघ्र सिंचाई सुविधा का लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान विधायक श्री मलैया ने कहा कि सतधारु सिंचाई परियोजना दमोह तहसील के किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। परियोजना का लगभग 96 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका हैए लेकिन शेष कार्य लंबे समय से प्रभावित हो रहा है। इसका एक प्रमुख कारण कुछ किसानों द्वारा अपने खेतों में पाइपलाइन बिछाने के कार्य में सहयोग नहीं करना तथा निर्माण एजेंसी द्वारा पर्याप्त संख्या में जेसीबी मशीन एवं कार्यदल नहीं बढ़ाना है।

उन्होंने क्षेत्र के किसानों से अपील की कि वे जनहित एवं अपने क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए निर्माण एजेंसी को खेतों में शेष कार्य करने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि जेसीबी मशीनों एवं श्रमिकों की संख्या तत्काल बढ़ाई जाए तथा अतिरिक्त टीम लगाकर युद्धस्तर पर कार्य किया जाए। विधायक श्री मलैया ने विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण नहीं होने की स्थिति में संबंधित एजेंसी के विरुद्ध ब्लैकलिस्ट करने सहित नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उल्लेखनीय है कि लगभग 97 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सतधारु सिंचाई परियोजना की सिंचाई क्षमता 7620 हेक्टेयर है। परियोजना पूर्ण होने पर दमोह तहसील के 39 ग्रामों के लगभग 11000 किसानों को पाइपलाइन पद्धति के माध्यम से सीधे उनके खेतों तक सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधा मिलेगी। वर्तमान में बांध में सिंचाई एवं पेयजल आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध है।

ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार विकास की महत्वपूर्ण कड़ी



दमोह। क्षेत्र के विकास, किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और विकास कार्यों को समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराना प्राथमिकता है। यह बात विधायक जयंत मलैया ने ग्राम मनका में 15 लाख रुपये की लागत से होने वाले घाट निर्माण कार्य एवं ग्राम चिरई में 19 लाख रुपये की लागत से बनने वाली पुलिया निर्माण कार्य के भूमिपूजन अवसर पर कही। विधायक श्री मलैया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार विकास की महत्वपूर्ण कड़ी है। इन निर्माण कार्यों से ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इन दोनों विकास कार्यों पर कुल 34 लाख रुपये की राशि व्यय की जाएगी। इस अवसर पर अखिलेश हजारी, दान सिंह, अजय सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सफाई कर्मियों की प्रांतव्यापी हड़ताल से बिगड़े हालात

संकरी गलियों में कचरे से रास्ते अवरुद्ध, दीपावली पर सफाई व्यवस्था चरमराई

दमोह/हटा (स्वतंत्र मत)। सफाई कर्मचारियों की प्रांतव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल का असर अब नगर की सड़कों और गलियों में साफ दिखाई देने लगा है। महज दो दिनों की हड़ताल में ही पूरा नगर कचरे से पट गया है। प्रमुख चौराहों से लेकर संकरी गलियों तक जगह-जगह कचरे के ढेर जमा होकर पहाड़ का रूप लेने लगे हैं। दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार के मौके पर नगर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराती नजर आ रही है। नगर के बस स्टैंड, बड़ा बाजार, थाना मंदिर चौराहा, रत्न बजरिया, चंडीजी चौराहा और अंधियारा बगीचा चौराहा सहित



अनेक प्रमुख स्थानों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं। वहीं नगर की संकरी गलियों में भी कचरा फैलने से लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। कई स्थानों पर कचरे के ढेर के कारण गलियों से निकलना तक मुश्किल हो गया है। दीपावली पर्व के चलते घरों में साफ सफाई का सिलसिला जारी है। ऐसे में घरों से निकलने वाला अतिरिक्त कचरा भी सड़कों पर जमा हो रहा है। आम रास्तों पर कचरा डालने पर रोक के बावजूद पहले से लगे कचरे के ढेर अब कर्मचारियों की हड़ताल के कारण विकराल रूप ले चुके हैं। चारों ओर गंदगी का आलम है। आवारा पशु इन कचरे के ढेरों को और अधिक फैला रहे हैं जिससे स्थिति और भी खराब हो रही है। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल की पूर्व सूचना होने के बावजूद नगर पालिका द्वारा न तो आम नागरिकों को कोई सार्वजनिक सूचना दी गई और न ही वैकल्पिक सफाई व्यवस्था के लिए कोई ठोस तैयारी की गई। परिणामस्वरूप दो दिनों में ही कचरा निष्पादन की समस्या विकराल हो गई है। त्योहार के समय नगर की इस स्थिति को लेकर नागरिकों में नाराजगी देखी जा रही है। नगर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था के बीच पूर्व वर्षों की भांति इस बार भी नगर के स्वयंसेवी संगठन अपने स्तर पर सफाई अभियान चलाने की योजना बनाने में जुट गए हैं। धनतेरस और दीपावली के अवसर पर नगर के प्रमुख रास्तों, बाजारों और चौराहों को साफ सुथरा रखने के लिए सामाजिक संगठनों द्वारा पहल किए जाने की संभावना है। अब देखना होगा कि नगर पालिका वैकल्पिक व्यवस्था कर सफाई व्यवस्था को कितनी जल्दी पटरी पर ला पाती है।

सांदीपनि विद्यालय जबेरा में मनाया गया भव्य दीपोत्सव

जबेरा (स्वतंत्र मत)

सांदीपनि मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जबेरा में विद्यार्थियों ने दीपावली की पूर्व संध्या पर भव्य दीपोत्सव मनाया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने मिट्टी के सुंदर दीपक बनाएए उन्हें सजाया और ड्राइंग, पेंटिंग, रंगोली व नृत्य जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। इस आयोजन के माध्यम से बच्चों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए भारतीय संस्कृति और त्योहारों के महत्व को समझा।



विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से विद्यार्थियों में रचनात्मक एवं सृजनात्मक क्षमता का विकास होता है। त्योहारों और जयंतियों पर आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ना और उनका बौद्धिक विकास करना है। इस गरिमामयी कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, उप प्राचार्य, मार्गदर्शी शिक्षक सहित समस्त शिक्षक और स्टाफ उपस्थित रहा।

एमडीएम प्रभारी ने शासकीय विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन का किया औचक निरीक्षण



जबेरा (स्वतंत्र मत)। दमोह जिले के मध्यान्ह भोजन प्रभारी एमडीएम प्रभु शंकर पांडे ने जबेरा विकासखंड के विभिन्न शासकीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान वे शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय जबेरा पहुंचे, जहां उन्होंने छात्राओं से मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता एवं नियमितता के संबंध में चर्चा कर जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यालय में भोजन व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संबंधित जिम्मेदारों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और निर्धारित मापदंडों के अनुसार भोजन वितरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। निरीक्षण का उद्देश्य शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराना तथा व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना रहा।

आम सूचना

मैं नूतन कुमारी पिता श्री सुरेन्द्र द्विवेदी, उम्र लगभग 33 वर्ष, वर्तमान निवासी - प्लाट नं. 29, श्री नगर, सेक्टर-3, कछपुरा माल गोदाम रोड, कमला नेहरु वार्ड, जिला जबलपुर म.प्र. शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ कि- यह कि विवाह के पूर्व मेरे शैक्षणिक दस्तावेज में मेरा नाम नूतन कुमारी (**Nutan Kumari**) तथा अन्य दस्तावेजों में नूतन द्विवेदी (**Nutan Dwivedi**) अंकित है। यह कि विवाह के पश्चात् अपने पति श्री अजितेश तिवारी उपनाम धारण करना चाहती हूं। यह कि भविष्य में मेरे समस्त दस्तावेजों में नूतन कुमारी (**Nutan Kumari**) एवं नूतन द्विवेदी (**Nutan Dwivedi**) के स्थान पर नूतन तिवारी (**Nutan Tiwari**) नाम अंकित किया जाये, उक्त दोनों नाम मेरे ही है तथा मुझे भविष्य में नूतन तिवारी (**Nutan Tiwari**) के नाम से जाना व पहचाना जावे। इसलिये यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

जबलपुर -दिनांक 04/11/2026

शपथकर्ती
नूतन कुमारी

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
मेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन हस्तांतरण/ नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति मनजोत तिवारी पति श्री नितेश कुमार तिवारी के द्वारा पुरवा कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक LIG-1146 के हस्तांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान में उक्त भवन श्री उमाशंकर चौबे पिता श्री गुलाब चन्द्र चौबे के नाम पर आवंटित है। श्रीमति मनजोत तिवारी पति श्री नितेश कुमार तिवारी के प्राप्त आवेदन एवं निर्धारित दस्तावेज के आधार पर श्रीमति मनजोत तिवारी पति श्री नितेश कुमार तिवारी के नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जाना है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था को उक्त भवन के हस्तांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में किसी भी प्रकार की आपत्ति प्राप्त नही होने पर पुरवा कालोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक LIG-1146 श्रीमति मनजोत तिवारी पति श्री नितेश कुमार तिवारी के नाम हस्तांतरण की कार्यवाही कर की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/दावा मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
मेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/ नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सिविल लाईन कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक HIG 04 श्री राजेन्द्र स्वरूप सक्सेना पिता स्व. श्री राम स्वरूप सक्सेना के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 04.01.1995 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री राजेन्द्र स्वरूप सक्सेना पिता स्व. श्री राम स्वरूप सक्सेना ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 10.10.2012 के माध्यम से डॉ. मोहम्मद फहीम खान पिता श्री मोहम्मद यासीन खान को विक्रय किया है। अतः डॉ. मोहम्मद फहीम खान पिता श्री मोहम्मद यासीन खान द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में. वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
मेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/ नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मदर टेरेसा कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक Jr. LIG 213 श्री विजय गुप्ता पिता श्री भैया लाल गुप्ता के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 01.10.2014 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री विजय गुप्ता पिता श्री भैया लाल गुप्ता ने पंजीकृत विक्रयं विलेख दिनांक 13.05.2022 के माध्यम से श्री आकाश गुप्ता पिता श्री ओ.पी. गुप्ता को विक्रय किया है। अतः श्री आकाश गुप्ता पिता श्री ओ.पी. गुप्ता द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण भवन / भूखण्ड बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र./4595/31-6/2026-27 जबलपुर दि. 03.11.26

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुब्रत चटर्जी पिता दिलीप कुमार चटर्जी निवासी मकान/प्लाट नं. 426 दर्शन टेंट हाऊस के पास सुहागी अधारताल जबलपुर प्लाट नंबर 53 स्थित भूमि खसरा नंबर 18/58 में से रकवा 1080 वर्गफुट भूमि पर वसीयतनामाकर्ता श्रीमति बीथिका चटर्जी का नाम वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। एवं उनकी मृत्यु दिनांक 26/8/2026 के उपरांत उनकी रजिस्टर्ड वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 27/11/2026 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/ आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 03/11/2026
पेशी दिनांक - 27/11/2026

सील

अतिरिक्त तहसीलदार अधारताल जबलपुर

न्यायालय नायाब तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर

रा.प्र.क्र./0189/व-121/2026-27 जबलपुर दि. 28.10.26

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम ग्वारीघाट प.ह.नं. 24, तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर के द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदिका-श्रीमती गनेशी गोस्वामी पति स्व. कल्लूपुरी गोस्वामी, निवासी-752, ग्वारीघाट गीता धाम मंदिर के पास, जबलपुर म.प्र. के द्वारा अपने पति श्री कल्लूपुरी गोस्वामी की मृत्यु दिनांक 03/08/2024 को हो गया है जिसमें उनके बैंक खाते में नोमनी न होने के कारण वारसानों की जानकारी हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त के संबंध में आवेदन इस न्यायालय में विचाराधीन है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज सहित इस न्यायालय में स्वंय उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा नियत पेशी दिनांक 11/11/2026 या नियत तिथि के पूर्व प्रस्तुत करें। नियत अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह इश्तहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नायाब तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर



पटरी से उतरा ट्रेन का डिब्बा, मचा हड़कंप

स्लीमनाबाद रेलवे स्टेशन पर व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेल परिचालन की संरक्षा सुनिश्चित करने तथा किसी भी संभावित आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित एवं प्रभावी राहत-बचाव कार्यों की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से जबलपुर रेल मंडल द्वारा 05 नवंबर को स्लीमनाबाद रेलवे स्टेशन पर एक व्यापक आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के अंतर्गत अपराह्न 13.10 बजे स्लीमनाबाद रेलवे स्टेशन के पॉइंट संख्या 101 पर एक टावर वैगन के पटरी से उतरने (डिरेलमेंट) तथा कुछ रेलकर्मियों के घायल होने का काल्पनिक परिदृश्य तैयार किया गया। इस काल्पनिक दुर्घटना के कारण अप एवं डाउन दोनों दिशाओं में रेल यातायात प्रभावित होना दर्शाया गया।



सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण कर दिए निर्देश

विद्यार्थियों द्वारा बनाई पेंटिंग देख कलेक्टर ने की सराहना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने कुंडेश्वर धाम स्थित सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ड्राइंग प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों से चर्चा की। उनके साथ बैठकर ड्राइंग एवं पेंटिंग के बारे में जानकारी ली तथा विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग की सराहना की। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विद्यालय की कंप्यूटर लैब का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कंप्यूटर विषयों के प्रायोगिक प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी ली तथा लैब में उपलब्ध कंप्यूटर और विद्यार्थियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

प्रकाश, सकारात्मकता और स्वच्छता का पर्व है दीपावली

हितकारिणी वुमेंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में दीपावली के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी वुमेंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में दीपावली पर्व के अवसर पर रंगोली, आरती थाली सज्जा एवं नारियल सज्जा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने कहा कि दीपावली केवल दीपों का त्यौहार नहीं, बल्कि यह प्रकाश, सकारात्मकता, स्वच्छता, सद्भाव और नवचेतना का प्रतीक है।



ऐसे रहे प्रतियोगिताओं के परिणाम

रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रेया सोनी प्रथम सेमेस्टर को, द्वितीय स्थान शिवानी शर्मा प्रथम सेमेस्टर को, तृतीय स्थान शिखा पगारे एवं मेघा कुशवाहा प्रथम सेमेस्टर को तथा सांत्वना पुरस्कार महक चौरसिया एवं मुस्कान त्रिपाठी को प्राप्त हुआ। आरती थाली सज्जा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा सिंह तृतीय सेमेस्टर को एवं द्वितीय स्थान शिवांगी मरकाम प्रथम सेमेस्टर को प्राप्त हुआ। वहीं नारियल सज्जा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रिंकी कुशवाहा प्रथम सेमेस्टर ने, द्वितीय स्थान शिखा पगारे प्रथम सेमेस्टर ने तथा तृतीय स्थान नेहा सिंह तृतीय सेमेस्टर एवं शिवांगी मरकाम प्रथम सेमेस्टर ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय की उप-प्राचार्य एवं संस्कृतिक प्रभारी डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. रश्मि शुक्ला, जया सामदेकर, डॉ. निधि माथुर, ऋषभ भट्ट, लाइब्रेरियन ज्योति शर्मा एवं कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, प्रेमलता चौबे, विजय दहायत, प्रीति नामदेव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पराली जलाने पर एफआइआर होने से भड़के किसान

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। पराली जलाने पर एफआइआर दर्ज करने के कलेक्टर के आदेश के विरोध में गुरुवार को सिहोरा और मझौली तहसील के सैकड़ों किसानों ने बस स्टैंड पर जन आक्रोश रैली निकालकर धरना दिया। अखिल भारतीय ओबीसी महासभा एवं एसटी-एससी संयुक्त मोर्चा के तत्वावधान में हुए प्रदर्शन में किसानों ने शासन-प्रशासन और कलेक्टर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। दोपहर 2 बजे शुरू हुआ धरना शाम 5.30 बजे तक चला।



करीब साढ़े 3 घंटे से अधिक समय तक किसान धरने पर बैठे रहे। जिला पंचायत सदस्य प्रदीप पटेल ने कहा कि कलेक्टर का यह आदेश काला कानून है, जिसे तत्काल वापस लेना होगा। सरकार ने बीते एक साल में पराली के उचित प्रबंधन के लिए कोई बेहतर व्यवस्था नहीं की और अब किसानों पर एफआईआर का फरमान जारी किया जा रहा है। धरना स्थल पर पहुंचीं एसडीएम ज्योति परस्ते ने किसानों से चर्चा कर उनकी मांगें वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। हालांकि, साढ़े तीन घंटे से अधिक चले प्रदर्शन के बाद भी आदेश वापस लेने को लेकर कोई सहमति नहीं बन सकी।

शहपुरा में पुल टूटने से यातायात व्यवस्था ठप्प

शहपुरा (स्वतंत्र मत)। शहपुरा नगर में मुख्य पुल के क्षतिग्रस्त/टूट जाने से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित हो गई है। शहपुरा से नरसिंहपुर, जबलपुर को जोड़ने वाला यह मुख्य मार्ग है, जिसके बंद होने से सैकड़ों गांवों के लोगों, किसानों, व्यापारियों और स्कूली छात्र-छात्राओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन हरकत में आया। जिलाधीश, पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्रीय विधायक द्वारा तत्काल शहपुरा नगर का दौरा किया गया। अधिकारियों ने टूटे हुए पुल का निरीक्षण किया और तत्काल प्रभाव से राहत कार्य एवं यातायात सुचारू करने के निर्देश दिए। प्रशासन द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। वहीं स्थानीय नागरिकों और ग्रामीणों ने प्रशासन को एक महत्वपूर्ण और कम लागत वाला वैकल्पिक मार्ग सुझाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार अमन ढाबा, भमकी से वेहरू माता मंदिर तक बरगी बांध की नहरों के किनारे-किनारे एक मार्ग उपलब्ध है, जो आवागमन के लिए काफी उपयुक्त है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस वैकल्पिक मार्ग का शीघ्र निरीक्षण कर इसे यातायात के लिए खोला जाए ताकि आमजन को हो रही असुविधा से निजात मिल सके।

एपीएन इंस्टीट्यूट में मनाया गया दीपावली मिलन समारोह



जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

एपीएन ग्रुप ऑफ़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में दीपावली का पावन पर्व बेहद हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान परिसर में एक भव्य दीपावली मिलन समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एपीएन ग्रुप ऑफ़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने की। उन्होंने सभी को पर्व की बधाई देते हुए कहा कि दीपावली केवल दीपों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा पवित्र पर्व है जो हमारे जीवन और समाज से अंधकार को मिटाकर ज्ञान, सकारात्मकता और प्रकाश का संचार करता है। दीपावली मिलन के इस शुभ अवसर पर संस्था द्वारा सभी को उपहार देकर दीपावली की बधाई दी गई। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर मयंक श्रीवास्तव, प्रबंधक धवल श्रीवास्तव रजिस्ट्रार मानवेंद्र सिंह, स्टेट बोर्ड के प्राचार्य अजय वर्मा, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सोनल खरे, सीबीएसई सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य करन खुराना, स्टेट बोर्ड की उप-प्राचार्या मनु श्रीवास्तव सहित पार्षद अमरचन्द बावरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

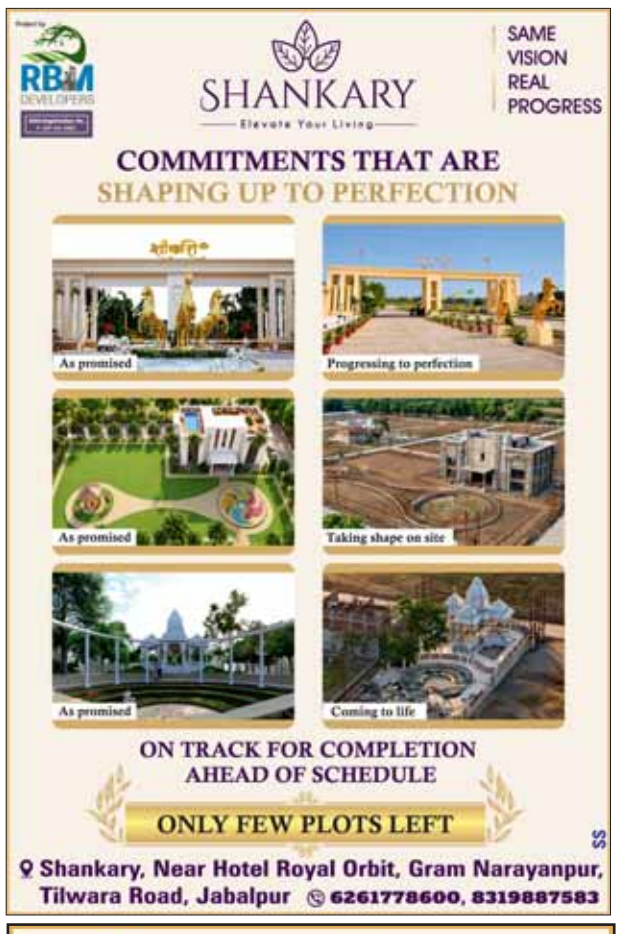
















हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**